नई दिल्ली ■ सोमवार, 02 जून 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 63 ■ पृष्ठ 12

J B T

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो | 11 चौथे दौर में पहुंचे नोवाक जोकोविच | दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस 10

मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ममता 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध कर रही हैं: शाह

कोलकाता। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए उन पर मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन अधिनियम का 'विरोध' करने का आरोप लगाया। शाह ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल में हुए दंगे 'राज्य प्रायोजित' थे।

शाह ने यहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में तृणमूल सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में बनर्जी का कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ममता दीदी ने ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। ऐसा करके वह इस देश की माताओं और बहनों का अपमान कर रही हैं। आपने (ममता बनर्जी) सैन्य अभियान का विरोध नहीं किया, आपने करोड़ों माताओं-बहनों की जिंदगी से खेला है। मैं बंगाल की महिलाओं से अपील करने आया हूं कि वे आने वाले विधानसभा चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझाएं।

शाह ने कहा कि 2026 (विधानसभा चुनाव) में राज्य की माताएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाएंगी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। अप्रैल में मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर शाह ने दावा किया कि दंगों में तृणमूल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे।

भाजपा नेता ने दावा किया कि जिस तरह से तृणमूल कांग्रेस के एक मंत्री ने हिंसा भड़काई, उससे यह कहा जा सकता है कि मुर्शिदाबाद दंगे राज्य प्रायोजित थे। शाह ने आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद दंगों के दौरान गृह मंत्रालय बीएसएफ की तैनाती पर जोर देता रहा, लेकिन तृणमूल सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, ताकि हिंसा जारी रहे। अगर बीएसएफ के जवान तैनात होते तो हिंदुओं की सुरक्षा होती। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के बाद ही आखिरकार बीएसएफ को भेजा गया। वक्फ कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद में हुए सांप्रदायिक दंगों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

बनर्जी के शासन पर हमला तेज करते हुए शाह ने कहा कि आज ममता दीदी ने बंगाल की इस महान भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ दुर्व्यवहार का केंद्र बना दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों में 'बाधा' डालने के लिए राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता शाह ने कहा कि ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही हैं। गृह मंत्री ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर सीमा पार से अवैध आवाजाही को सुविधाजनक बनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल चुनाव न केवल राज्य का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खुली छोड़ दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। इसे केवल भाजपा सरकार ही रोक सकती है। घुसपैठ रोकने में बीएसएफ की 'विफलता' की तृणमूल की आलोचना का जवाब देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने बीएसएफ को जरूरी जमीन नहीं दी है। उन्होंने कहा कि एक बार तृणमूल सरकार बीएसएफ को जरूरी जमीन दे दे, तो हम घुसपैठ रोक देंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत केंद्र सरकार ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर तक हमला किया। शाह ने कहा कि कई आतंकवादी मारे गए, लेकिन इससे ममता जी को परेशानी हो रही है। ऐसा करके आप न केवल अभियान का विरोध कर रही हैं, बल्कि हमारे देश की महिलाओं की भावनाओं का भी अनादर कर रही हैं।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि जब हमले में बंगाल के पर्यटक मारे गए, तो ममता दीदी चुप रहीं, लेकिन अब उन्हें ऑपरेशन सिंदूर से परेशानी हो रही है। गृह मंत्री ने शिक्षक भर्ती 'घोटाले' को लेकर भी राज्य सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि कोलकाता के बाजारों में युवाओं की नौकरियां बेची जा रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के घरों से पार्टी का इतना पैसा जब्त किया गया है कि मशीनें भी नोट गिनते-गिनते थक गईं। अब यह सब बंद होना चाहिए।

> "शाह ने दावा किया कि लेकिन, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी कभी भी बीएसएफ को जमीन नहीं देगी, क्योंकि वह चाहती है कि घुसपैठ जारी रहे ताकि वह सत्ता में बनी रहे। शाह ने बनर्जी पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दृढ़ रुख अपनाने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में ममता दीदी जब मंत्री थीं, तब भी आतंकी हमलों से सख्ती से निपटने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पार आतंकी ठिकानों को नष्ट करके आतंकी हमलों के खिलाफ कड़े कदम उठाए। लेकिन ममता दीदी को इससे दिक्कत है। शाह ने आरोप लगाया कि अपने वोट बैंक की खातिर ममता दीदी ने निचले स्तर पर जाने की सारी हदें पार कर दी हैं। कुछ दिन पहले पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को उनका धर्म पूछकर उनके परिवारों के सामने ही मार डाला। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया गया। हालांकि, ममता दीदी को इन आतंकियों की मौत पर दुख हुआ। उन्होंने तुच्छ राजनीतिक बयान जारी कर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।

नासिक-त्र्यंबकेश्वर में अगले साल 31 अक्टूबर से शुरू होगा सिंहस्थ कुंभ मेला

नासिक/मुंबई। नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को दो प्रमुख तीर्थ नगरी में पारंपरिक ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा, जबकि गोदावरी नदी में पहला 'अमृत स्नान' दो अगस्त 2027 को होगा। नासिक में साधुओं और महंतों की एक बैठक में बहुप्रतीक्षित तिथियों की घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने की। उन्होंने कहा कि इस भव्य समागम के लिए किए जाने वाले प्रबंध के पैमाने को देखकर दुनिया दंग रह जाएगी। सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को त्र्यंबकेश्वर के साथ-साथ रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा।

नासिक में 29 जुलाई 2027 को 'नगर प्रदक्षिणा' होगी, जबकि पहला 'अमृत स्नान' दो अगस्त 2027 को होगा। दूसरा अमृत स्नान 31 अगस्त 2027 को तथा तीसरा और अंतिम 11 सितंबर 2027 को नासिक में और 12 सितंबर 2027 को त्र्यंबकेश्वर में होगा। ध्वज को 24 जुलाई 2028 को उतार लिया जाएगा, जो सिंहस्थ कुंभ मेले के समापन का प्रतीक होगा। यह 12 वर्षों में एक बार आयोजित होता है। पिछला सिंहस्थ कुंभ मेला वर्ष 2015-16 में नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित किया गया था। कुंभ पारंपरिक रूप से नासिक-त्र्यंबकेश्वर, प्रयाग (इलाहाबाद), हरिद्वार और उज्जैन में आयोजित किया जाता है। अर्ध कुंभ हर छह साल बाद प्रयाग और हरिद्वार में आयोजित किया जाता है। नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ अद्वितीय है क्योंकि यहां वैष्णव अखाड़े और शैव अखाड़े अलग-अलग स्नान करते हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि बैठक में सभी 13 मुख्य अखाड़ों के संतों और पुरोहित संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि बैठक में उपस्थित लोगों को एक इस विशाल कार्यक्रम के आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण उपलब्ध कराया गया। फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि 4,000 करोड़ रुपये की लागत वाले कार्यों की निविदाएं जारी की जा चुकी हैं। 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाले अन्य कार्यों की निविदाएं भी जल्द ही जारी की जाएंगी। सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी), गोदावरी नदी की सफाई और 'साधुग्राम' के लिए भूमि अधिग्रहण का काम भी प्रगति पर है। भगदड़ जैसी स्थिति पैदा न होने देने को सुनिश्चित करने के लिए भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अमृत स्नान' की तिथियां घोषित कर दी गई हैं और चूंकि यह आयोजन लंबे समय तक चलेगा, इसलिए श्रद्धालुओं को केवल विशेष दिनों पर ही पहुंचने की जरूरत नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

उप्र: शामली में रेल पटरी पर मिला लोहे का पाइप, हादसा टला

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर से सटे शामली जिले में बलवा गांव के पास दिल्ली-सहारनपुर रलवे लाइन पर अराजक तत्वों ने 10 फुट लंबा लोहे का पाइप रख दिया। सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन के चालक की मुस्तैदी की वजह से हादसा टल गया। जीआरपी के प्रभारी चंद्रवीर सिंह ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन के चालक ने पटरी पर लोहे का पाइप रखा देखकर आपातकालीन ब्रेक लगा दिया जिससे ट्रेन समय रहते रुक गई और हादसा टल गया। सिंह ने बताया कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने रेलवे ट्रैक पर भारी लोहे का पाइप रख दिया था। ट्रेन चालक की सतर्कता से दुर्घटना टल गई। शामली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामसेवक ने घटनास्थल का दौरा किया। औपचारिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना की वजह से रेलगाड़ियों की आवाजाही कुछ समय के लिए बाधित हुई। हालांकि पटरी से पाइप हटाने और सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण के बाद रेल यातायात फिर से शुरू कर दिया गया।

दिल्ली: एक घर में भाई-बहन मृत पाए गए, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके स्थित एक फ्लैट के अंदर भाई-बहन के शव फंदे से लटके पाए गए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि सीमापुरी थाने को शनिवार को दिलशाद गार्डन के पॉकेट-डी में स्थित एक फ्लैट से दुर्गंध आने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने फ्लैट को अंदर से बंद पाया। अधिकारी ने बताया कि फ्लैट के अंदर वीरेश कुमार तोमर और उनकी बहन चिंकी के शव छत से लटके मिले। पुलिस के अनुसार दोनों भाई-बहन वर्ष 2021 से उस फ्लैट में किराये से रह रहे थे और उत्तर प्रदेश के फतेहपुर चक के निवासी थे। घटनास्थल पर अपराध शाखा और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया गया जिन्होंने फ्लैट की गहन जांच की और वीडियो भी बनाए। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन मामले की सभी कोणों से जांच की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए पड़ोसियों और मकान मालिक से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह की आठ जून को सांसद प्रिया सरोज से होगी सगाई

जौनपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह की शादी जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद प्रिया सरोज से तय हो गई है और दोनों की रिंग सेरेमनी (सगाई की रस्म) आठ जून को लखनऊ में होगी। प्रिया सरोज के पिता और जौनपुर के केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने रविवार को इस रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रिंग सेरेमनी में परिवार के सदस्य करीबी मित्र और रिश्तेदार शामिल होंगे। शादी परंपरागत तरीके से इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी। इस शादी समारोह में क्रिकेट जगत के सितारे, बॉलीवुड हस्तियां, उद्योगपति और प्रमुख राजनेताओं को आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में रिंकू सिंह के परिजनों से मुलाकात के बाद दोनों परिवारों की सहमति से यह रिश्ता तय हुआ।

एयर मार्शल खन्ना ने दक्षिणी वायु कमान के एओसी-इन-सी का पदभार संभाला

नई दिल्ली। विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव रखने वाले कुशल अधिकारी एयर मार्शल मनीष खन्ना ने रविवार को दक्षिणी वायु कमान का पदभार ग्रहण किया। सरकार ने एक बयान में कहा कि उन्हें 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था।

इसमें कहा गया है कि एयर मार्शल मनीष खन्ना अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम), वायुसेना मेडल (वीएम), ने 1 जून 2025 को तिरुवनंतपुरम में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) के रूप में दक्षिणी वायु कमान (एसएसी) की कमान संभाली। वायुसेना अधिकारी श्रेणी 'ए' योग्यता प्राप्त उड़ान प्रशिक्षक हैं तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वायु युद्ध महाविद्यालय और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। इसमें कहा गया है कि वायुसेना अधिकारी के पास विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।

वायु रक्षा, जमीनी हमले, रणनीतिक टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक कौशल में अपने समृद्ध परिचालन अनुभव के अलावा, एयर मार्शल के पास प्रशिक्षण क्षेत्र में व्यापक अनुभव है, जिसमें बोत्सवाना रक्षा बलों के साथ मुख्य उड़ान प्रशिक्षक के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यभार भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश: सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को एक पिकअप वाहन के पुल की रेलिंग से टकरा जाने से उसमें सवार पांच श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि वाहन पंजाब के लुधियाना से मंडी में स्थित आईआईटी जा रहा था, उस दौरान ही यह दुर्घटना घटी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन पुल की रेलिंग से टकरा गया। मृतकों में से तीन की पहचान सुखविंदर, उमेश और सागर के रूप में हुई है तथा तीनों पंजाब के रहने वाले थे, जबकि दो अन्य की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मंडी पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा ने बताया कि वाहन चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जिला प्रशासन को मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने का निर्देश दिया है। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खरगे ने प्रधानमंत्री से 'आत्म-प्रशंसा' बंद करने और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने को कहा

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक भाषणों पर टिप्पणी करते हुए उनसे 'आत्म-प्रशंसा के बजाय दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करने' और चुनाव प्रचार से खुद को अलग करने का आग्रह किया। बेंगलुरु में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि मैं उनके (मोदी के) सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता। लेकिन मेरा उनसे बस इतना अनुरोध है कि सत्ता में बैठे लोगों को कभी-कभी अपना मुंह बंद रखना चाहिए।

खरगे ने प्रधानमंत्री के हालिया सार्वजनिक बयानों और राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए सुझाव दिया कि मोदी को अस्थायी तौर पर चुनाव प्रचार से दूर हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी को खुद को चुनावों से अलग कर लेना चाहिए और देश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्हें देश में जो कुछ भी हुआ है, उसे समझकर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं बिना किसी राजनीतिक मतभेद के कह रहा हूं कि उन्हें (मोदी को) यह दावा करने के बजाय कि उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता, दुश्मन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारा पूरा समर्थन सशस्त्र बलों के साथ है।

ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विचार-विमर्श के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वापस आने दीजिए। जब तक वे वापस नहीं आ जाते, तब तक इधर-उधर घूमना और भाषण देना उचित नहीं है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति कांग्रेस पार्टी का अटूट समर्थन दोहराया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री के उस बयान पर भी कटाक्ष किया जिसमें उन्होंने कहा था कि सेना को पूरी छूट दे दी गई है। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने कहा है कि उन्होंने सशस्त्र बलों को पूरा अधिकार दे दिया है, तो फिर वे यह दावा क्यों कर रहे हैं कि वह उन्होंने किया? खुद की बड़ाई करना अच्छी बात नहीं है।

संवेदनशील समय में राजनीतिक संयम की आवश्यकता पर बल देते हुए खरगे ने कहा कि हम कुछ नहीं कहेंगे, क्योंकि स्थिति सामान्य नहीं है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले तनाव के दौरान पाकिस्तान की संसद में दिखाये गए संयम का उदाहरण देते हुए कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच झड़पें हुईं, तो पाकिस्तान की संसद में इस बात पर चर्चा शुरू हुई कि देश के खिलाफ कुछ भी न बोला जाए। उन्होंने कहा कि जब तक सेना है, हम सभी सुरक्षित हैं। इसलिए हम सशस्त्र बलों का समर्थन करते हैं।

शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री बनकर इतिहास रचने को तैयार

नई दिल्ली। भारत के शुभांशु शुक्ला एक्सिओम स्पेस के चौथे वाणिज्यिक मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपनी पहली अंतरिक्ष उड़ान के लिए तैयार हैं। एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) आठ जून को फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया जाना है।

ड्रैगन अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण फ्लोरिडा स्थित नासा के अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय समयानुसार शाम 6:41 बजे से पहले नहीं होगा। इस प्रक्षेपण के साथ ही शुक्ला लगभग चार दशक बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। राकेश शर्मा ने 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा की थी। एक्सिओम-4 मिशन के पायलट शुक्ला के अलावा, अन्य चालक दल में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू शामिल हैं, जो इतिहास में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की दोनों यूरोपीय देशों की पहली यात्रा और 40 वर्षों में दूसरा सरकार प्रायोजित मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन एक्सिओम-4 मिशन की कमांडर होंगी।

शुक्ला ने जनवरी में संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि मैं सूक्ष्मगुरुत्व क्षेत्र में जाने और अकेले अंतरिक्ष उड़ान का अनुभव करने के लिए सचमुच बहुत उत्साहित हूं। अंतरिक्ष यात्री कक्षा में स्थित प्रयोगशाला में 14 दिन तक बिताने की योजना बना रहे हैं, जहां वे विज्ञान और वाणिज्यिक गतिविधियों का संचालन करेंगे। एक्स-4 अंतरिक्ष यात्री आईएसएस में अपने 14 दिवसीय प्रवास के दौरान 31 देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 60 वैज्ञानिक अध्ययन और गतिविधियां करेंगे।

शुक्ला नासा के सहयोग से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के बीच सहयोग के तहत विकसित विशेष खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोगों का संचालन करने के लिए तैयार हैं। इन प्रयोगों का उद्देश्य भविष्य में लम्बी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा के लिए आवश्यक अंतरिक्ष पोषण और आत्मनिर्भर जीवन समर्थन प्रणालियों का विकास करना है। इसरो ने शुक्ला के लिए सात प्रयोगों की एक श्रृंखला तैयार की है जो नासा द्वारा अपने मानव अनुसंधान कार्यक्रम के लिए नियोजित पांच संयुक्त अध्ययनों में भी भाग लेंगे। शुक्ला बीजों को मैक्रोबायोटिक परिस्थितियों में भी रखेंगे और उन्हें वापस धरती पर लाएंगे, जहां उन्हें पौधों में न केवल एक बार बल्कि कई पीढ़ियों तक उगाया जाएगा।

शुक्ला ने जनवरी में कहा था कि उन्होंने आईएसएस पर अपने अनुभवों को चित्रों और वीडियो के माध्यम से रिकॉर्ड करने की योजना बनाई है, जिसे वे अपने देश में सभी भारतवासियों के साथ साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एक्सिओम मिशन 4 के अनुभव का उपयोग गगनयान मिशन में बहुत अच्छी तरह से किया जाएगा, जिसकी योजना 2027 के लिए बनाई गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक्सिओम-4 मिशन पर 550 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जे एन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी के आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने साप्ताहिक रेजिमेंटल धार्मिक परेड में पूरी तरह से भाग लेने से लगातार इनकार करने पर एक ईसाई सैन्य अधिकारी की सेवा समाप्त किये जाने के आदेश को बरकरार रखा और कहा है कि सशस्त्र बल धार्मिक रूप से विभाजित होने के बजाय अपनी वर्दी के आधार पर एकजुट होते हैं।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने तीन मार्च, 2021 के आदेश को चुनौती दी है जिसके तहत उन्हें पेंशन और ग्रेच्युटी के बिना भारतीय सेना से बर्खास्त कर दिया गया था। याचिका दायर करने वाले लेफ्टिनेंट ने एक स्क्वाड्रन के 'ट्रूप लीडर' के रूप में काम किया था। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने धर्म को अपने वरिष्ठ के वैध आदेश से ऊपर रखा जबकि अवज्ञा करना सेना अधिनियम के तहत अपराध है। पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में सवाल धार्मिक स्वतंत्रता का नहीं है, बल्कि यह अपने वरिष्ठ के वैध आदेश का पालन करने का सवाल है। पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता ने अपने वरिष्ठ के वैध आदेश से ऊपर अपने धर्म को रखा है। इसने कहा कि यह स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता का कृत्य है। पीठ ने कहा, "हमारे सशस्त्र बलों में सभी धर्मों, जातियों, पंथों, क्षेत्रों और आस्थाओं के कर्मिक शामिल हैं, जिनका एकमात्र उद्देश्य देश को बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित रखना है और इसलिए वे अपने धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर विभाजित होने के बजाय अपनी वर्दी के आधार पर एकजुट हैं।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उनकी रेजिमेंट अपनी धार्मिक आवश्यकताओं और परेड के लिए केवल एक मंदिर और एक गुरुद्वारा ही रखे हुए है। याचिकाकर्ता ने खुद को ईसाई धर्म को मानने वाला बताते हुए साप्ताहिक धार्मिक परेड और अन्य कार्यक्रमों के दौरान अपने सैनिकों के साथ जाते समय मंदिर के सबसे भीतरी भाग में प्रवेश करने से छूट मांगी थी। सेना के अधिकारियों ने बर्खास्तगी का बचाव करते हुए कहा कि सेना में अन्य ईसाई अधिकारियों के माध्यम से प्रयास किए गए थे और बर्खास्त अधिकारी (याचिकाकर्ता) को एक स्थानीय चर्च के पादरी के पास भी ले जाया गया, जिन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि अपने कर्तव्य के हिस्से के रूप में 'सर्व धर्म स्थल' में प्रवेश करना उसके ईसाई धर्म पर कोई असर नहीं डालेगा। लेकिन इसके बावजूद याचिकाकर्ता अपने रुख पर अडिग रहा। न्यायालय ने 30 मई के अपने फैसले में प्रतिकूल परिस्थितियों में दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा करने वालों के समर्पण को 'सलाम' किया और कहा कि दिखने में एकरूपता तथा सभी धर्मों के प्रति सम्मान, सशस्त्र बल के सुसंगठित, अनुशासित तथा समन्वित कामकाज के लिए आवश्यक है तथा सशस्त्र बल धर्म से पहले राष्ट्र को रखते हैं। पीठ ने कहा, " हमें तीन मार्च 2021 के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिला। तदनुसार, याचिका खारिज की जाती है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सद्गुरु के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए आदेश पारित किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव के व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की रक्षा करते हुए विभिन्न वेबसाइट और अज्ञात इकाइयों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से उनके व्यक्तित्व की खासियतों का किसी भी माध्यम या मंच पर दुरुपयोग करने से रोक दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा कि न्याय देने के दृष्टिकोण से स्थिति वादी सद्गुरु के पक्ष में झुकती प्रतीत हो रही है। न्यायालय ने सद्गुरु के पक्ष में 'डायनेमिक+' निषेधाज्ञा पारित की जो निषेधाज्ञा राहत का एक रूप है जिसे हाल के वर्षों में इसी प्रकार के मामलों में न्यायालयों द्वारा प्रदान किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे ऑनलाइन उल्लंघनकारी प्लेटफार्मों से वादियों की रक्षा करना है।

अदालत ने कहा, "इस प्रकार समय के साथ विकसित हुई विधि की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि वादी के अधिकारों को तेजी से उभरती तकनीक की दुनिया में निरर्थक नहीं बनाया जा सकता और इंटरनेट सहित किसी भी सामाजिक मंच पर बौद्धिक संपदा अधिकारों का प्रवर्तन वास्तविक दुनिया के साथ-साथ दृश्यमान और प्रभावी होना चाहिए।" अदालत ने यह अंतरिम निषेधाज्ञा सद्गुरु द्वारा दायर उस मुकदमे में जारी की जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन को लेकर राहत मांगी थी। आरोप था कि कुछ वेबसाइटें और अज्ञात संस्थाएं उनके नाम, छवि आदि का अनुचित उपयोग कर रही हैं। अदालत ने कहा कि सद्गुरु की आवाज, नाम, हस्ताक्षर, छवि, हावभाव, बोलने की शैली, विशिष्ट परिधान और रूप आदि को लेकर उनकी एक विशिष्ट पहचान बन गई है। न्यायमूर्ति बनर्जी ने कहा कि सद्गुरु के व्यक्तित्व अधिकार अद्वितीय हैं और संबंधित सामग्री न केवल उनका उपयोग कर रही थी, बल्कि प्रतिवादियों ने आधुनिक तकनीक के जरिए उनकी छवि, आवाज, शैली और वीडियो में फेरबदल कर व्यावसायिक लाभ लेने की कोशिश की। अदालत ने कहा, "अगर इसे यूं ही जारी रहने दिया गया तो यह महामारी की तरह फैल जाएगा, खासकर जब प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया और इंटरनेट पोर्टल हों। अगर इसे नहीं रोका गया, तो गलत संदेश जंगल की आग की तरह फैल सकता है और फिर उसे बुझाने के लिए पानी भी नहीं बचेगा।" अदालत ने उन यूट्यूब चैनलों को बंद करने और उनके खातों को निलंबित करने का आदेश दिया जिनमें विशेष रूप से सद्गुरु के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करने वाली सामग्री थी। साथ ही उनके मूल ग्राहक विवरण साझा करने का निर्देश दिया। अदालत ने दूरसंचार विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों को ऐसे वेबसाइट, खातों और चैनलों को ब्लॉक या निलंबित करने का निर्देश दें जो सद्गुरु के विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि आज के दौर में जब 'डेवलपर्स' और नवप्रवर्तकों को अत्यधिक स्वतंत्रता प्राप्त है तो बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों जैसे कि सद्गुरु भी ऐसी 'दुष्ट वेबसाइटों' की कार्रवाई के प्रति संवेदनशील हैं और उन्हें उचित संरक्षण नहीं मिला तो वे नुकसान में पड़ सकते हैं। अदालत ने कहा, "इस प्रकार के खतरनाक स्थिति और तेज हो गई है क्योंकि कुछ वेबसाइट जिन्हें भले ही ब्लॉक या डिलीट कर दिया जाए, वे मामूली यांत्रिक बदलावों के साथ फिर से नई पहचान के साथ सामने आ सकती हैं।" अदालत ने आगे कहा, "ये वेबसाइटें गोपनीयता की आड़ में अपने पंजीकरण या संपर्क विवरण को पूरी तरह से छिपा लेती हैं जिससे उनके संचालकों से संपर्क कर उल्लंघनकारी सामग्री हटवाना लगभग असंभव हो जाता है।" अदालत ने सद्गुरु के मुकदमे में नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध की।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन से गिरकर महिला की मौत

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की परमानंद कालोनी में रहने वाली महिला की शनिवार शाम चलती ट्रेन से गिरने पर मौत हो गई। ट्रेन शामली से लोनी होते हुए दिल्ली जा रही थी। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परमानंद कालोनी में वीरपाल सिंह परिवार के साथ रहते है। उन्होंने बताया कि 55 वर्षीय पत्नी रामहरि किसी काम से लोनी गई थी। घर वापस लौटते समय शाम को वह शामली से दिल्ली जाने वाली ट्रेन में लोनी से बेहटा हाजीपुर स्टेशन के लिए बैठ गई। उन्हें ट्रेन के बेहटा स्टेशन पर नहीं रुकने की जानकारी नहीं थी। जब ट्रेन बेहटा स्टेशन पर नहीं रुकी तो उन्होंने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया। इस दौरान वह ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गई। आस पास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस को महिला मृत अवस्था में मिली। मृतका के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

चार वाहन चोर गिरफ्तार

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने रविवार को चेकिंग के दौरान पंचलोक गांव के सामने से चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। ट्रोनिका सिटी पुलिस पंचलोक गांव के सामने वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने चार युवकों को चेकिंग के लिए रोका। जांच में पता चला कि चारों गैंगस्टर के आरोप में वांछित है। पुलिस चारों को थाने ले आई पूछताछ में एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि चारों ने अपने नाम बिलाल निवासी इकराम नगर लोनी, इरशाद निवासी आर्य नगर लोनी, रजीम निवासी दौलत नगर ट्रोनिका सिटी व समद निवासी मुस्तफाबाद दिल्ली बताए। इन्होंने दिल्ली व आसपास के क्षेत्र से बाइक चुराने के बाद उनके स्पेयर पार्ट्स बेचना स्वीकार किया है।

मंदिर के दान पात्र से चोरी

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की उत्तरांचल विहार सोसाइटी स्थित दुर्गा मंदिर में चोरों ने शनिवार देर रात दो दान पात्र के ताले तोड़कर हजारों रुपये की नकदी चुरा ली। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौका मुआयना किया है। उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले रणवीर सिंह दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम मंदिर में पूजा अर्चना के बाद रात को बंद कर दिया था। देर रात चोरों ने मंदिर में रखे दोनों दान पात्र के ताले तोड़कर उसमें रखे करीब पचास हजार रुपये की नकदी चुरा ली। करीब एक वर्ष पहले भी चोर मंदिर के दान पात्र के ताले तोड़कर नकदी चुरा ले गये थे। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार का कहना है कि मंदिर समिति के पदाधिकारियों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। चोरों की तलाश की जा रही है।

योग से लाभ के बारे में बताया

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा सेक्टर पांच में अमरनाथ वाटिका के सामने स्थित पार्क में लगे हुई रोग निवारण शिविर का रविवार को समापन हो गया। इस शिविर में अंतिम दिन लगभग 50 लोगों ने प्रतिभाग किया। भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित इस शिविर में योग अभ्यास के बाद संस्था की जिला मंत्री शालिनी गोयल ने योग आसन से हड्डियों को होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान योग गीत भी प्रस्तुत किए गए और साधकों ने अपने अनुभव साझा किए। शिविर हड्डियों से संबंधित समस्याओं के निवारण पर केंद्रित रहा। इस मौके पर दीपक सिंघल, डीएस रावत, कांति नौडियाल, रुमा वसु, अभिलाषा राय आदि उपस्थित रहें।

छात्रों को बोटैनिकल गार्डन का भ्रमण कराया

मोदीनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में बीस दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को बोटैनिकल गार्डन में छात्रों को भ्रमण कराया गया। वहां उन्हें कटहल, अमरूद, आम, आडू, केला, कड़ी पत्ता, अनार, पपीता जैसे फलदार वृक्षों की जानकारी दी गई। साथ ही हल्दी, आंवला, अदरक, अजवाइन जैसे औषधीय पौधों के बारे में भी बताया गया। खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि कैम्प में कराटे बोर्ड और लूडो खेलों का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों को प्रतिदिन योग और व्यायाम भी कराए जा रहे हैं।

राजधानी में तेज हवाओं के बाद झमाझम बारिश

तेज हवाओं और बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत

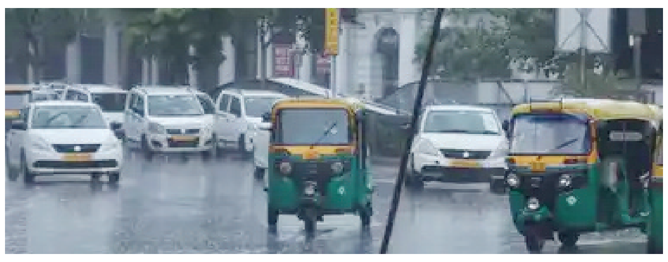

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जून का पहला दिन मौसम में बड़ा बदलाव लेकर आया। रविवार सुबह से ही बादल छाए रहे और दिनभर तेज हवाएं चलती रहीं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने पहले ही चेतावनी दी थी कि दिल्ली-एनसीआर में तेज आंधी, बिजली गिरने और 40 से 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, साथ ही मध्यम बारिश भी हो सकती है।

बताते चले कि आईएमडी की भविष्यवाणी के अनुसार, दोपहर होते-होते पूरे एनसीआर क्षेत्र में बारिश शुरू हो गई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने गर्मी से जूझ रही जनता को बड़ी राहत दी। हालांकि, हवाओं की गति अब भी थमी नहीं है और मौसम विभाग का कहना है कि यह रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

तेज हवाओं और बारिश के चलते दिल्ली में तापमान भी सामान्य से नीचे चला गया है। रविवार को न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम में आई इस नरमी ने नागरिकों को भी राहत की सांस लेने का मौका दिया है।

वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में

तेज हवाओं के कारण राजधानी की वायु गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई (Air Quality Index) 193 दर्ज किया गया, जिसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा गया है।एनसीआर के अन्य शहरों जैसे गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी हवा की गुणवत्ता मध्यम या संतोषजनक श्रेणी में बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल निकट भविष्य में एक्यूआई में भारी वृद्धि की कोई संभावना नहीं है।

मौसम हुआ सुहाना, लेकिन सतर्कता जरूरी

दिल्ली और एनसीआर में मौसम की इस तब्दीली ने जहां गर्मी से राहत दी है, वहीं तेज हवाएं और बिजली गिरने की संभावना लोगों के लिए खतरा भी बन सकती हैं। मौसम विभाग लगातार अपडेट दे रहा है और नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। बारिश और हवाओं के चलते शहर में ट्रैफिक और दैनिक जीवन पर कुछ असर भी देखा जा सकता है।

बारिश के दौरान रेंगते दिखे वाहन

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बारिश के कारण कई जगहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई और वाहन रेंगकर गुजरते देखे गए। हालांकि वीकेंड होने से ज्यादा समस्या नहीं हुई और सब कुछ सामान्य हो रहा है। उधर, देश के कुछ इलाकों में बारिश राहत की जगह परेशानी का कारण बन चुकी है।

'ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स' के जरिए फंसा कर लूटपाट करने के तीन आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिये लोगों को फंसाकर कर कथित तौर पर लूटपाट करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना खादर में शनिवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात करीब दो बजकर 25 मिनट पर गश्त पर निकली पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि न्यू उस्मान नगर के पास हालिया लूटपाट में शामिल कुछ संदिग्ध लोग मौजूद हैं और अगली आपराधिक गतिविधि की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और वहां तीन लोगों को संदिग्ध अवस्था में देखा। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जब उन्हें जांच के लिए रोका, तो वे पास के जंगल की ओर भागने लगे और पुलिस पर गोलीबारी की। अधिकारी ने बताया, "पुलिस ने जवाबी गोली चलाई जिसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को मौके से पकड़ लिया।" उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान समीर (21), तरुण (23) और कुनाल शर्मा (23) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि समीर पहले भी लूट और मारपीट के दो मामलों में संलिप्त रहा है और इस संबंध में मानसरोवर पार्क थाना में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस अधिकारी ने बताया, "पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे हाल के लूटपाट के कई मामलों में संलिप्त रहे हैं। आरोपियों ने खुलासा किया कि वे 'डेटिंग ऐप्स' के जरिये लोगों को फंसाते थे और फिर 'डेट' के बहाने बुलाकर लूटपाट करते थे।" अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर अपराध और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों के बयानों का सत्यापन किया जा रहा है और अन्य अनसुलझे मामलों में इनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इस प्रकरण की जांच जारी है।

विकास कार्यों की हर महीने समीक्षा होगी

गाजियाबाद। जीडीए के चल रही विकास कार्यों की हर महीने समीक्षा होगी। इस संबंध में निर्माणाधीन विकास कार्यों की सूची तैयार कर उनकी फाइलें अपडेट की जा रही है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने निर्देश दिए हैं कि प्राधिकरण क्षेत्र में उसके जो भी विकास कार्य चल रही है। उनकी सूची तैयार करें। साथ ही प्रोजेक्ट तयसमय सीमा के अनुसार चल रहा है, इसके लिए उसकी प्रगति की समीक्षा हर महीने की जाए। इसके अलावा उन्होंने प्रोजेक्ट में लगने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने को कहा है। जीडीए वीसी ने कहा कि प्राधिकरण अपने सभी प्रोजेक्ट में आने वाली समस्याओं का तुरंत निस्तारण कर उनके निर्माण कार्य में तेज लाएगा। वहीं, आवंटियों की समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द करने के भी निर्देश दिए हैं। बता दें कि प्राधिकरण में हर महीने तीन हजार से अधिक शिकायत आती है। इसमें ज्यादातर शिकायत आईजीआरएस द्वारा की जाती है। इसके अलावा अन्य साधनों से भी प्राधिकरण में शिकायत की जाती है।

जनपद में आधारकार्ड बनवाने के लिए व्यापारी शिविर लगवाएंगे

गाजियाबाद। जनपद में आधारकार्ड बनवाने की धीमी प्रक्रिया को दूर करने के लिए व्यापारी सहयोग करेंगे। राष्ट्रीय व्यापार मंडल जून महीने में आधारकार्ड बनाने के लिए चार शिविर लगाएगा, जो शहर के सभी क्षेत्रों में लगेंगे, ताकि लोग आधार कार्ड आसानी से बनवा सकें। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता व प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय ने बताया कि इस वक्त स्कूली बच्चों के दाखिले हो रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों के आधारकार्ड की जरूरत होती है। कई बच्चों का आधारकार्ड अपडेट होना होता है लेकिन आधारकार्ड बनवाने के केंद्रों पर काफी भीड़ है। इस समस्या को देखते हुए व्यापार मंडल डाक विभाग के सहयोग से जून महीने में चार शिविर प्रत्येक रविवार को लगाएगा। उन्होंने बताया कि ये शिविर शहर के हर क्षेत्र में आयोजित किए जाएंगे। पहला शिविर आठ जून को लोनी के जगन्नाथ फार्म हाउस गौशाला टंकी के पास वेद विहार में लगेगा। फिर 15 जून वेव सिटी में लगाया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो ने विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए प्राथमिकता आधारित सुरक्षा जांच की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के साथ समन्वय करके सभी मेट्रो स्टेशनों पर विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए एक प्राथमिकता आधारित सुरक्षा जांच (प्रिऑरिटी फ्रिस्किंग)की नई सुविधा शुरू की है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस सुविधा का उद्देश्य दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं, शिशुओं के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और चोटिल यात्रियों को एक सहज और अधिक सुविधाजनक सुरक्षा जांच प्रक्रिया प्रदान करना है। इसमें कहा गया है, ‌‌"यह पहल उन यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक आरामदायक और सुलभ बनाने के लिए शुरू की गई है, जिन्हें नियमित सुरक्षा जांच के दौरान कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।" इस सुविधा के लिए किसी यात्री की पात्रता के संबंध में अनिश्चितता की स्थिति में सुरक्षाकर्मी सत्यापन के लिए प्रासंगिक दस्तावेज की मांग कर सकते हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "सीआईएसएफ कर्मियों को सलाह दी गई है कि वे ऐसे यात्रियों की पात्रता की जांच करते समय विवेक का प्रयोग करें और संवेदनशीलता दिखाएं। बयान में कहा गया है कि डीएमआरसी और सीआईएसएफ इस पहल के उचित क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

टीएनएम क्रिकेट अकादमी ने अर्वाचीन स्कूल की टीम को हराया

गाजियाबाद। सेलिब्रेशन क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे दूसरी पुष्पा मेमोरियल अंडर 13 मुकाबले में टीएनएम क्रिकेट अकादमी ने अर्वाचीन स्कूल की टीम को छह रन से हराया। अर्वाचीन की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीएनएम की टीम से पहले बल्लेबाजी करने उतरे शौर्य ने 113 रन, कप्तान विहान आनंद ने 14 रन तो वहीं सचित प्रभाकर ने 20 रन बनाए। जिसकी मदद से टीम ने 40 ओवर में अर्वाचीन की टीम को आठ विकेट खोकर 202 रन का लक्ष्य दिया। दूसरी तरफ बल्लेबाजी करने उतरी अर्वाचीन की टीम से कानव खन्ना ने 76 रन ,वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे विकेट कीपर शिवांश गर्ग ने 26 रन और टीम से छठे नंबर पर खेलने आए शशि ने 22 रन बनाए। टीएनएम की टीम ने 40 ओवर में चार विकेट लेकर अर्वाचीन की टीम को 196 रन पर ढेर कर दिया। पहले गेंदबाजी करते हुए अर्वाचीन स्कूल की टीम से गेंदबाजी करते हुए कप्तान नीतीश ने आठ ओवर में 35 रन देकर दो विकेट झटके, वही आदर्श तिवारी ने भी आठ ओवर में 38 रन देकर दो विकेट लिए हर्षित ने आठ ओवर में 30 रन देकर एक विकेट लिया। दूसरी तरफ से गेंदबाजी करने आई टीएनएम से अभिषेक यादव ने आठ ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट और काव्यांश कौशिक ने आठ ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट वहीं कार्तिक गहलोत ने आठ ओवर में 41 रन देकर दो विकेट लिए।

हरिनाम संकीर्तन का हुआ आयोजन

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एंक्लेव सोसाइटी में बने श्री बालाजी धाम मंदिर में रविवार को हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन में आनंदमय मुरली मोहन ने भक्तों को बताया कि हरिनाम जपने से गोलोक वास मिलता है। गोलोक वास एक ऐसा स्थान है जहां भगवान कृष्ण और राधा विराजमान हैं। इसे गायों का लोक भी कहा जाता है। इसे श्रीकृष्ण के निवास स्थान के रूप में जाना जाता है, क्योंकि वे एक ग्वाले हैं और उन्हें गायों से अत्यधिक स्नेह है। मुरली मोहन ने बताया कि प्रकृति के तीन गुण हैं और उनसे ऊपर उठ कर हम भगवान के लिए कर्म कर सकते हैं। भक्तों के संग आसानी से भक्ति की जा सकती है, जो बड़े-बड़े योगियों के लिए भी करना मुश्किल है। संकीर्तन के बाद आध्यात्मिक चर्चा, प्रश्न उत्तर, हरिनाम की महिमा और नाम जप के साथ कृष्णम प्रसाद वितरण किया गया।

जेएनयू ने कोरोना को लेकर एडवाइजरी की जारी

गोदावरी हॉस्टल में कोरोना संक्रमण का आया है मामला

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के गोदावरी हॉस्टल में कोरोना का एक मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर दी है। इसमें कैंपस परिसर में संक्रमण फैलने से रोकने को निर्देश दिए गए हैं। स्कूलों/विशेष केंद्रों में कोविड निगरानी समिति के गठन का परामर्श जारी किया गया है। विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य केंद्र और सुरक्षा शाखा को परामर्श है कि वह इसके बारे में क्षेत्र अधिकारियों को सूचित और संवेदनशील बनाएं। अगर कोई छात्र, कर्मचारी और उनका परिवार कोरोना संक्रमित मिलता है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित वार्डन और स्वास्थ्य केंद्र को देंगे। विश्वविद्यालय ने आपातकालीन मदद के लिए विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के हेल्पलाइन नंबर 011-26741636, 011-26704766 जारी किए हैं।

संक्रमित छात्र को सिर्फ सिरदर्द की शिकायत

वहीं जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार और उपाध्यक्ष मनीषा ने बताया कि कोरोना की स्थिति को लेकर सीएमओ से बात की है। संक्रमित मामलों में प्रोटोकॉल के तौर पर होम आइसोलेशन का पालन करने का परामर्श दिया है। आइसोलेशन वार्ड की कोई आवश्यकता नहीं है। जिस छात्र के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई वह ठीक हो रहा है। छात्र को हल्के लक्षण है। सिर्फ सिरदर्द की शिकायत है। बुखार और गले में खराश नहीं है।

कोविड केयर सेंटर की मांग

सीएमओ ने आश्वस्त किया है कि अभी कोई घबराने वाली स्थिति नहीं है। टीकाकरण ने लक्षणों की गंभीरता और कोरोना के जोखिम को काफी हद तक कम कर दिया है। छात्र संघ ने सभी छात्रों से अनुरोध है कि वह शांत रहे और एडवाइजरी का पालन करें। जेएनयू छात्र संघ सचिव मुंतेहा के अनुसार सीएमओ से कहा है कि वह हॉस्टल खाली करने वाली ऐसी कोई एडवाइजरी जारी न करें जिससे छात्रों में भय पैदा हो। छात्र संघ परिसर में अलग कोविड केयर सेंटर स्थापित करने की मांग करता है।

मास्क लगाने का दिया परामर्श

एडवाइजरी में छात्रों, स्टाफ, कैंपस निवासियों सहित सभी हितधारकों को एहतियातन नियमित हाथ धोने/सैनेटाइज करने और सम्मेलन के दौरान मास्क लगाने का परामर्श जारी किया है। विशेष केंद्रों के चेयरपर्सन और स्कूल डीन एहतियाती उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी के लिए केंद्र स्तर पर कोविड निगरानी समिति का गठन करेंगे।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने 'संडे ऑन साइकिल' अभियान को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रविवार को जनकपुरी में चल रहे फिट इंडिया मिशन के तहत 'संडे ऑन साइकिल' पहल के विशेष आयोजन को हरी झंडी दिखाई।

शिक्षा मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, शिक्षा निदेशालय द्वारा समर्थित इस अभियान में स्कूली छात्रों, स्थानीय युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और निवासी कल्याण संघों के सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने फिटनेस और सामुदायिक सहभागिता के प्रति समर्थन प्रदर्शित करने के लिए पड़ोस में एक साथ साइकिल चलाई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सूद ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में खेल तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया मूवमेंट' जैसी पहल पूरे भारत में व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गई हैं। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा और भी बहुत कुछ मिलता है। उन्होंने कहा, ₹यह पहल सिर्फ साइकिल चलाने तक सीमित नहीं है, यह फिटनेस, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने और एक स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मंत्री के अनुसार, नई दिल्ली में शुरू हुआ फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव अब एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में 5,500 से अधिक स्थानों पर लगभग तीन लाख लोगों ने इस अभियान में भाग लिया है।

जंगपुरा में जमकर गरजा बुलडोजर

मद्रासी कैंप में तोड़ी जा रही 300 से ज्यादा झुग्गियां

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में आज सुबह से मद्रासी कैंप में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के संभावित विरोध से निपटने के लिए यहां भारी तादाद में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात हैं। इस बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने मॉनसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए 1 जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने 9 मई को दिए आदेश में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी कहा था। करीब 60 साल से बसी झुग्गी बस्ती में 300 से अधिक मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं। 12 अप्रैल को अधिकारियों ने झुग्गी बस्ती की दीवारों पर सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों के लिए पात्र परिवारों की सूची चिपकाई थी। लगभग 370 परिवारों में से सिर्फ 189 ही फ्लैट के लिए पात्र पाए गए। मद्रासी कैंप के निवासी मुरुगन ने दावा किया, ₹करीब 300 परिवारों में से केवल 189 को ही फ्लैट आवंटित किए गए हैं – हमें जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, वे भी अधूरे हैं और उनकी हालत भी खराब है।₹ ारापुला नाले पर अतिक्रमण हटाना जरूरी : दिल्ली हाईकोर्ट जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी.एस. अरोड़ा की बेंच ने 9 मई को अपने आदेश में कहा था, ''अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार से इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है।'' हाईकोर्ट द्वारा मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि विशेष रूप से आगामी मॉनसून के मौसम को देखते हुए पुनर्वास अत्यंत आवश्यक है, साथ ही बारापुला नाले की समय पर सफाई आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जलभराव को रोकने के लिए भी जरूरी है। बेंच ने कहा कि 20 मई से 31 मई के बीच मद्रासी कैंप से सभी सामान हटा दिए जाने चाहिए और एक जून से तोड़फोड़ शुरू होनी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली सरकार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 19 से 20 मई तक दो शिविर आयोजित करने का आदेश दिया गया था।

बता दें कि, अदालत ने मद्रासी कैंप को अवैध निर्माण बताते हुए कहा कि इससे नाले में रुकावट पैदा हुई और नाला अवरुद्ध हो गया, जिसके कारण बारिश के दौरान खासकर मॉनसून के मौसम में आसपास के इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया।

मंत्री ने की हथकरघा छात्रों के प्रशिक्षण के लिए पांच गुना स्टाइपेंड बढ़ाने की घोषणा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के इंडस्ट्रीज विभाग ने उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के निर्देश पर हथकरघा छात्रों के प्रशिक्षण के लिए पांच गुना स्टाइपेंड बढ़ाने की घोषणा रविवार को की है। उद्योग मंत्री ने इसे युवाओं और हेरिटेज में रणनीतिक और आवश्यक निवेश बताया है। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के निर्देशानुसार पारंपरिक हैंडलूम के क्षेत्र में युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक प्रमुख नीति प्रस्ताव में बदलाव किया गया है।

दिल्ली सरकार ने 'हथकरघा संवर्धन' योजना के तहत इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हैंडलूम टेक्नोलॉजी, जोधपुर में हथकरघा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में उचित वृद्धि की सिफारिश की है। प्रस्ताव में छात्र सहायता के दो प्रमुख घटकों में वृद्धि की गई है : एडिशनल स्टेट स्टाइपेंड के तहत पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए मौजूदा 400 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2000 रुपये प्रति माह करने का प्रस्ताव है। दूसरे शैक्षिक पुस्तक/भ्रमण भत्ता : दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए प्रति वर्ष 1000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति छात्र करने का प्रस्ताव है। वित्तीय सहायता की बढ़ी हुई दरें शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू हो रही है। वर्तमान दरें 2009-10 से नहीं बढ़ाई गई हैं, लगभग 15 वर्षों से इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई है तब से कोई संशोधन नहीं किया गया है। समय के साथ, अध्ययन सामग्री, तकनीकी पुस्तकों और टूर के माध्यम से शैक्षिक प्रदर्शन की लागत में काफी वृद्धि हुई है। इससे यह वृद्धि आवश्यक हो गई है। मंत्री सिरसा ने कहा कि यह हमारे युवाओं और भारतीय हथकरघा की प्राचीन विरासत में एक रणनीतिक निवेश है। यह केवल वित्तीय सहायता में वृद्धि नहीं है, बल्कि हमारे भविष्य के कारीगरों की नींव को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एडिशनल स्टाइपेंड व पुस्तक एवं शैक्षणिक भ्रमण भत्तों की दरों में संशोधन के लिए प्रस्तावित वृद्धि जरूरी है क्योंकि वर्तमान दरें अब छात्रों द्वारा वहन की जाने वाली वास्तविक लागतों को प्रतिबिंबित नहीं करतीं। यह प्रस्ताव मुद्रास्फीति तथा शिक्षा से संबंधित खर्चों में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इससे स्टाइपेंड की प्रभावशीलता और प्रासंगिकता सुनिश्चित की जा सके। वित्तीय वर्ष 2025–2026 के लिए इस योजना के अंतर्गत कुल 10 लाख रुपये का बजटीय प्रावधान निर्धारित किया गया है, ताकि संशोधित दरों के अनुरूप व्यय का वहन किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

बलजीत नगर में महिला की गला घोंटकर हत्या, 1 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के बलजीत नगर इलाके में 32 वर्षीय एक महिला की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना के बारे में शनिवार शाम करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि महिला गृहिणी थी और उसका पति कीर्ति नगर में फर्नीचर की दुकान पर काम करता है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला के 28 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार के साथ अवैध संबंध थे। शनिवार को दोनों के बीच झगड़ा हुआ जिसके बाद कुमार ने महिला का गला घोंट दिया। पुलिस ने बताया कि प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लूटपाट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में लूटपाट के दो मामलों में फरार चल रहे भगोड़े बदमाश को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान जावेद उर्फ हैप्पी (35) के रूप में हुई है। आरोपित लूटपाट, झपटमारी, चोरी, अवैध हथियार समेत करीब 21 मामलों में शामिल रहा है। दयालपुर में हुई चोरी के एक मामले में आरोपित को अदालत सजा सुना चुकी है। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में पिस्टल दिखाकर हुई लूट के मामले में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषिता कर दिया था। पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आरोपित को करावल नगर से दबोचा गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला सिपाही सिमरन को भगोड़े बदमाश जावेद उर्फ हैप्पी की सूचना मिली थी कि आरोपित करावल नगर में आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन कर आरोपित को 31 मई को करावल नगर इलाके से दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खजूरी और ज्योति नगर में लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वर्ष 2013 में उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा था।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इन्द्राज सिंह ने रविवार को पंडित पंत मार्ग स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएं, मांगें और सुझाव प्रस्तुत किए। मंत्री ने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही, लोगों से संवाद करते हुए सरकार की पेंशन और छात्रवृत्ति से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और आगामी पहलों की जानकारी साझा की। इन्द्राज ने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण ही जनसेवा का मूल उद्देश्य है। सरकार जनसहभागिता और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके के एक गोदाम में रखे सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट होने से गंभीर रूप से झुलसे दो नाबालिग भाई-बहनों की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चार मंजिला आवासीय इमारत के भूतल पर भंडारण व मरम्मत कक्ष में शनिवार दोपहर हुए विस्फोट में तीन नाबालिग भाई-बहनों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, घायलों की पहचान अरशद (22), साकिब (सात), अब्बास (नौ) और राजा (तीन) के रूप में हुई थी।

पुलिस ने बताया कि 85 प्रतिशत से अधिक झुलसे साकिब और राजा की गुरु तेग बहादुर अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने दो बच्चों की मौत के बाद नंद नगरी थाने में दर्ज मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106 (1) (लापरवाही से मौत) को भी जोड़ दिया है। पुलिस ने पहले धारा 287 (मशीनरी के संबंध में लापरवाही), 125 ए (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 326 जी (विस्फोटक पदार्थ के इस्तेमाल से गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। प

ुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोदाम के मालिक को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान हुआ विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि गोदाम का लोहे का गेट टूट गया और मलबा छिटककर खेल रहे बच्चों को भी लगा। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट से हालांकि आग नहीं लगी लेकिन कंपन ने गोदाम और आस-पास की संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचाया। अपराध और फोरेंसिक की टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच के लिए नमूने एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला कि गोदाम में बिना किसी मंजूरी के पुराने सीएनजी सिलेंडरों को एकत्र करके उनकी मरम्मत की जा रहा थी।

देवेंद्र यादव ने एमसीडी पर लाइसेंस की आड़ में शहरीकृत गांवों में अवैध वसूली का आरोप लगाया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर शहरीकृत गांवों में लघु उद्योगों को चलाने के लिए लाईसेंस के नोटिस भेजकर अवैध वसूली का आरोप लगाया है। देवेंद्र यादव ने रविवार को एक विज्ञिप्त जारी करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी हो या भाजपा की सरकार गांवों की दोनों सरकारों ने उपेक्षा ही की है। पिछले 12 सालों से दिल्ली देहात के गांवों की समस्याएं जस की तस है। गांवों में विकास के काम पूरी तरह ठप हो चुके है, यहां पानी निकासी तक की सुविधा नही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकारों ने इन्हीं गांव के लोगों से कौड़ियों के दामों में भूमि अधिग्रहण की थी, लेकिन लाल डोरे की सीमाओं के भीतर ग्रामीणों को अपने व्यवसाय और रोजगार जारी रखने की राहत दी गई थी। छोटा मोटा कारोबार चलाकर अपनी अजीविका चलाने वाले गांव वालों को लाईसेंस की आड़ में परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों से शहरीकृत गांव में लोग अपना छोटा मोटा कारोबार चला रहे है, तय फीस के साथ लाईसेंस लेने की बात स्वीकार्य है लेकिन लाईसेंस की आड़ में जबरन वसूली अनैतिकता और निगम अधिकारियों पर अनियंत्रण को दर्शाता है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि पिछली आआपा की सरकार ने जहां गांवों के विकास की 318 परियोजना को चुनावी हथकंडा बनाकर झूठा प्रचार किया था, इसी तरह भाजपा की सरकार ने चुनावों में शहरीकृत गांव वालों की बाते तो की थी परंतु अब शहरीकृत गांव में लाईसेंस की आड़ में सीलिंग का डर सता रहा है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि राशन कार्ड बंद होने से लेकर 20 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए प्लाटों के मालिकाना हक से लेकर लैंड पूलिंग तक मामले में जहां पिछली सरकार पूरी तरह विफल रही है और गांव को दी जाने वाली सुविधाएं भी अघोषित रूप से बंद पडी है। उन्होंने कहा कि गांवों में हाउस टैक्स लगाने और ट्यूबवेल के कनेक्शन देने व गांव में थ्री फेस कनेक्शन देने पर भी प्रतिबंध लगाने वाली सरकार गांवों में विकास की बात करके उन्हें गुमराह कर रही है।

रेखा गुप्ता में दिखती है योगी आदित्यनाथ की छवि : गोयल

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने सौ दिन के कार्यकाल में इतनी ख़ामोशी से मेहनत की कि उनकी कामयाबी के चर्चे पूरे देश में हो रहे हैं। यह कहना है प्रमुख चिकित्साविद डॉ.बसंत गोयल का। डॉ.बसंत गोयल कहते है मात्र सौ दिन के शासन में रेखा गुप्ता सरकार नें दस साल से विकास को तरस रही दिल्ली के विकास को पटरी पर लाकर खड़ा कर दिया है। दूसरे शब्दों में चंद समय में विकास की मजबूत बुनियाद रख दी है, हर क्षेत्र में उन्होंने मेहनत की है जिसके परिणाम आने वाले समय में सबके सामने होंगे।

शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का अथवा यमुना की सफाई का मसला हो या फिर प्रदूषण से निपटने का हर क्षेत्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया है। बसंत गोयल ने कहा कि पहले मोहल्ला क्लीनिक का बहुत बुरा हाल था, मोहल्ला क्लीनिक में लोगों को कोई सुविधा नहीं मिलती थी, मोहल्ला क्लीनिक बंद पड़े रहते थे, उनके आस पास गंदगी रहती थी लेकिन भाजपा ने दिल्ली में अपने 100 दिनों में मोहल्ला क्लीनिकों में सुधार किया है जो आने वाले समय में सभी को दिखेगा। बसंत गोयल ने आगे कहा कि दिल्ली में भाजपा के 100 दिनों में आयुष्मान कार्ड बनने शुरू हो गए हैं और अच्छी बात यह है कि लोगो नें उनका फायदा लेना भी शुरू कर दिया है। बसंत गोयल कहते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता में योगी आदित्यनाथ की छवि दिखाई देती है क्योंकि जितनी मेहनती वे है और इन 100 दिनों में जितना काम उन्होंने किया है ऐसा काम बहुत ही कम मुख्यमंत्री कर पाते हैं। बसंत गोयल ने कहा कि रेखा गुप्ता बहुत ही परिश्रमी मुख्यमंत्री हैं, रेखा गुप्ता लोगों को भी अपने साथ जोड़ना जानती हैं क्योंकि इन 100 दिनों में दिल्ली में जितने भी कार्यक्रम हुए हैं लगभग उन्होंने उन सभी कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। बसंत गोयल ने आगे कहा की दिल्ली में अब डीएम को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे दी गई है जिसके तहत वे भी अपने कार्य कर रहे हैं।

बसंत गोयल ने आगे कहा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली की जनता को जागरुक भी कर रही है कि दिल्ली के विकास में जितना महत्व दिल्ली सरकार का है उतना दिल्ली की जनता का भी है। बसंत गोयल ने आगे कहा कि भाजपा के पिछले 100 दिनों में दिल्ली का हर एक अधिकारी, हर एक मंत्री, हर एक विधायक और हर एक निगम पार्षद दिल्ली की बेहतरी के लिए काम कर रहा है।

भारतीय सेना का कर्नल बनकर ठगी करने वाला 77 वर्षीय धोखेबाज गिरफ्तार

नई दिल्ली। खुद को भारतीय सेना का कर्नल बताकर युवाओं को सेना में नौकरी दिलाने व सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले 77 वर्षीय धोखेबाज सीताराम गुप्ता को क्राइम ब्रांच ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। वह पंजाब विश्वविद्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह का अर्थशास्त्र का छात्र था। वह दिल्ली में भारतीय सेना में नौकरी दिलाने के लिए धोखाधड़ी और जालसाजी के तीन मामलों में भी शामिल रहा है। इन मामलों में उसे दोषी पाया गया है।

डीसीपी अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक सीताराम गुप्ता उर्फ सीताराम सिंगला पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार किया गया। 2007 में उसने भारतीय सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान की पेशकश करने के धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। विवेक विहार थाने में दर्ज में इस मामले में उसे जमानत मिल गई थी। बैंक कर्मचारी अनिल निगम ने विवेक विहार थाने में शिकायत कर बताया कि सीताराम सिंगला नाम का व्यक्ति खुद को दिल्ली में तैनात कर्नल रैंक का सैन्य अधिकारी बताया था और शिकायतकर्ता को एक फ्लैट की पेशकश की, जिसे आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा बनाया जाना था। उसी योजना के तहत उसने एक दुकान भी बुक कराने की पेशकश की थी।

एडवांस 56,000 रुपये लिकर उसने शिकायतकर्ता को दो रसीदें सौंपीं। संदेह के बाद शिकायतकर्ता ने विवेक विहार थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज करवा दिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कड़कड़डूमा कोर्ट में आरोपपत्र दायर किया था। लंबे समय तक अदालती प्रक्रिया में पेश न होने पर उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। 31 मई को क्राइम ब्रांच को सीताराम गुप्ता के बारे में जमानत जंप करने के बारे में सूचना मिली। यह भी पता चला कि वह पंजाब के मानसा का रहने वाला है लेकिन वर्तमान में पटियाला में स्थित एक वृद्धाश्रम में रह रहा है। वृद्धाश्रम में वह गलत पहचान के साथ रह रहा था। जांच के बाद उसे दबोच लिया गया। सीताराम गुप्ता का जन्म मंडी डबवाली, सिरसा, हरियाणा में हुआ था और लेकिन बाद में उसका परिवार पंजाब के मानसा में रहने लगा। उसने पंजाब विश्वविद्यालय से एमए (इतिहास) और एमए (अर्थशास्त्र) की पढ़ाई की। वह भारत के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के अर्थशास्त्र का छात्र था, जो पंजाब विश्वविद्यालय में उनके प्रोफेसर थे। उसने भारतीय सेना में पहले ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया और पूरे भारत के विभिन्न छावनी क्षेत्रों में तेल की आपूर्ति करना शुरू कर दिया। अपने काम के दौरान, उसने सेना के अधिकारी के विभिन्न पदों का ज्ञान प्राप्त किया और भारतीय सेना की भर्ती प्रक्रिया के बारे में सीखा।

सेना में नौकरी देने के बहाने कई युवाओं से पैसे लिए

1987 में दिल्ली आकर तेल ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू कर दिया। अपने काम से अलग होकर वह खुद को सेना का कर्नल बता दिल्ली वासियों के साथ धोखाधड़ी करना शुरू कर दिया। उसने भारतीय सेना में नौकरी देने के बहाने कई युवाओं से पैसे लिए। एक बैंक कर्मचारी को आर्मी वेलफेयर हाउस ऑर्गनाइजेशन में फ्लैट और दुकान देने का वादा करके ठगा।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

अंतिम समाधान नहीं आत्महत्या

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप, पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़पाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें सबक दे गया है कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें।

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

2007 की शुरुआत में, एएसआई के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इस्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इस्तीफा दे देते। हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया।

- संजय गोस्वामी

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-III डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी। यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था।

हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था। नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे। उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे। रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता।

भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था। यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालांकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएं और समुद्री पहाड़ियां-जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-जोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन-भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएं बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएं अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएं बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी।

2007 की शुरुआत में, एएसआई के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इस्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इस्तीफा दे देते। हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया।

एएसआई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में, वैज्ञानिक तरीकों की वकालत करता है और पौराणिक मान्यताओं से खुद को दूर रखता है। इसने तर्क दिया कि वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामायण और अन्य पौराणिक ग्रंथ निस्संदेह भारतीय साहित्य का एक प्राचीन हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें ऐतिहासिक अभिलेख नहीं कहा जा सकता है जो निर्विवाद रूप से पात्रों के अस्तित्व या उनमें घटनाओं की घटना को साबित करते हैं। हालांकि, लीग के सदस्यों और समर्थकों के विरोध के सामने, सरकार ने भगवान राम की धार्मिक ऐतिहासिकता और हिंदू धर्म में उनके महत्व को कायम रखते हुए समझौता करने की कोशिश की। हलफनामा तैयार करने वाले भारतीय सामाजिक अनुसंधान संस्थान के दो सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने के बाद निलंबित कर दिया गया था। धर्मनिरपेक्ष टिप्पणीकार प्रफुल बिदवई उन कई लोगों में से एक थे जिन्होंने सरकार की आलोचना की थी कि यह दृष्टिकोण स्वीकार करना कि आस्था को हमेशा इतिहास, पुरातत्व और यहां तक कि भूविज्ञान पर हावी होना चाहिए - जो एडम ब्रिज जैसी प्राकृतिक संरचनाओं के अस्तित्व की व्याख्या करता है - और यह स्वीकार करना कि परियोजना को तथ्यों के बजाय मिथकों और शास्त्रों के कारण रद्द कर दिया जाना चाहिए। दिसंबर 2008 में, इमेजेस ऑफ इंडिया नामक एक सरकारी प्रकाशन संसद में पेश किया गया था।

नक्सलवाद पर लगाम की ओर बढ़ते कदम

- उमेश चतुर्वेदी

नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों के संघर्ष में बीती 21 मई को नया इतिहास रचा गया। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव और सर्वोच्च कमांडर नंबाला केशव राव उर्फ बासवराजू को मार गिराया। उसके साथ 26 और नक्सली मारे गए। इसके कुछ दिन बाद झारखंड में भी तीन नक्सली मारे गए। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 के अंत तक नक्सलवाद के देश से सफाये का लक्ष्य रखा है। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के लगातार कसते शिकंजे का संकेत भी कुछ ऐसा ही है।

नक्सलवाद के उभार के बाद से यह पहला मौका है, जब कोई सर्वोच्च नक्सली कमांडर और महासचिव स्तर का व्यक्ति मारा गया हो। गृहमंत्री अमित शाह ने इसे अपने बयान में रेखांकित भी किया। इस घटना के तुरंत बाद एक बयान में अमित शाह ने इस मुठभेड़ को नक्सलवाद खत्म करने की लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धि बताने में हिचक नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ तीन दशकों की लड़ाई में महासचिव स्तर के नेता को हमारे सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। केशव राव उर्फ बासवराजू को जिस ऑपरेशन के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस औ छत्तीसगढ़ पुलिस ने मार गिराया, उसे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट नाम दिया है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक फैले जंगलों में जारी इस ऑपरेशन के तहत जहां 54 नक्सली गिरफ्तार किए जा चुके हैं, वहीं 84 नक्सलियों ने समर्पण किया है। जिस तरह धड़ाधड़ सफल मुठभेड़ हो रही है, नक्सली समर्पण कर रहे हैं या फिर गिरफ्तार किए जा रहे हैं, उससे अमित शाह का उम्मीद रखना बेमानी भी नहीं है।

मोदी सरकार ने साल 2014 में जब सत्ता संभाली थी, तब देश के 70 जिलों में नक्सलवाद का बड़ा असर था। भाजपा ने साल 2014 के चुनाव घोषणा पत्र में नक्सलवाद पर लगाम को अपने प्रमुख कार्यक्रम में शामिल किया था। इसके एक साल पहले ही 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में राज्य कांग्रेस के तकरीबन समूचे नेतृत्व को नक्सलियों ने निशाना बना दिया था। उससे उपजा क्षोभ ताजा था। वैसे भी सैद्धांतिक रूप से भाजपा माओवादी हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की हमेशा से पक्षधर रही है। कह सकते हैं कि इसी वजह से साल 2014 के चुनाव घोषणा पत्र में नक्सलवाद पर लगाम को पार्टी ने अपना प्रमुख कार्यक्रम घोषित कर रखा था। गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि नक्सलवाद का प्रभाव उन इलाकों में ज्यादा तेजी से बढ़ा, जहां जंगल थे, जहां आदिवासी समुदाय का निवास ज्यादा था, जहां शिक्षा का प्रसार कम था। यह सच है कि आधुनिक सभ्यता की सहयोगी आधुनिक व्यवस्था की निगाह जल-जंगल आदि प्राकृतिक संसाधनों के जरिए मुनाफाखोरी पर रही है। इस वैचारिकी का स्थानीय लोगों में प्रचार के जरिए नक्सलवाद ने अपनी गहरी पैठ बनाई। नक्सलवाद बुनियादी रूप से आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित है। जिनकी मान्यता थी कि सत्ता बारूद से निकलती है। नक्सलवाद या माओवादी सोच के मूल में हिंसा की अवधारणा है। जिसके अनुसार बदलाव भी हिंसा के जरिए ही आता है। वैचारिकी तक अगर माओवाद सीमित रहता तो गनीमत थी। लेकिन माओवादी कमांडरों ने बाद में अपने प्रभाव वाले इलाकों में अपनी ताकत का इस्तेमाल वसूली और मोटी कमाई के लिए करना शुरू कर दिया। तब से उनके प्रति समर्थन घटने लगा।

नक्सली अपने प्रभाव क्षेत्र में अक्सर विकास के आधुनिक माध्यमों और प्रतीकों मसलन रेलवे लाइन, स्टेशन, डाकघर, स्कूल आदि को निशाना बनाते रहे। धीरे-धीरे उनके इस कृत्य को स्थानीय निवासी विकास विरोधी मानने लगे। जैसे-जैसे स्थानीय लोगों की यह समझ बढ़ी, नक्सलियों का समर्थक आधार कमजोर होता गया। उनके समर्थक आधार को कमजोर करने में उनके द्वारा व्यापक स्तर पर किए गए नरसंहारों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। झीरम घाटी के नक्सली हमले में जहां तीस से ज्यादा लोग मारे गए थे, 6 अप्रैल 2010 को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला के जंगलों में नक्सलियों ने घात लगाकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 75 और जिला बल के एक जवान को बारूदी सुरंग में उड़ा दिया था। इन हत्याओं के बाद नक्सली हिंसा को लेकर सवाल उठने लगा। नक्सलियों के समर्थक बौद्धिक तबके के लिए उनके बचाव में बोलना आसान नहीं रह गया। ताड़मेटला कांड के बाद तो उनके खिलाफ वायुसेना की कार्रवाई की मांग उठी थी, तब नक्सलियों के बौद्धिक समर्थकों ने इसका विरोध किया था। इस विरोध के चलते तत्कालीन मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा को काबू करने के लिए सैनिक कार्रवाई को टाल दिया था।

मोदी सरकार की नजर में माओवादी हिंसा आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा थी। वैसे मोदी सरकार को पता था कि नक्सलियों पर ऐसी कार्रवाई का एक बड़ा बौद्धिक वर्ग विरोध करेगा। इसलिए नक्सली हिंसा पर लगाम के लिए दोतरफा कार्रवाई शुरू की। एक तरफ नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों के बीच तालमेल बढ़ाने और नक्सल विरोधी खुफिया तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ समावेशी विकास का पहिया तेजी से दौड़ाने की कोशिश की गई। इसमें सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया गया। इस रणनीति के जरिए माओवादी आंदोलन को सुनियोजित तरीके से कमजोर करने में कामयाबी मिली। इससे माओवादियों के हाथों होने वाली हिंसा में कमी आई। लोगों में भय का माहौल कम हुआ। इसके साथ ही माओवादी उग्रवाद से प्रभावित कई जिलों को मुख्यधारा में शामिल करने में तेजी आई।

इसकी वजह से स्थानीय निवासी नक्सलवाद दूरवर्ती इलाकों एवं जनजातीय गांवों के विकास में सबसे बड़ी बाधा के रूप में देखने लगे। उन्हें यह भरोसा होने लगा कि माओवादी हिंसा और सोच शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, बैंकिंग और डाक सेवाओं को उनके गांवों तक पहुंचने से रोकती है। नक्सलियों के समर्पण और उसके बाद उनके पुनर्वास पर जोर दिया गया। उन्हें हिंसा छोड़ने के बाद मुख्यधारा में शामिल होने और सामान्य जिंदगी बिताने के लिए सरकारी स्तर पर मदद दी जाने लगी। इसके साथ ही भारत सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे की कमी दूर करने के लिए नक्सल प्रभावित जिलों के लिए विशेष योजना के तहत विशेष केंद्रीय सहायता दी जा रही है। इसके तहत नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित और चिंतित करने वाले जिलों को 30 और 10 करोड़ रुपये की मदद दी जा रही है। इसके अलावा, जरूरत के मुताबिक, इन जिलों के लिए विशेष परियोजनाएं भी दी जा रही हैं। इसकी वजह से पिछले 10 वर्षों के दौरान, 8,000 से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है।

तुलसी के पौधे में इन चीजों को चढ़ाने से प्राप्त होती है मां लक्ष्मी की कृपा

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। जिस भी घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां पर मां लक्ष्मी की हमेशा कृपा बनी रहती है। ऐसे में अगर आप तुलसी के पौधे में कुछ चीजें अर्पित करते हैं, तो आपको अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। अगर आपके घर में भी तुलसी का पौधा है, तो आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि तुलसी में किन चीजों को अर्पित करने से आप मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद पा सकते हैं।

जीवन में बनी रहेगी सुख-शांति

बता दें कि तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक हर महीने की पंचमी तिथि को तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करने से जातक के जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

धर्मकर्म

दांपत्य जीवन में आएंगी खुशियां

तुलसी के पौधे पर सुहाग का सामान जैसे- चूड़ियां, लाल चुनरी, बिंदी आदि श्रृंगार का सामान अर्पित करने से जातक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं तुलसी के पौधे में श्रृंगार का सामान अर्पित करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

रोजाना करें यह काम

तुलसी मां की कृपा पाने के लिए रोजाना तुलसी के पौधे में जल अर्पित करना चाहिए। इसके साथ ही रोजाना शाम को घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इस उपाय को करने में जातक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में धन-धान्य की कमी नहीं होती है। ध्यान रखें कि तुलसी के पौधे में एकादशी और रविवार के दिन जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

इस दिन डालें कच्चा दूध

मान्यता के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार के दिन तुलसी के पौधे में कच्चा दूध अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस उपाय को करने से घर से दरिद्रता का नाश होता है।

आज का इतिहास

1908 – सर अरबिंदो को माणिकटोला बम कांड में गिरफ्तार किया गया।

1953 – ब्रिटिश राजगद्दी पर महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय की ताजपोशी।

1956 – तमिल और हिंदी सिनेमा के बेहतरीन फिल्मकारों में शुमार मणि रत्नम का जन्म। बहुत कम लोगों को मालूम है कि उनका पूरा नाम गोपाल रत्नम सुब्रमणियम है।

1966 – अमेरिका का पहला अंतरिक्ष यान चांद की ज़मीन पर सफलतापूर्वक उतरा।

1979 – पोप का ओहदा संभालने के बाद पोप जॉन पॉल द्वितीय पहली बार अपनी मातृभूमि पोलैंड लौटे। यह किसी भी सर्वोच्च रोमन कैथोलिक धार्मिक गुरू की पहली पोलैंड यात्रा थी।

1988 – बॉलीवुड के महान अभिनेता, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और शोमैन राज कपूर का निधन।

1996 – उक्रेन अपने अंतिम परमाणु युद्धास्त्र रूस को सौंपने के साथ ही परमाणु मुक्त देश बना।

2000 – पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने नवाज शरीफ़ के आजीवन कारावास को मृत्युदंड में बदलने संबंधी याचिका स्वीकार की।

2003 – म्यांमार की जनतांत्रिक नेता आन सांग सू ची की गिरफ़्तारी के बाद देश की सभी शिक्षण संस्थाएं बंद।

2006 – अमेरिका ने दाऊद इब्रहीम तथा उसके संगठन पर प्र तिबंध लगा।

2012 – मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति होस्नी मुबारक को 2011 की अरब क्रांति के दौरान प्रदर्शनकारियों की हत्या का आदेश देने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

2014 – तेलंगाना भारत का 29 राज्य बना।

पितृसत्ता की विरासत में बेटियों की अनदेखी

- प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में सदियों से यह धारणा रही है कि बेटा ही वंश चलाता है, बेटा ही अर्थी को कंधा देगा, बेटा ही संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा। यह सोच न सिर्फ बेटियों को दोयम दर्जे में धकेलती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है। पर समय ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वंश केवल नाम का नहीं होता, वंश वह संवेदना है जिसे कोई भी आगे बढ़ा सकता है। कितनी ही बेटियां हैं जो अपने बूढ़े मां-बाप की सेवा करती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और उनकी अंतिम इच्छा तक निभाती हैं। आज जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, जब बेटे महानगरों में अपने करियर में व्यस्त हैं, तब वहीं बेटियां अपने मां-बाप के पास रहकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और कभी-कभी आर्थिक संबल भी दे रही हैं।

आंसुओं की तासीर एक-सी क्यों होती है?

जब किसी घर में दुख आता है, तो आंसू किसी रिश्ते, लिंग या वर्ग को नहीं देखते। मां की ममता और बेटी का दुलार-दोनों में दर्द की वही भाषा होती है। मौत एक ऐसी सच्चाई है जो सबको एक छतरी के नीचे खड़ा कर देती है। उस क्षण न कोई बेटा बड़ा होता है न बेटी छोटी। उस क्षण सिर्फ इंसान होता है-समर्पित, भावुक, टूटता हुआ। हमारे समाज में मृत्यु के बाद का अनुष्ठान बेटे के जिम्मे होता है। लेकिन क्या भावनात्मक जिम्मेदारी केवल एक लिंग पर थोपना उचित है? जब बेटी भी उसी दुख को झेलती है, वही आंसू बहाती है, तो वह अधिकारों में कमतर क्यों?

बदलते सामाजिक समीकरण

आज का भारत एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहां बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, पर मानसिकता का बदला जाना अभी अधूरा है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा तो है, पर क्या हम बेटियों को जीवन के हर अधिकार में समान दर्जा दे पा रहे हैं? क्या उन्हें संपत्ति, परंपरा और निर्णयों में बराबरी का स्थान मिल रहा है? सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बेटियों को संपत्ति के अधिकार, पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी और सामाजिक सम्मान की भी ज़रूरत है। यह बदलाव सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि विचारों से आएगा।

अनुभवों की कहानियां: बेटियां जिन्होंने समाज को बदला

राजस्थान के छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक, हजारों बेटियां अपने माता-पिता के लिए वह संबल बनीं हैं जिसकी कल्पना समाज बेटों से करता था। एक उदाहरण महाराष्ट्र की प्रियंका का है, जिसने अपने पिता की मृत्यु पर विधिवत अंतिम संस्कार किया, गांव ने विरोध किया, पर वह डटी रही। आज गांव की अन्य लड़कियां उसे अपना आदर्श मानती हैं। एक अन्य कहानी उत्तर प्रदेश की सीमा की है, जिसने अपने पिता के बीमार होने पर नौकरी छोड़ दी और तीन वर्षों तक दिन-रात सेवा की। अंत में जब पिता का देहांत हुआ, तो सीमा ने अकेले सारे कर्मकांड निभाए। क्या यह प्रेम, यह समर्पण विरासत का हिस्सा नहीं है?

कानून क्या कहता है?

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है। पर सामाजिक स्तर पर यह अधिकार कितनी बार स्वीकारा गया है? अदालतें भले ही बेटियों को बराबरी दें, पर समाज अब भी मानसिक तौर पर इस बदलाव को पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है। कई बार बेटियों को स्वेच्छा से 'हक छोड़ने' के लिए मजबूर किया जाता है ताकि बेटों का हिस्सा बना रहे। यह 'त्याग' नहीं, एक सुनियोजित सामाजिक दबाव है।

बेटियों को कमजोर क्यों समझा जाता है?

संवेदनशील होना कमजोरी नहीं होती। सहनशीलता को ही हमने दुर्बलता मान लिया है। बेटियां घर की शांति होती हैं, स्नेह का प्रवाह होती हैं और दुख की सबसे पहली साथी होती हैं। अगर यही गुण बेटे में हों, तो उन्हें 'समझदार' कहा जाता है, फिर बेटियों को 'कमजोर' क्यों? बेटियां अक्सर परिवार की भावनात्मक रीढ़ होती हैं। वे संघर्षों को चुपचाप सहती हैं और फिर भी मुस्कुराती हैं। क्या यह शक्ति नहीं?

पीढ़ियों की सोच में बदलाव की जरूरत

बेटा जरूरी है-यह सोच एक सामाजिक भ्रम है। वंश वही चलता है जहां संस्कार होते हैं, और संस्कार बेटा या बेटी में नहीं, पालन-पोषण और संबंध में होते हैं। जो बेटी पिता की चिता को अग्नि दे, क्या वह उससे कम है जो पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाता है? नयी पीढ़ी को यह समझना होगा कि परिवार की जिम्मेदारियां केवल बेटों की नहीं होतीं। बेटियां भी मां-बाप की बुढ़ापे की लाठी हो सकती हैं, अगर समाज उन्हें वह अवसर और अधिकार दे।

विरासत सिर्फ जमीन या नाम नहीं होती

विरासत वह भी होती है जो आंसुओं में झलकती है, जो संवेदनाओं में बहती है, जो संस्कारों में जीती है। बेटियां वह विरासत हैं जो सिर्फ खून का नहीं, प्रेम और सेवा का रिश्ता आगे बढ़ाती हैं। आजकल परिवारों में यह देखा गया है कि बेटियां अपने मां-बाप के खर्च का बोझ भी उठाती हैं, उनकी बीमारी में दवा से लेकर देखभाल तक सब कुछ करती हैं। एक बेटी जब अपने पिता को खाट पर देखती है, तो वह सिर्फ एक मरीज को नहीं, अपने जीवन के स्तंभ को गिरते हुए देखती है। उसका दर्द, उसकी सेवा किसी भी बेटे से कम नहीं होती।

मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव की जरूरत

हमारे टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों में बेटियों को या तो बोझ के रूप में या फिर त्याग की देवी के रूप में दिखाया जाता है। यह चरम सीमाएं हैं। हमें ज़रूरत है ऐसी कहानियों की जो बेटियों को वास्तविक, सशक्त और स्वाभाविक रूप में प्रस्तुत करें। जब समाज का सांस्कृतिक प्रतिबिंब बदलता है, तब मानसिकता भी बदलती है।

हमारी जिम्मेदारी

समाज को चाहिए कि वह बेटियों को केवल एक विकल्प के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें एक पूर्ण, सक्षम उत्तराधिकारी माने। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सिर्फ नारे नहीं, एक गहरी सामाजिक क्रांति की शुरुआत है। स्कूलों में समानता की शिक्षा हो, पंचायतों में बेटियों की भागीदारी हो, और घरों में उनके फैसलों को सम्मान मिले-तभी यह बदलाव स्थायी होगा।

बेटियों की परवरिश करते समय यह न सोचें कि 'कल तो पराई हो जाएगी,' बल्कि सोचें कि 'यह मेरी आज की ताकत है।' आज के दौर में जब परिवार, रिश्ते और मूल्यों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब बेटियों की भूमिका को एक बार फिर नए दृष्टिकोण से समझना जरूरी है। वे केवल सहारा नहीं, शक्ति हैं। वे सिर्फ संवेदना नहीं, उत्तराधिकार की हकदार हैं।

बेटियां सिर्फ रिश्तों की गारंटी नहीं हैं, वे समाज की रीढ़ भी हैं। उनकी आंखों में अपने पिता के लिए वही चिंता, वही अपनापन, वही असीम प्रेम है जो किसी भी बेटे में होता है- बल्कि कई बार उससे कहीं अधिक। उन्हें हाशिए से उठाकर केंद्र में लाना, उन्हें सिर्फ 'बेटी' नहीं, 'वारिस' मानना ही सच्ची सामाजिक प्रगति होगी।

'समझाता हूं बहुत, पर समझता ही नहीं,, अनपढ़ से मेरे दिल का....दिमाग नहीं है...!!'

जब दिल से सोचेंगे, तब ही समझ आएगा कि बेटियां नाजुक नहीं, नियति हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मणिपुर: भारी बारिश से 3,802 लोग प्रभावित, 883 घर क्षतिग्रस्त

इंफाल। मणिपुर में भारी बारिश के कारण पिछले 48 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि नदियों के उफान पर आने और तटबंध टूटने के कारण राज्य की राजधानी इंफाल और इंफाल पूर्व जिले के कई इलाकों में जलभराव हो गया। उन्होंने बताया कि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल शहर के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे अधिक प्रभावित जिले इंफाल पूर्व में जलमग्न इलाकों से लगभग 800 लोगों को बचाया।

राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि भल्ला ने मुख्य सचिव पी के सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और वहां की स्थिति का आकलन किया। राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के परिणामस्वरूप पिछले 48 घंटों में कम से कम 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम तक कुल 3,275 इलाके या गांव भारी बारिश की चपेट में आ चुके हैं, जिसमें दो लोग घायल भी हुए हैं तथा 64 जानवरों की मौत की खबर है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य भर में कुल मिलाकर भूस्खलन की 12 घटनाएं हुई हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकॉन क्षेत्र में इंफाल नदी के उफान पर आने के बाद ऑल इंडिया रेडियो के इंफाल परिसर और जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों के परिसर में जलभराव हो गया। उन्होंने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्व जिले में इरिल नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, हालांकि अभी तक तटबंध नहीं टूटा है। स्थानीय लोग और अधिकारी तटबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकॉन और वांगखेई में जलस्तर रविवार सुबह कम हो गया, लेकिन खुरई और हिंगांग निर्वाचन क्षेत्रों में स्थिति अभी भी जस की तस बनी हुई है। राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने अधिकारियों को नदी की स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और एहतियाती उपाय लागू करने के निर्देश दिए। बयान के अनुसार राज्यपाल ने प्रभावित लोगों के लिए निकासी और अस्थायी राहत उपायों की व्यवस्था करने के लिए उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की इकाइयों को भी सतर्क कर दिया गया है।

असम में भारी बारिश जारी, रेल और सड़क सेवाएं बाधित

गुवाहाटी/रंगिया। असम में रविवार को भी भारी बारिश जारी रही जिससे सड़क परिवहन और रेल सेवाएं बाधित रहीं। राज्य में अब तक बाढ़ और भूस्खलन के कारण आठ लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के 15 से अधिक जिलों में 78,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने राज्य में 'गंभीर बाढ़ की स्थिति' को देखते हुए 'ऑरेंज बुलेटिन' जारी किया है। ब्रह्मपुत्र और बराक सहित 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर प्रवाहित हो रही हैं।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटे में हुई भारी बारिश और बराईग्राम-दुल्लभछड़ा खंड पर पानी पटरी के ऊपर बहने के कारण दुल्लभछड़ा-सिलचर पैसेंजर ट्रेन के परिचालन को रद्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस अब दुल्लभछड़ा की बजाय बराईग्राम से चलेगी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार से कामरूप जिले के चायगांव क्षेत्र के शिंगरा शालनीबाड़ी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-17 के बड़े हिस्से पर पानी भर गया है जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के साथ-साथ पड़ोसी राज्य मेघालय से आने वाला पानी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक मार्गों के जरिए यातायात सुगम बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सीडब्ल्यूसी के बुलेटिन में कहा गया है कि डिब्रूगढ़ और निमती घाट (जोरहाट) में ब्रह्मपुत्र नदी खतरे के निशान से ऊपर प्रवाहित हो रही है। अन्य नदियां जो खतरे के निशान को पार कर गई हैं उनमें घारमुरा (हैलाकांडी) में धलेश्वरी नदी, ढोलाई (कछार) में रुकनी, मटिजुरी (हैलाकांडी) में कटखल, बदरपुर घाट (श्रीभूमि) में बराक, नुमालीगढ़ (गोलाघाट) में धनसिरी और कांपुर (नगांव) में कोपिली शामिल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बुलेटिन के अनुसार शनिवार शाम तक भूस्खलन से पांच और बाढ़ से तीन लोगों की जान जा चुकी थी।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राज्य के पश्चिमी हिस्से के तीन जिलों में 'रेड अलर्ट' और आठ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया था। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के ऊपरी इलाकों से आए बारिश के पानी ने बाढ़ की स्थिति और खराब कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं की टीम तैनात की गई हैं और प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा था कि राज्य 'असामान्य स्थिति' का सामना कर रहा है जो लगातार बारिश के कारण उत्पन्न हुई है।

गृह मंत्री ने किया केंद्रीय न्यायलिक विज्ञान प्रयोगशाला के नए भवन का उद्घाटन

यह प्रयोगशाला न्याय प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी: शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मामलों को सुलझाने में फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका की सराहना की और कहा कि केंद्र ने देश में फोरेंसिक बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए 2,800 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। शाह ने कहा कि 1300 करोड़ रुपये की लागत से एनएफएसयू के नौ और परिसर बनेंगे और 860 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल और बिहार में सात नई प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कोलकाता के निकट राजारहाट में केंद्रीय न्यायलिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) के नए भवन का रविवार को उद्घाटन करते हुए कहा कि इससे पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों में जटिल मामलों की जांच के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम 2080 करोड़ रुपये की फॉरेंसिक क्षमताओं के आधुनिकीकरण की योजना भी ला रहे हैं और 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल फॉरेंसिक डेटा सेंटर की स्थापना भी करने की योजना है, जिसके जरिये हम आंकड़ों का एक विशाल भंडार संग्रहीत कर सकेंगे और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से उसका विश्लेषण किया जा सकेगा, जिससे विश्वसनीय, साक्ष्य-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने की प्रक्रिया बहुत आसान हो जाएगी।

शाह ने सीएफएसएल के उद्धघाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रयोगशाला पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में आपराधिक न्याय प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

शाह ने कहा कि यह प्रयोगशाला सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बनाने के केंद्र सरकार के दीर्घकालिक प्रयासों की दिशा में मील का पत्थर है। गृह मंत्री ने आपराधिक कानूनों में हाल में किए गए सुधारों के प्रभाव का भी उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद 'हमने 60 प्रतिशत मामलों में 60 दिन के भीतर आरोपपत्र दायर होते हुए देखे हैं।'

मंत्री ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, भारत के लोगों द्वारा चुनी गई संसद द्वारा भारत के लोगों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए कानून हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने 160 साल पुराने अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानूनों को खत्म किया और नए भारत के नए कानून लाई है। उन्होंने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में ये एक क्रांतिकारी बदलाव है। शाह ने कहा कि विशेष मामलों में सुनवाई 90 दिनों के भीतर शुरू हो रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ट्रायल इन एब्सेंशिया' के माध्यम से कानून की पकड़ से बाहर रहने वालों की उनकी अनुपस्थिति में हम सुनवाई करेंगे, उन्हें सजा सुनाएंगे और अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उपयोग कर उन्हें वापिस लाएंगे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय प्रशिक्षण और जांच में इसके अनुप्रयोग पर काम करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जनवरी 2026 से हम फोरेंसिक साइंस को हर थाने, सरकारी वकील और अदालत तक ले जाना शुरू करेंगे ताकि उन्हें फोरेंसिक साइंस के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'क्लस्टर अप्रोच' के जरिए देश में सीएफएसएल नेटवर्क बना रही है, ताकि जटिल मामलों का समाधान हो और पूरी आपराधिक न्याय प्रणाली में बदलाव हो।

सीडीएस की टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने तत्काल संसद सत्र बुलाने पर दिया जोर

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान द्वारा किये गये खुलासे के मद्देनजर सैन्य एवं विदेश नीति से संबंधित रणनीति पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाने की रविवार को मांग की। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि सरकार सभी दलों और पूरे देश को विश्वास में ले तथा ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को वह बताना चाहिए था कि जो जनरल चौहान ने सिंगापुर में कहा है। उन्होंने कहा कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर पर कुछ महत्वपूर्ण बयान सिंगापुर में दिए हैं। बेहतर होता कि प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री ने पहले सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को इस बारे में जानकारी दी होती। रमेश ने कहा कि जनरल चौहान के बयानों से ऑपरेशन सिंदूर के बाद के दौर में व्यापक रणनीतिक विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद की तत्काल बैठक बुलाने के मामले को बल मिलता है।

> "कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि इन मुद्दों पर विशेष सत्र बुलाकर सभी को विश्वास में लेकर चर्चा की जानी चाहिए...। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका ने एक संघर्ष विराम की घोषणा की, तो नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए विदेश चले गए। सवालों का जवाब कौन देगा? जवाब सशस्त्र बलों से नहीं, बल्कि सरकार से आना चाहिए। खेड़ा ने कहा कि सशस्त्र बल मजबूत हैं और उन्होंने वही किया जो जरूरी था, लेकिन 'संघर्ष विराम' किस दबाव में किया गया। खेड़ा ने सरकार से कई सवाल करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के आतंकवादी कहां हैं? संघर्ष विराम के लिए क्या शर्तें थीं? सीडीएस ने जो कहा वह चौंकाने वाला है। अब स्पष्टता होनी चाहिए। उन्हें एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए और सवालों के जवाब देने चाहिए।

> "राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने भी कहा कि जनता को ताजा सशस्त्र संघर्ष पर एक सुसंगत जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा देश पूछ रहा है, नेता अलग-अलग बात बोल रहे हैं, दूसरी तरफ सीडीएस ने विदेश में कुछ और कहा, यह स्वीकार किया कि हमारा जेट गिराया गया था। सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसलिए हम बातचीत के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं और एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जा सकती है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री चार दिन में सशस्त्र बलों द्वारा दिखाए गए पराक्रम का राजनीतिकरण करने पर तुले हुए हैं।

शनिवार को सिंगापुर में जनरल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष में विमान के नुकसान के बाद भारत ने अपनी रणनीति में सुधार किया और पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया। उन्होंने छह भारतीय विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को भी 'बिल्कुल गलत' बताया। जनरल चौहान ने 'ब्लूमबर्ग टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि भारत ने शुरुआती नुकसान के कारणों का पता लगाने के बाद पाकिस्तान पर पलटवार करने के लिए अपने सभी लड़ाकू विमान उड़ाये और सटीक हमले किए। रमेश ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि इस तरह के बयान सीडीएस की ओर से सिंगापुर से आ रहे हैं। जनरल चौहान के बयानों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री विपक्षी नेताओं को जानकारी क्यों नहीं दे सकते थे? उन्होंने कहा कि हम इसी उद्देश्य के लिए सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं।

रमेश ने भारत की रक्षा तैयारियों पर करगिल युद्ध के बाद गठित समिति की तर्ज पर एक विशेष समीक्षा समिति गठित करने की अपनी मांग भी दोहरायी। उन्होंने कहा कि करगिल युद्ध समाप्त होने के तीन दिन बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पिता की अध्यक्षता में एक करगिल समीक्षा समिति गठित की थी और रिपोर्ट को बाद में संसद में पेश किया गया था तथा उस पर चर्चा की गई थी।

रमेश ने सवाल किया कि क्या अब विशेष रूप से प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के 'नुकसान' से संबंधित बयान के मद्देनजर अब ऐसी समिति गठित की जा रही है। सीडीएस ने अपने साक्षात्कार में नुकसान का ब्योरा देने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में काफी अंदर तक हमला किया। भारत ने कहा कि इन सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान सैन्य संघर्ष रोकने की गुहार लगाने के लिए मजबूर हुआ।

48 अत्यंत विषैले सांपों के साथ यात्री पकड़ा गया

मुंबई। थाईलैंड से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे एक भारतीय के पास 48 अत्यंत विषैले सांप और पांच कछुए पाए गए। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार रात को बैंकॉक से आयी एक उड़ान में यहां पहुंचे एक यात्री को रोका। उन्होंने बताया कि यात्री के सामान की तलाशी के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों को 48 अत्यंत विषैले वाइपर सांप और पांच कछुए मिले। उन्होंने बताया कि आरएडब्ल्यूडब्ल्यू (रेसक्विंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर) की एक टीम ने इनकी प्रजातियों की पहचान और प्रबंधन में सहायता की। अधिकारी ने बताया कि वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने आदेश दिया है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सांपों को उस देश में वापस भेज दिया जाए जहां से उन्हें लाया गया था।

निर्वाचन आयोग ने किया दो दशक में पहली बार उपचुनाव के लिए मतदाता सूची में संशोधन

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने लगभग दो दशक में पहली बार पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने के लिए मतदाता सूची में संशोधन किया है ताकि मतदाता सूची को 'त्रुटिरहित' बनाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि पिछली बार उपचुनाव के लिए मतदाता सूची में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण तमिलनाडु में 2006 में किया गया था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश दिए जाने पर प्रत्येक चुनाव और उपचुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन किया जाना चाहिए। उन्होंने कानून का हवाला देते हुए कहा कि यदि मतदाता सूची में संशोधन नहीं किया जाता है, तो उक्त मतदाता सूची की वैधता प्रभावित नहीं होगी। वर्तमान मतदाता सूची की वैधता विशेष संशोधन के पूरा होने तक बरकरार रहती है। अधिकारियों ने रेखांकित किया कि यह आयोग पर निर्भर करता है कि आवश्यकता के आधार पर मतदाता सूची में संशोधन किया जाना है या नहीं।

केंद्रीय मंत्री चौहान वायनाड में पीएमजीएसवाई के तहत कार्यों में तेजी लाएं: प्रियंका गांधी वाद्रा

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता और केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से वायनाड जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 (पीएमजीएसवाई-4) के तहत किए जाने वाले कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि वायनाड जिले में साल भर सड़क संपर्क से वंचित 331 बस्तियों की पहचान की गई है, जिनमें से केवल कलपेट्टा ब्लॉक की 64 बस्तियों से संबंधित प्रस्तावों को ही राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी द्वारा मंजूरी दी गई है।

प्रियंका ने कहा कि सभी 331 सड़कों को केरल राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी द्वारा पहले ही मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने पत्र में कहा कि सुल्तान बाथरी, मनंतवाडी और पनामारम ब्लॉक में कुल 267 बस्तियों से संबंधित कार्य अब भी ऑनलाइन प्रबंधन, निगरानी और लेखा प्रणाली (ओएमएमएएस) पर

एनआरआईडीए से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने पत्र में कहा कि इन ब्लॉक में आदिवासियों की उल्लेखनीय आबादी है। पीएमजीएसवाई दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि आकांक्षी ब्लॉक के आदिवासी बहुल गांवों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यों को मंजूरी दी जानी चाहिए और कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए।

प्रियंका ने कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि साल भर सड़क संपर्क से वंचित 25 बस्तियों को ओएमएमएएस पर गलत तरीके से जुड़ी हुई बस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि एनआरआईडीए की अनुमोदन प्रक्रिया की जांच की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिक न्यायसंगत और निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन किया जाए और वायनाड के सभी ब्लॉक की बस्तियों को जोड़ने की मंजूरी पर उचित तरीके से विचार किया जाए। वायनाड की लोकसभा सदस्य ने यह भी अनुरोध किया कि जिले के संबंधित प्राधिकारियों को बस्तियों की स्थिति के संबंध में ओएमएमएएस सॉफ्टवेयर में आवश्यक परिवर्तन करने की अनुमति दी जाए ताकि वे सही और अद्यतन जानकारी दर्ज कर सकें।

मध्य प्रदेश में अबकी बार मई में 53 जिलों में हुई बारिश, टूटे रिकॉर्ड, प्रदेश में 7 गुना गिरा पानी

भोपाल। मध्य प्रदेश में नौतपा में आंधी-बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में जून महीने में लू की संभावना नहीं है। आज भी कई हिस्सों में बूंदाबांदी का अलर्ट जारी किया गया है। जबकि कई जगहों पर दिन का तापमान बढ़ेगा। वहीं कई जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रदेश में ऐसा पहली बार हुआ जब प्रदेश के किसी न किसी जिले में आंधी-बारिश न हुई हो। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कुल 53 जिले भीगे।

मौसम विभाग के अनुसार, मई महीने में बारिश के कई रिकॉर्ड भी टूटे। इंदौर में 139 साल में सबसे ज्यादा 4.6 इंच पानी गिरा। वहीं, उज्जैन में सबसे ज्यादा बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना। मई के आखिरी दिन भी उमरिया और बालाघाट जिले में बारिश हुई। इसे मिलाकर इस महीने ओवरऑल करीब 2 इंच पानी गिर गया, जो सामान्य बारिश से 7 गुना अधिक है।

इस महीने की सामान्य बारिश 7 मिमी है। मौसम विभाग ने बताया कि मई में भीषण गर्मी की बजाय आंधी-बारिश का दौर इसलिए रहा कि मई की शुरुआत से आखिरी तक प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ की एक्टिविटी देखने को मिली। लगातार सिस्टम एक्टिव होते रहे। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर भी चलता रहा। आखिरी दिन भी कुछ जिलों में मौसम बदला रहा।

इस साल अप्रैल में जितनी गर्मी थी, उतनी मई में नहीं रही। अप्रैल में कई शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

पिछले सालों की डेटा स्टडी से पता चलता है कि मई में निवाड़ी के पृथ्वीपुर, छतरपुर के नौगांव, खजुराहो, निवाड़ी, ग्वालियर, राजगढ़, दतिया, टीकमगढ़, सतना, दमोह, उज्जैन, गुना, शाजापुर, खंडवा, खरगोन जैसे कई शहरों में पारा 46 से 48 डिग्री सेल्सियस या इसके पार पहुंच चुका है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। प्रदेश के किसी भी शहर में दिन का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा। नौतपा में भी कम ही गर्मी रही। नौगांव, खजुराहो, टीकमगढ़, ग्वालियर, दमोह, शिवपुरी जैसे शहरों में ही पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा। बाकी शहरों में इससे काफी नीचे रहा।

इस साल रिकॉर्ड टूटे

इंदौर में साल 1886 के मई महीने में 107.7 मिमी यानी 4.2 इंच पानी गिरा था जबकि इस बार 114.8 मिमी यानी 4.6 इंच पानी गिर गया है। इस तरह 139 साल में इंदौर का रिकॉर्ड टूट गया है। उज्जैन में मई की बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना है। इस बार 111.8 मिमी यानी 4.3 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। साल 2021 में कुल मासिक बारिश 65 मिमी (2.5 इंच) हुई थी। इस हिसाब से उज्जैन में मई की बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड बना है। देवास में मई में कभी भी इतनी बारिश नहीं हुई। यहां पर इस बार 6.3 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। मई में ऐसा मौसम पहली बार है, जब पूरे महीने ही आंधी-बारिश का दौर रहा।

जून में कैसा रहेगा मौसम

इसे लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी है। इस वजह से अगले चार दिन यानी 4 जून तक आंधी-बारिश का अलर्ट है। कई शहरों में दिन-रात के पारे में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। उमस भी बढ़ जाएगी। इधर, मानसून 7 से 10 जून के बीच प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। यदि पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मानसून के एंटर होने से पहले प्रदेश में तेज गर्मी का असर रहता है। सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल गर्म रहता है जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग भी जमकर तपते हैं।

महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान- 2025 के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए उप राष्ट्रपति

प्रेरणा मूर्ति हैं वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर: उपराष्ट्रपति

आगरा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एक तारीख और ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हम सबके लिए जीवन दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ेगा कि हम उनके आदर्शों पर चलेंगे। लोकमाता कठिन समय में भारत की महान परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वनाथ, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वरम, गोकर्ण समेत न जाने कितने मंदिर उनके हाथ से संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर हमारे लिए प्रेरणा मूर्ति हैं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को जीआईसी ग्राउंड, पचकुइयां में आयोजित महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान- 2025 के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उन्होंने समारोह को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहाकि संस्कृति का सृजन व संरक्षण बहुत अहम है। आक्रांता औरंगजेब ने क्रूरता से काशी विश्वनाथ पर प्रतिघात-कुठाराघात किया तो उसके 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वनाथ में मंदिर बनाया। वर्तमान परिदृश्य की चर्चा

करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वहां जो चमत्कारी परिवर्तन आया है, उससे पूरा देश अभिभूत है। वहां के मनोरम घाटों का अवलोकन कर आनंद की अनुभूति होती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ दूरदर्शी और काम में विश्वास रखते हैं। दिसंबर 2021 में उन्होंने काशी विश्वनाथ में आदि शंकराचार्य व लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया था। जो कार्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने किया, वही योगी आदित्यनाथ ने किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की काया पलट दी। काशी विश्वनाथ, अयोध्या के बाद मथुरा में भी कार्य होगा। आने वाली पीढ़ियां योगी आदित्यनाथ के कार्य को उसी तरह स्मरण करेंगी, जैसे आज हम लोकमाता को याद रखते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संकल्प लें, लोकमाता अहिल्याबाई की तरह हम भी कर्तव्य को धर्म मानेंगे और अधिकारों को सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाएंगे। विधि की रचना की तरह अहिल्याबाई की सोच योगी आदित्यनाथ में भी आ गई है। भारतीय सेना के पराक्रम को याद करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में दुश्मनों ने कायरता दिखाई, उसका जवाब दिया गया। उन्होंने सीएम योगी को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी भूमि पर सैन्य उत्पादन कितना श्रेष्ठ है, यह दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा। आपके यहां निर्मित ब्रह्मोस ने जैस ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा के ठिकाने में घुसकर उन्हें तबाह किया। ऑपरेशन की सफलता के लिए उप राष्ट्रपति ने भारतीय सेना का अभिनंदन करते हुए कहा कि सेना के पराक्रम के कारण दुश्मन को लोहे के चने चबाने पड़े। सेना ने दुनिया को संदेश दिया कि भारत बदल गया है। भारत आतंकवाद को समाप्त करेगा, जो हम पर हाथ डालेगा, उसे पूरी तरह नष्ट करेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहाकि योगी आदित्यनाथ ने अपने शासनकाल में यूपी की छवि को पूर्ण रूप से बदल दिया। आज यूपी का मतलब सुशासन व कानून का राज है। बिना कानून के राज के विकास संभव नहीं है। उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश हो गया है। उन्होंने कहा कि हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्रवाद हमारा धर्म है। राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र के लिए जो भी करेंगे, वह कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मेरा सिर गर्व से ऊपर है, क्योंकि अहिल्याबाई होल्कर भी किसान परिवार से थीं। वे न्यायप्रिय थीं। उन्होंने नारी शक्तिकरण के लिए बहुत उच्च मापदंड रखे। अपनी सेना में महिलाओं की टुकड़ी बनाई। आज के भारत में नारी सशक्तिकरण पराकाष्ठा पर है। संसद व विधानसभाओं में भी नारियों के लिए आरक्षण है। किसानों के लिए अहिल्याबाई होल्कर ने बहुत कुछ किया। किसानों ने ठान रखा है, इसलिए भारत विकसित होगा।

उन्होंने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत उदाहरण बन गया है। यहां कल्पना से परे चमत्कारिक कार्य हुआ है। इसकी शुरुआत 2014 से हुई, जब नरेंद्र मोदी दी ने काशी को अपना राजनीतिक क्षेत्र चुना। इसमें तेज गति आई 2017 में, जब योगी मुख्यमंत्री बने। इतने वर्षों तक लगातार सबसे बड़े प्रांत का संचालन करने का गौरव योगी आदित्यनाथ को है। महाकुम्भ का आयोजन देख दुनिया आश्चर्यचकित थी। पूरी दुनिया में भारत की संस्कृति का संदेश गया।

कार्यक्रम संयोजक केंद्रीय मंत्री व आगरा के सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, उप राष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. रामशंकरराव शिंदे, गोवा के पूर्व उप मुख्यमंत्री चंद्रकांत बाबू कावलेकर, सांसद वीके पार्थसारथी, बस्तीपति नागराजू आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेने वालों की राह में कोई भी ताकत बाधा नहीं बन सकती : योगी आदित्यनाथ

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 2025 के अंतर्गत आगरा में आयोजित विशाल संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पुण्यश्लोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा साम्राज्य की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखंड में जब विदेशी आक्रांताओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मंदिरों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुनरोद्धार का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक माध्यम बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत आगरा को ब्रजभूमि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरती, जिसे भगवान कृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ, आज हमें गर्व का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का आगरा में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपने राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेता है, तो कोई भी ताकत उसके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोकमाता अहिल्याबाई का विराट व्यक्तित्व इसका जीवंत

उदाहरण है। उन्होंने महिलाओं, हस्तशिल्पियों, कारीगरों, किसानों, युवाओं, सुरक्षा और भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए जो कार्य किए, वे अविस्मरणीय और अभिनंदनीय हैं। उन्होंने बताया कि पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई ने राजकोष की जगह अपने निजी धन से पुरी के जगन्नाथ मंदिर, गया के मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ धाम, महाकाल मंदिर, ओमकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, भीमाशंकर मंदिर और रामेश्वरम मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों का पुनरोद्धार किया। उन्होंने मात्र 70 वर्ष का जीवन जिया, लेकिन उनका व्यक्तित्व आज भी हमें प्रकाश और प्रेरणा दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यों से प्रेरित होकर डबल इंजन की सरकार तमाम योजनाएं सांचालित कर रही है। सीएम योगी ने लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान का विशेष उल्लेख किया। साथ ही, काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, महाकाल में महालोक, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम, सोमनाथ और रामेश्वरम मंदिरों में हो रहे कार्यों को भी इसी कड़ी का हिस्सा बताया। सीएम योगी ने कहा कि लोकमाता ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करती है। जब पाकिस्तान आतंकियों को पालता है, तो भारत घुसकर मारता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयर सिस्टम को ध्वस्त कर दुश्मन को झुकने के लिए मजबूर किया। यह लोकमाता के विराट व्यक्तित्व की प्रेरणा का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग माफिया को पालते थे, जो कानून व्यवस्था के लिए संकट पैदा करते थे। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार ने लोकमाता के नाम पर औरैया में मेडिकल कॉलेज का नामकरण किया।

पहले कुछ लोग उनके नाम पर बने डिग्री कॉलेज का नाम बदल देते थे, लेकिन हम उनकी विरासत को सम्मान दे रहे हैं। सीएम योगी ने देवी अहिल्याबाई द्वारा महिलाओं और हस्तशिल्प के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे काशी में बनारसी साड़ी विश्वविख्यात है, वैसे ही लोकमाता ने माहिष्मती की साड़ियों को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने महिलाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई, जो आज भी प्रेरणादायक है।

विकसित कृषि के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती: शिवराज सिंह चौहान

मेरठ/लखनऊ। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि विकसित कृषि के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। चौहान ने विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के अंतर्गत रविवार को मेरठ जिले के दबथुआ विकासखण्ड सुरूरपुर में कृषक वैज्ञानिक संवाद में हिस्सा लिया।

चौहान ने अभियान के चौथे दिन उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया और दबथुवा और जंगेठी गांवों में चारपाई पर बैठकर किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के उपाय सुझाए। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर देश के हर किसान को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि खेती के क्षेत्र में सिंह से बड़ी प्रेरणा कोई नहीं हो सकती। चौहान ने यह भी बताया कि 29 मई को जब यह अभियान शुरू हुआ, तब सिंह की पुण्यतिथि भी थी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि बिना विकसित कृषि के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने संदेश दिया कि यदि मंत्री, सांसद, वैज्ञानिक, कृषि विभाग पूरे देश में एक टीम के साथ काम करें तो देश का उत्पादन भी बढेगा और किसानों की आय भी बढेगी, साथ ही हम विश्व को खाद्य सामग्री देने में सक्षम भी हो सकेंगे।

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रदेश के 75 जनपदों में अब तक लगभग 2700 स्थानों पर विभिन्न गणमान्य जनप्रतिनिधि/कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों के साथ आज चौथे दिन तक लगभग 3,25,000 से अधिक किसानों ने भाग लिया है।

जीप-ट्रक की सीधी टक्कर में दो लोगों की मौत, सात घायल

बांदा। बांदा से सटे चित्रकूट जिले के रैपुरा क्षेत्र में रविवार की दोपहर जीप व ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई तथा सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अरुण कुमार सिंह ने बताया कि दोपहर में रैपुरा थाना क्षेत्र में बांधी गांव के भखरवारा मोड़ में कर्वी से प्रयागराज जा रही एक जीप की सामने से आ रहे एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल नौ लोग घायल हो गये। उन्होंने बताया कि घायलों में से दो की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि अभी मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई है। घायलों का इलाज रामनगर के सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रक चालक को नींद आ जाने से यह हादसा हुआ है। शवों को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रदेश में अब्बास अंसारी के पहले भी आजम खान समेत कई विधायक अयोग्य ठहराए जा चुके

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अयोग्य ठहराये गये विधायकों की सूची में शामिल होने वालों में नया नाम मऊ विधानसभा क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी का है। अंसारी से पहले भी आजम खान समेत कई विधायक अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि गैंगस्टर से नेता बने और पांच बार मऊ से विधायक रहे दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण मामले में दो साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि 31 मई से विधानसभा में अब्बास अंसारी का स्थान रिक्त हो गया है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत, यदि अदालत किसी सदस्य को दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाती है तो विधानसभा की सदस्यता समाप्त करने का प्रावधान है। अब्बास अंसारी समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) के टिकट पर मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर 2022 में पहली बार विधायक बने थे। सुभासपा वर्तमान में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी है और पार्टी अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर राज्य में पंचायती राज मंत्री हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा की वेबसाइट के अनुसार 18वीं विधानसभा में राज्य के अन्य अयोग्य

विधायक समाजवादी पार्टी (सपा) के आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान (सपा), हाजी इरफान सोलंकी (सपा के), विक्रम सिंह (भाजपा के) और रामदुलार (भाजपा के) हैं। सपा के नेता आजम खान को अक्टूबर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब एक अदालत ने उन्हें 2019 के भड़काऊ भाषण मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में रामपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। आजम खान के बेटे एवं सपा के विधायक अब्दुल्ला आजम खान को फरवरी 2023 में उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था और कुछ दिन पहले एक अदालत ने उन्हें 15 साल पुराने एक मामले में दो साल कैद की सजा सुनाई थी। उन्होंने विधानसभा में रामपुर जिले के स्वार का प्रतिनिधित्व किया था। सपा विधायक इरफान सोलंकी को अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब उन्हें, उनके छोटे भाई और तीन अन्य को एक महिला की जमीन हड़पने के प्रयास में उसके घर में आग लगाने के सिलसिले में सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने कानपुर में सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। भाजपा विधायक विक्रम सिंह सैनी को 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के एक मामले में दो साल के कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद अक्टूबर 2022 से उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। सैनी मुजफ्फरनगर के खतौली से विधायक थे। सोनभद्र जिले के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को एक लड़की से बलात्कार के आरोप में (2014 में) 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

इससे पहले (17वीं विधानसभा में), उन्नाव के बांगरमऊ से भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2020 में राज्य विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। सेंगर को भाजपा ने पहले ही निष्कासित कर दिया था। अयोध्या जिले के गोसाईगंज से भाजपा विधायक इंद्र प्रताप तिवारी को भी पिछले सत्र में अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्नीस अप्रैल, 2019 को हमीरपुर के भाजपा विधायक अशोक चंदेल को हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

तेंदुए ने बनाया बछड़े को निवाला, ग्रामीणों में दहशत

मुरादाबाद। जिले के थाना छजलैट के रम्पुरा में छुट्टा बछड़े को तेंदुए ने शनिवार की रात फिर अपना निवाला बना लिया। बछड़े का अध खाया शव रविवार मिलने से ग्रामीणों में तेंदुए की दहशत व्याप्त हो गई है। उन्होंने वन विभाग से पिंजरा लगवाने की मांग की है। तीन दिन पहले भी गांव के एक बछड़े को तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया था।

वन रक्षक अनिल कुमार ने बताया कि रम्पुरा गांव में शिव मंदिर के पास स्थित खेत में बीती रात एक आवारा छुट्टा बछड़े को तेंदुए ने हमला कर निवाला बना लिया। आज सुबह जब ग्रामीणों ने बछड़े का शेष शव देखा। इस सूचना के बाद वन कर्मी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। गोशाला के पास तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत है। छजलैट के प्रधान शमीम अहमद ने कहा कि गांव में गोशाला के बाहर तीन दिन पहले भी एक बछड़े को

तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया था। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है। दूसरी ओर छजलैट के मुंडाला में भी लगातार कई दिन से तेंदुआ दिखाई दे रहा है। पिछले दिनों वन विभाग की टीम ने मुंडाला पहुंचकर ग्रामीणों से भी जानकारी ली थी। फिलहाल कांठ तहसील क्षेत्र में लगातार दिखाई दे रहे तेंदुओं के कारण लोगों में दहशत व्याप्त है। वन रक्षक ने बताया कि गांव में पिंजरा लगवाते हुए तेंदुए को पकड़ लिया जाएगा।

इनामी बदमाश और उसका साथी गिरफ्तार

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कुशीनगर जिले से एक इनामी बदमाश और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने शनिवार देर रात बताया कि एक लाख रुपये के इनामी बदमाश अजय तिवारी और 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश रमेश यादव को कुशीनगर जिले में रामकोला थाना क्षेत्र के दामोदरी सिंघा गांव से गिरफ्तार किया गया। दोनों देवरिया जिले के निवासी हैं। एसटीएफ ने एक बयान में बताया कि तिवारी बिहार में अवैध शराब की तस्करी में संलिप्त था और उसने अजीत सिंह उर्फ जड़ी के साथ मिलकर भारी मात्रा में शराब बिहार भेजना शुरू कर दिया था। एसटीएफ ने बताया कि तिवारी के खिलाफ देवरिया के विभिन्न थानों में छह मामले दर्ज हैं, जबकि यादव के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं।

सफाई योद्धाओं ने छानबे के 97 गांवों को चमकाया

मीरजापुर। छानबे क्षेत्र के लिए रविवार का दिन किसी पर्व से कम नहीं रहा। डीपीआरओ के निर्देश पर शुरू हुए प्लास्टिक मुक्त अभियान ने जनभागीदारी की एक मिसाल पेश की। गांव-गांव में प्रधानों और सफाई कर्मियों ने मिलकर कंधे से कंधा मिलाया और सार्वजनिक स्थलों को चमकाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

मिश्रित आबादी वाले विजयपुर गांव में प्रधान शहीदा बानो की अगुवाई में विशेष सफाई अभियान चला। गांव वासियों की सहभागिता से 14 बोरी प्लास्टिक और पॉलीथीन इकट्ठा किया। यह कूड़ा जूट के बोरों में भरकर इलेक्ट्रिक वाहन से संग्रह केंद्र तक पहुंचाया गया, जहां मशीन पर वजन कर छंटाई की गई। यह कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। प्रधान कमलेश बिंद ने मनिकठी गांव में जिगना-मिश्रपुर मार्ग से गौरा गांव तक फैले क्षेत्र की सफाई करवाई। खास बात यह रही कि अमर शहीद रवि सिंह के नाम पर बने प्रवेश द्वार को भी स्वच्छता

97 गांवों में जुटे 250 अधिक सफाई योद्धा

पंचायत प्रभारी एडीओ बृजेश सिंह ने बताया कि छानबे के 97 गांवों में 250 से भी अधिक सफाईकर्मी लगातार दूसरे दिन अभियान में लगे रहे। एसबीएम ग्रामीण के ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर विजय प्रताप सिंह और हरीश शुक्ला ने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया और कार्यों की निगरानी की।

अभियान से जोड़ा गया, जो भावनात्मक रूप से लोगों को जोड़ने में कारगर रहा। प्रधान प्रिया पांडेय के नेतृत्व में भैदपुर में भी जोरदार अभियान चला। टीम लीडर अरुण सिंह की देखरेख में स्वच्छता ग्राही पूरी मुस्तैदी से लगे रहे। आरआरसी सेंटर पर कूड़े के वैज्ञानिक प्रबंधन की शुरुआत की गई है।

जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान जहीर के पास से मिले तीस हजार रूपये

लखनऊ। ललितपुर जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान जहीर के पास से तीस हजार रूपये नकदी मिली है। इसके साथ ही जेल में बंद पूर्व सांसद रिजवान मिठाई, क्रीम, तेल, डनलफ गद्दा, देशी घी जैसी वस्तुएं भी उपयोग कर रहे हैं। यह जानकारी विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मयंक जायसवाल ने पत्रकारों को दी है। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मयंक जायसवाल ने रविवार को बताया कि उन्होंने ललितपुर जेल में छापेमारी की थी। इस दौरान एक बैरक में तमाम साजो सामान मिले थे। इस बैरक में पूर्व सांसद रिजवान जहीर बंद है और उसके गद्दे के नीचे से ही तीस हजार रूपये बरामद हुए हैं। पूर्व सांसद अपने उपयोग में महंगी वस्तुएं रखता है। उसे बैरक में वीआईपी व्यवस्था भी जेल प्रशासन ही उपलब्ध करा रहा है। उल्लेखनीय है कि बलरामपुर जिले की नगर पंचायत तुलसीपुर के पूर्व अध्यक्ष फिरोज अहमद की हत्या की साजिश के आरोप में बसपा के पूर्व सांसद रिजवान जहीर इस वक्त ललितपुर जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ यूपी पुलिस ने गैंगस्टर भी लगाया है। इस मामले में वे वर्ष 2022 से जिला कारागार ललितपुर में बंद है।

अभियान चलाकर बरसात के पूर्व सभी नाले-नालियों की सफाई करायी जाय: उपमुख्यमंत्री

- सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के विरूद्ध करें कड़ी कार्यवाही
- विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग के कंज्यूमर एप को डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते है विद्युत बिल से सम्बंधित जानकारियां
- महाकुंभ से सम्बंधित परियोजनाओं में प्रकाश में आयीं कमियों को शीघ्रता से पूर्ण कराने के दिए निर्देश

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में रविवार को सर्किट हाउस सभागार प्रयागराज में सांसद, विधायकगण, जिलाधिकारी, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, नगर निगम, विद्युत विभाग, एनएचआई, एयरपोर्ट सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रिंगरोड़ के प्रगति के बारे में सम्बंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी लेते हुए कहा कि रिंग रोड़ को 7-8 सेक्टरों विभाजित करते हुए रिंग रोड़ के अंदर व बाहर एक किलोमीटर की सीमा में स्थित जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण या आवास विकास परिषद के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवासीय, व्यावसायिक गतिविधिया, मनोरंजन, खेल-कूद की दृष्टि से विभाजित कर इस क्षेत्र को विकसित करने हेतु विधिवत कार्य योजना बनाने के लिए कहा है। उन्होंने उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण से इस क्षेत्र में प्लाटिंग किये जाने की गतिविधियों पर निगरानी किये जाने हेतु चेकिंग अभियान चलाये जाने के लिए कहा है।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठायी गयी विद्युत विभाग से सम्बंधित समस्याओं के बारे में विद्युत विभाग के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विद्युत विभाग लाइन लॉस को रोके, परंतु उपभोक्ताओं का किसी भी स्थिति में उत्पीड़न न होने पाये तथा जहां पर भी आवास बने है, वहां पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से जिन क्षेत्रों में कनेक्शन की संख्या बढ़ी है, वहां पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने एवं अवैध बिलिंग न होने पाये, के निर्देश दिए है।

> “ उपमुख्यमंत्री के द्वारा विद्युत विभाग के द्वारा गलत बिलिंग किये जाने की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता के द्वारा बताया गया कि ऐसी शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब एक आनलाइन कंज्यूमर एप डेवलप किया गया है, जिसें गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और एकाउंट/कनेक्शन नम्बर से लॉगिन कर लोड बढ़ाने, विद्युत बिल डाउनलोड करने, विद्युत बिल से सम्बंधित समस्त जानकारी प्राप्त करने एवं बिल जनरेट व भुगतान करने तथा अन्य सुविधाएं ऑनलाइन अप्लाई की जा सकती है। उपमुख्यमंत्री ने इस कंज्यूमर एप्प का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के लिए कहा है। उपमुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि स्टेट लैंड पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये। उन्होंने नगर निगम को शहर के स्टेक लैंड व विस्तारित क्षेत्र में स्थित ग्राम सभा की जमीनों को चिन्हित कर उसकी कटीले तारों से घेराबंदी कर वहां पर विकासपरक योजनाओं से सम्बंधित कार्ययोजना बनाकर भूमि को विकसित कराने के निर्देश दिए है।

> “ उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी शिकायत प्राप्त हो रही है कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा जनशिकायतों से सम्बंधित प्रेषित प्रकरणों पर सम्बंधित अधिकारियों के द्वारा उनका समय से निस्तारण नहीं किया जाता है, इसके लिए उन्होंने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों को एक अलग रजिस्टर में अंकित करने तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने एवं उससे जनप्रतिनिधियों को अवगत भी कराने के लिए कहा है। उपमुख्यमंत्री ने हर घर नल से जल योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन घरों में अभी तक नल से जल की आपूर्ति नहीं हो पायी है, वहां पर शीघ्रता से पानी पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये तथा इस योजना के क्रियान्वयन में जिस भी एजेंसी की लापरवाही पाये जाये, उसके विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उपमुख्यमंत्री ने बैठक में सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को तीन साल से अधिक एक ही पटल पर तैनात पटल सहायकों का पटल परिवर्तन किये जाने के लिए कहा है। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त से कार्य में शिथिलता एवं उदासीनता बरतने वाले चौकी प्रभारियों को चिन्हित करते हुए उनके एक सप्ताह में क्षेत्र परिवर्तन करने के लिए कहा है।

उपमुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग एवं विकास कार्य से सम्बंधित अधिकारी ब्लाक स्तर पर नियमित अंतराल पर बैठक करें तथा जनसमस्याओं को निस्तारण करें। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह चौपाल का आयोजन करते हुए वहां के लोगो की शिकायतों को सुने तथा उसका निस्तारण करायें। उपमुख्यमंत्री ने बरसात के पूर्व सभी नाले-नालियों की अभियान चलाकर सफाई कराये जाने के लिए कहा है, जिससे कि बरसात में कहीं भी नालो के ओवरफ्लों या जल-जमाव की शिकायत न आयें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ से सम्बंधित जो भी परियोजनाएं है और जिनका कार्य अभी भी कुछ शेष है, उनको शीघ्रता से पूर्ण कराये तथा यदि किन्हीं परियोजनाओं में कुछ कमियां प्रकाश में आई है, तो उन्हें गुणवत्ता के साथ ठीक करायें। उन्होंने नगर निगम व एनएचएआई को आपसी समन्वय बनाने हेतु हाईवे, शहर की सड़कों एव स्ट्रीट लाइटों को प्रतिदिन जलने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि महाकुंभ के दौरान जो पौधे लगाये गये थे, उनकी उचित देखभाल न होने से उनके सूखने की शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को इसे गम्भीरता से लेने एवं उन्हें सूखने से बचाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही साथ उन्होंने इसमें लापरवाही बरतने वाले के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि 05 जून को पर्यावरण दिवस है, उस दिन सभी लोग अपनी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाये।

उन्होंने कहा कि तहसील, थाना व ब्लाक जनता की समस्याओं के समाधान के केंद्र है अतः इनसे सम्बंधित अधिकारी एक साथ बैठक कर जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारी भी सम्मिलित रहे, जनता की शिकायतों को शीर्ष प्राथमिकता पर गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय सुशासन, गरीबों की समस्या का समाधान एवं केंद्र एवं प्रदेश सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

इस अवसर पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, संजय गुप्ता, राजेश शुक्ला, निर्मला पासवान, अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला में विशेष योगाभ्यास सत्र का हुआ शुभारंभ

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से रविवार को राजभवन, लखनऊ में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2025) की श्रृंखला में विशेष योगाभ्यास सत्र का शुभारंभ किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है, जिसे ध्यान में रखते हुए इस आयोजन का उद्देश्य न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है, बल्कि पर्यावरण एवं संपूर्ण पृथ्वी के प्रति जागरूकता को भी समर्पित है। यह योगाभ्यास सत्र प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से 20 जून तक राजभवन के लॉन में आयोजित किया जाएगा।

राज्यपाल के कुशल मार्गदर्शन में इस विशेष आयोजन की परिकल्पना की गई है, जिसका उद्देश्य समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन शैली की ओर अग्रसर करना है। रविवार के शुभारंभ सत्र में लगभग 1000 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतिभागियों में विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधिगण, राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में योगप्रेमी नागरिक शामिल रहे।

प्रशिक्षित योगाचार्यों के निर्देशन में सभी ने संयुक्त रूप से योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। उल्लेखनीय है कि यह योग सत्र 20 जून तक प्रतिदिन आयोजित होगा। इसके उपरांत 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन परिसर में एक भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को सशक्त करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर योग के माध्यम से 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के संदेश को समाज में स्थापित करने का एक प्रेरक प्रयास भी सिद्ध होगा। इस अवसर पर विशेष सचिव राज्यपाल श्रीप्रकाश गुप्ता, राजभवन के अधिकारी व कर्मचारीगण, आयुष विभाग के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में योग साधक सहित अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

अयोध्या में राम पथ समेत कई मार्गों पर मांस की बिक्री प्रतिबंधित करने की कार्रवाई शुरू

अयोध्या। अयोध्या जिला प्रशासन ने यहां राम पथ, धर्म पथ और 14 कोसी तथा पंचकोसी परिक्रमा मार्ग सहित महत्वपूर्ण धार्मिक मार्गों पर मांस की बिक्री प्रतिबंधित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मानिक चंद ने पुष्टि की कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में उठाया गया, जिस दौरान राम पथ, भक्ति पथ, धर्म पथ और 14 कोसी मार्ग पर स्थित मांस की दुकानों के बारे में विशेष रूप से शिकायत की गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद, इन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने के लिए एक टीम बनाई गई। उन्होंने बताया कि इन निर्दिष्ट धार्मिक मार्गों पर मांस की 22 दुकानें संचालित होती पाई गईं। चंद ने कहा कि मांस की दुकानों के मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और उन्हें अपनी दुकानों को कहीं और स्थानांतरित करने के लिए सात दिन की समय सीमा दी गई है। ऐसा न करने पर कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने भी बताया कि इन इलाकों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है। त्रिपाठी ने कहा कि काफी समय से मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए चर्चा चल रही थी। यह तय किया गया कि राम पथ पर मांस की बिक्री पर रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन इलाकों में शराब की बिक्री पर रोक लगाने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

CMO ने CHC बरही का किया निरीक्षण हरनही में शुरू हुआ ऑक्सीजन प्लांट

गोरखपुर। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने रविवार को बरही सीएचसी और राजी जगदीशपुर अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया। बरही सीएचसी में उन्होंने एक्स रे टेबल की व्यवस्था की पहल की, जिससे दो दिन के भीतर वहां पैर और पेट आदि का एक्स रे भी शुरू हो जाएगा। वहीं राजी जगदीशपुर में उन्होंने मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले को देखा और मरीजों से भी बातचीत की।

सीएमओ के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश ने हरनही अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां पर ऑक्सीजन प्लांट शुरू करवा दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बरही सीएचसी के निरीक्षण के दौरान भवन और सफाई व्यवस्था दुरुस्त मिली। उन्होंने प्रसव कक्ष, एक्सरे, ओपीडी और डेंटल की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्हें बताया गया कि इस अस्पताल में चेस्ट आदि के एक्स रे पहले से हो रहे थे, लेकिन टेबल के अभाव में कुछ एक्स रे नहीं हो पा रहे थे।

सीएमओ ने दो दिन के भीतर टेबल का इंतजाम कर एक्स रे शुरू करने को कहा। उन्होंने सीएचसी कैम्पस में बने पचास बेड के कोविड अस्पताल के भवन को भी देखा और अतिशीघ्र गैप्स दूर करके भवन का इस्तेमाल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा में करने का निर्देश दिया। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि बरही सीएचसी में सुविधाएं ठीक हैं, प्रबंधन को बेहतर बनाया जाएगा ताकि समुदाय को बेहतर सेवा मिल सके।

डॉ झा ने बताया कि बिजली संबंधी तकनीकी दिक्कत के कारण हरनही ऑक्सीजन प्लांट शनिवार को नहीं चल पाया था। उस कमी को डिप्टी सीएमओ डॉ राजेश ने दूर करवा कर अपने सामने प्लांट का संचालन करवाया है। राजी जगदीशपुर आरोग्य स्वास्थ्य मेले में सबकुछ ठीकठाक पाया गया। वहां डॉक्टर और अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। मरीजों को दवाएं दी जा रही थीं। उन्होंने उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में कोई भी बाधा आए तो तुरंत सूचित करें और अपने स्तर से कदम उठाएं। अस्पताल के पास उपलब्ध फंड से मरीजों के हित से जुड़ी छोटी मोटी चीजों का निर्धारित नियमों के अनुसार त्वरित प्रबंध कर लिया जाए।

इस अवसर पर ब्रह्मपुर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. ईश्वर लाल, बरही सीएचसी के अधीक्षक डॉ. एसके मिश्रा, आदिल फखर आदि प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

व्यापारी के उत्पीड़न के 12 साल पुराने मामले में पूर्व एसएचओ समेत 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ वारंट

अयोध्या। अयोध्या की एक विशेष अदालत ने दलित व्यापारी राजकुमार सोनकर को थाने में कथित तौर पर परेशान करने और पीटने से जुड़े 12 साल पुराने एक मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) समेत 10 पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने निर्देश दिया है कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और 20 जून, 2025 को अदालत के समक्ष पेश किया जाए।

अयोध्या जिले की अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) अदालत की विशेष न्यायाधीश शिवानी जैसवाल ने शुक्रवार को गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किए। इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आरोपी पुलिसकर्मियों द्वारा राहत के लिए दायर याचिका खारिज करते हुए उन्हें तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था, जिस आदेश की कथित तौर पर अनदेखी की गई। पीड़ित राजकुमार सोनकर के अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह ने बताया कि यह घटना 21 अगस्त 2012 की है। उन्होंने बताया कि सोनकर को जिले के इनायतनगर थाना पुलिस द्वारा कथित तौर पर थाने में बेरहमी से पीटा गया, जहां उनसे नकदी और सोने की चेन छीन ली गई। उन्होंने बताया कि कथित आरोपियों में तत्कालीन एसएचओ जंग बहादुर सिंह और नौ अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

उन्होंने बताया कि सोनकर का दावा है कि उन्हें जबरन थाने लाया गया और वहां आयोजित एक कार्यक्रम के लिए मुफ्त में खाद्य सामग्री देने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई। सिंह ने बताया कि सोनकर का आरोप है कि पुलिस ने उनकी सोने की चेन और लगभग 25,000 रुपये नकद भी छीन लिये। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने एससी-एसटी अदालत में शिकायत दर्ज करायी थी, जिसके बाद लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हुई। अधिवक्ता सिंह ने आरोप लगाया कि पिछले कई सालों में अदालत द्वारा जारी किए गए कई गैर जमानती वारंट के बावजूद अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अब गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं: विशेष सचिव

मीरजापुर। अगर गुणवत्ता से समझौता किया गया, तो कोई नहीं बचेगा! ये सख्त चेतावनी रविवार को आकांक्षी ब्लॉक पहाड़ी पहुंचे नगर विकास विभाग के विशेष सचिव उदय भानु तिवारी ने दी, जब उन्होंने विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं का जमीनी सच खुद जाकर परखा। दिनभर चले इस निरीक्षण अभियान में अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक अलर्ट मोड में नजर आए। शुरुआत हुई सिंधोरा ग्राम पंचायत से, जहां तिवारी ने स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित पावरलूम केंद्र, आरआरसी सेंटर और गो-आश्रय केंद्र का गहन निरीक्षण किया। समूह की महिलाओं से संवाद करते हुए उन्होंने रोजगार और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बने कूड़ा संग्रहण केंद्र की गुणवत्ता जांची, वहीं गो-आश्रय केंद्र में 436 मवेशियों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था पर विशेष फोकस रहा।

उन्होंने चेताया कि गर्मी के इस मौसम में पशुओं की देखभाल में कोताही नहीं होनी चाहिए। ब्लॉक मुख्यालय पर समीक्षा बैठक के दौरान विशेष सचिव ने बीडीओ हरिओम गुप्ता सहित विभागीय अधिकारियों को फटकार लगाते हुए लंबित कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि काम में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पड़री में निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विशेष सचिव को मां विंध्यवासिनी का चित्र भेंट किया। तिवारी ने अस्पताल की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों से मिलकर सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान विशेष सचिव के साथ बीडीओ हरिओम गुप्ता, डॉ. आनंद सिंह, शिक्षा अधिकारी फराह रईस, जेई संजय पांडेय, ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

रानी अहिल्याबाई सदैव सनातन एवं राष्ट्र के प्रति जागरूकता के साथ आगे बढ़ीं: राजेश यादव

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई के तत्वावधान में रविवार को पुण्यशोक रानी अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी अभियान के तहत लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी सम्पन्न हुई। विषय की प्रस्तावना भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी राजेश यादव ने रानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर सदैव सनातन एवं राष्ट्र के प्रति जागरूकता के साथ आगे बढ़ती रहीं।

मुख्य अतिथि ने आगे कहा कि अहिल्याबाई होलकर की गाथा से अनेकों अनेक महिलाओं ने उनका सहयोग के साथ अपने जीवन में आगे बढ़कर समाज में महिलाओं का सशक्तिकरण करती गई। देश की पूर्व सरकारों ने हम सबको उनके जीवनकाल के इतिहास से दूर रखा। परन्तु देश में 2014 के बाद देश की महिलाओं ने अपने वोटों की ताकत से राजनीति का तख्ता पलटा और भाजपा के पक्ष में वोट क प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की राजनीति का कार्य भार दिया। वर्ष 2014 से अब तक महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने के लिए हर क्षेत्र में महिलाओं को उनकी शक्ति से अवगत कराया और आज मजबूती के साथ देश की राजनीति में अपना स्थान प्राप्त किये हुए हैं।

अधयक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पूर्व की क्षेत्रीय पार्टी सपा, बसपा की सरकारों ने सदैव महिलाओं पर अत्याचार और उनको निर्बल बनाने का कार्य किया। परंतु उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की राजनीति को बदलने का कार्य किया। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया।

मंच का संचालन कार्यक्रम संयोजक एवं जिला महामंत्री चंद्रपाल सैनी ने किया। बैठक में जिला महामंत्री राजन विश्नोई, कमल प्रजापति, हर ज्ञान सिंह, जिला मीडिया प्रभारी संजय ढाका, पूर्व विधायक राजेश कुमार चुन्नू, गौ रक्षा सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल, राजपाल सिंह चौहान, सुरेश सैनी, अनिल चौधरी, चौधरी हुकम सिंह, आचार्य नरेंद्र देव, आदेश चौधरी, नवीन चौधरी, चकित चौधरी, आदित्य सांख्यधर, मयूर भाटिया, अरुण पंडित, सुमन देवी, काशीष चौहान, पूजा राघव, शशि चौहान, अमन ठाकुर, डॉ राम किशोर सिंह, राजकुमार त्यागी, वीर सिंह सैनी, सोमवीर सिंह, संजय विश्नोई, ऋतिक बिश्नोई आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप एक लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,01,369.5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 19,589.54 करोड़ रुपये बढ़कर 7,25,036.13 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 14,084.2 करोड़ रुपये बढ़कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,462.15 करोड़ रुपये बढ़कर 14,89,185.62 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 17,909.53 करोड़ रुपये घटकर 12,53,486.42 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 7,645.85 करोड़ रुपये घटकर 19,22,693.71 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,061.05 करोड़ रुपये घटकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 2,605.81 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 10,31,262.20 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 1,973.66 करोड़ रुपये घटकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में 656.45 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,49,220.46 करोड़ रुपये पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का स्थान रहा।

एफपीआई ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के चलते एफपीआई ने मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। वहीं इससे पहले मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इस ताजा प्रवाह के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपये रह गया है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक - प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी मुद्रास्फीति में कमी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने भारत जैसे उभरते बाजारों को और अधिक आकर्षक बना दिया है। घरेलू स्तर पर, भारत की मजबूत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजे और नीतिगत सुधारों की वजह से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। विजयकुमार ने कहा कि डॉलर में गिरावट, अमेरिकी और चीनी अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती, जीडीपी की ऊंची वृद्धि, घटती मुद्रास्फीति और ब्याज दरें, जैसे घरेलू वृहद कारक भारत के प्रति एफपीआई का आकर्षण बढ़ा रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए, तो एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में वाहन, कलपुर्जा, दूरसंचार और वित्तीय क्षेत्र में निवेश किया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान शेयर के अलावा एफपीआई ने बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 19,615 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण से 1,899 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

लगातार सातवें साल सिंगापुर रहा भारत का सबसे बड़ा FDI स्त्रोत

नई दिल्ली। सिंगापुर पिछले सात साल से भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा स्त्रोत बना हुआ है। भारत को 2024-25 में सिंगापुर से लगभग 15 अरब अमेरिकी डॉलर का सबसे अधिक विदेशी निवेश मिला है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 अरब डॉलर हो गया। यह पिछले तीन साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में सिंगापुर से एफडीआई 2023-24 के 11.77 अरब डॉलर से बढ़कर 14.94 अरब डॉलर हो गया। 2024-25 में कुल प्रवाह में सिंगापुर का योगदान लगभग 19 प्रतिशत था। 2018-19 से, सिंगापुर, भारत के लिए एफडीआई का सबसे बड़ा स्त्रोत बना हुआ है।

इससे पहले 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज़्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया था। पिछले वित्त वर्ष में देश को मॉरीशस से 8.34 अरब डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ। बीते वित्त वर्ष में मॉरीशस के बाद अमेरिका (5.45 अरब डॉलर), नीदरलैंड (4.62 अरब डॉलर), संयुक्त अरब अमीरात (3.12 अरब डॉलर), जापान (2.47 अरब डॉलर), साइप्रस (1.2 अरब डॉलर), ब्रिटेन (79.5 करोड़ डॉलर), जर्मनी (46.9 करोड़ डॉलर) और केमैन आइलैंड (37.1 करोड़ डॉलर) का स्थान रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में मजबूत स्थिति, बेहतर द्विपक्षीय संबंध और वैश्विक निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी निवेश का 'गेटवे' होने की वजह से भारत के लिए सिंगापुर सबसे बड़ा एफडीआई का स्त्रोत बना हुआ है।

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि पूंजी बाजार में उथल-पुथल और व्यापार को लेकर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत भारी विदेश निवेश आकर्षित करने में कामयाब रहा है, जो स्थिर और दीर्घकालिक है। उन्होंने कहा कि चूंकि एशिया विदेशी पूंजी प्रवाह प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, इसलिए कोष का एक बड़ा हिस्सा सिंगापुर से आता है। इसके कई कारण हैं। सिंगापुर का कानूनी ढांचा काफी मजबूत है, ऐसे में उसे एशिया के लिए रणनीतिक वित्तीय 'गेटवे' माना जाता है। मजूमदार ने कहा कि दोनों देशों के बीच दोहरा कराधान बचाव संधि की वजह से सिंगापुर के संगठनों को भारत में निवेश करने में मदद मिलती है और भारत से कमाई पर उनका कुल कर का बोझ भी कम होता है।

विमान ईंधन के दाम 3% घटे, वाणिज्यिक सिलेंडर 24 रुपये सस्ता हुआ

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तीन प्रतिशत की कटौती की गई है, जबकि होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम 24 रुपये घटाए गए हैं। रविवार को एटीएफ और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में कटौती की घोषणा की गई है। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि विमान ईंधन के दाम घटे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेंचमार्क कच्चे तेल और गैस कीमतों में कमी के बाद घरेलू बाजार में कीमतें घटाई गई हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 2,414.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.82 प्रतिशत घटकर 83,072.55 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई है। इससे पहले एक मई को एटीएफ के दाम 4.4 प्रतिशत (3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर) और एक अप्रैल को 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) घटाए गए थे। रविवार की हुई इस कटौती के बाद इस साल की शुरुआत में एटीएफ कीमतों में जो वृद्धि हुई थी उसकी काफी हद तक भरपाई हो गई है। एटीएफ की कीमत में कमी से वाणिज्यिक एयरलाइन कंपनियों पर बोझ कम होगा। एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत में 40 प्रतिशत हिस्सा विमान ईंधन का बैठता है। मूल्य कटौती पर एयरलाइन कंपनियों से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। मुंबई में एटीएफ की कीमत 79,855.59 रुपये से घटाकर 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई है, जबकि चेन्नई और कोलकाता में क्रमशः 86,103.25 रुपये और 86,052.57 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। पेट्रोलियम कंपनियों ने 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में भी 24 रुपये की कटौती की। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब राष्ट्रीय राजधानी में 1,723.50 रुपये और मुंबई में 1,647.50 रुपये प्रति सिलेंडर होगी।

इससे पहले एक मई को वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम 14.50 रुपये और एक अप्रैल को 41 रुपये घटाए गए थे। पिछले कुछ माह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है, क्योंकि वैश्विक व्यापार युद्ध ने ईंधन की मांग को प्रभावित किया है। मूल्य वर्धित कर (वैट) और अन्य स्थानीय करों की वजह से एटीएफ और एलपीजी का दाम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होता है। हालांकि, घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर की कीमत को 853 रुपये पर यथावत रखा गया है। अप्रैल में घरेलू एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां..... इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन कीमतों के औसत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर हर महीने की पहली तारीख को एटीएफ और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई है, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। पिछले साल मार्च के मध्य में आम चुनावों से पहले इनकी कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल की कीमत 87.62 रुपये है।

सरकार ने दो साल में पहली बार एपीएम गैस की कीमत घटाई

नई दिल्ली। सरकार ने वाहन के लिए सीएनजी और रसोई गैस के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत में दो साल में पहली बार कमी की है, जो बेंचमार्क दरों में गिरावट को दर्शाता है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की एक अधिसूचना के अनुसार, नीलामी के बिना सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी को आवंटित विरासती या पुराने क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमत 6.75 डॉलर से घटाकर 6.41 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) कर दी गई है। अप्रैल, 2023 में सरकार द्वारा इस तरह की गैस की कीमत के लिए एक नया फॉर्मूला लागू करने के बाद से यह पहली कटौती है। इससे इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, महानगर गैस लिमिटेड और अदाणी-टोटल गैस लिमिटेड जैसे शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को मदद मिलेगी, जो उत्पादन लागत में वृद्धि से दबाव में थे।

अप्रैल, 2023 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें एपीएम गैस कहे जाने वाले पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत मासिक आधार पर कच्चे तेल के मासिक औसत आयात मूल्य के 10 प्रतिशत पर निर्धारित करने की बात कही गई थी, जिसमें न्यूनतम चार डॉलर और अधिकतम 6.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की सीमा तय की गई थी। अधिकतम मूल्य दो साल तक अपरिवर्तित रहना था और उसके बाद हर साल 0.25 डॉलर की दर से बढ़ना था। इसके अनुरूप, अप्रैल में अधिकतम मूल्य बढ़कर 6.75 डॉलर प्रति इकाई हो गया।

जीएसटी संग्रह लगातार दूसरे महीने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा

नई दिल्ली। सकल जीएसटी संग्रह लगातार दूसरे महीने दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से ऊपर रहा। सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई में 16.4 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मई, 2024 में यह संग्रह 1,72,739 करोड़ रुपये था।

मई, 2025 में घरेलू लेन-देन से सकल राजस्व 13.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात से जीएसटी राजस्व 25.2 प्रतिशत बढ़कर 51,266 करोड़ रुपये हो गया। मई, 2025 में कुल सकल जीएसटी राजस्व 2,01,050 करोड़ रुपये रहा। सकल केंद्रीय जीएसटी राजस्व 35,434 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी राजस्व 43,902 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी लगभग 1.09 लाख करोड़ रुपये रहा। उपकर से राजस्व 12,879 करोड़ रुपये रहा।

महीने के दौरान जारी कुल रिफंड चार प्रतिशत घटकर 27,210 करोड़ रुपये रह गया। मई में शुद्ध जीएसटी संग्रह लगभग 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 20.4 प्रतिशत अधिक है। डेलॉयट इंडिया के साझेदार एम एस मणि ने कहा कि राज्यों में जीएसटी संग्रह में वृद्धि में व्यापक आधार पर अंतर देखा जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक राज्य में ऐसे क्षेत्रों का गहन विश्लेषण करने की जरूरत है, जो उसके लिए महत्वपूर्ण हैं। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों ने संग्रह में 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों ने छह प्रतिशत तक की वृद्धि दिखाई है।

अदाणी समूह कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा, समूह अधिक मजबूत और अटूट बनकर उभरा: गौतम अदाणी

नई दिल्ली। अदाणी समूह कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा और इसके बजाय उसने अपनी रणनीति बदली और अधिक लचीला रुख अपनाया। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी ने यह बात कही और जोड़ा कि इसके चलते अदाणी समूह अधिक मजबूत और अटूट बनकर उभरा। गौरतलब है कि अदाणी समूह ने पिछले दिनों कई बड़े अधिग्रहण किए और उसे गहन जांच का सामना करना पड़ा।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अपने मजबूत बही-खाते और मजबूत व्यावसायिक वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि समूह अगले पांच साल के दौरान अपने कारोबार में 15-20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा। अदाणी ने समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और लगातार जांच से हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय हमने खुद को फिर से संतुलित किया। हमने फिर से योजना बनाई। हम पहले से अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले बन गए है। एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि अदाणी समूह ऐसा कैसे करता रहता है? हम बार-बार कैसे आगे बढ़ते हैं? उन्होंने आगे कहा कि मेरा जवाब हमेशा एक ही रहता है: हमारा दृढ़ विश्वास स्पष्टता पर टिका हुआ है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ जुड़ हुए हैं। हमारी ताकत उस भरोसे से आती है जो आप - हमारे शेयरधारक - हम पर रखते हैं। अदाणी ग्रीन एनर्जी के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब समूह की परीक्षा ली गई है।

उन्होंने आगे कहा कि न ही यह आखिरी बार होगा... हर चुनौती हमारे संकल्प को और मजबूत बनाती है। हर बाधा एक अवसर बन जाती है। उन्होंने कहा कि तमाम शोर के बावजूद, तथ्य यह है कि अदाणी समूह के किसी भी व्यक्ति पर विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) का उल्लंघन करने या न्याय में बाधा डालने की साजिश रचने का आरोप नहीं लगाया गया है। अदाणी ने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा तेजी से गूंजती है। लेकिन हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं, और मैं जोर देकर यह भी दोहराना चाहता हूं कि हमारा कामकाज वैश्विक मानकों पर आधारित है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के निदेशक मंडल ने 4,300 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के निदेशक मंडल ने विभिन्न तरीकों से 4,300 करोड़ रुपये तक का कोष जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 31 मई, 2025 को हुई निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला किया गया है। कंपनी के बोर्ड ने एक या अधिक किस्तों में पात्र संस्थागत नियोजन या अन्य तरीकों से 4,300 करोड़ रुपये तक की कुल राशि के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर या अन्य प्रतिभूतियां जारी करके धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा बोर्ड ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कंदर्प पटेल को 31 मई, 2025 से तीन साल की अवधि के लिए कंपनी के अतिरिक्त निदेशक और पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ के रूप में नियुक्त करने को भी मंजूरी दी। निदेशक मंडल ने हेमंत नेरुरकर, अमिय चंद्रा और चंद्र अयंगर को तीन साल के लिए अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी और स्वतंत्र) के रूप में नियुक्त करने को भी मंजूरी दी।

ड्यून्स एयर निजी विमानन बाजार में उतरी प्रीमियम चार्टर सेवाएं देगी

मुंबई। अहमदाबाद स्थित निजी विमानन कंपनी ड्यून्स एयर ने अपनी प्रीमियम चार्टर्ड सेवाओं की शुरुआत के साथ निजी विमानन बाजार में उतरने की घोषणा की है। कंपनी के सह-संस्थापक रितेश हाडा ने कहा कि इस खंड के तहत कंपनी कारोबारी दिग्गजों, अति-धनी व्यक्तियों और प्रतिष्ठित यात्रियों को विमान चार्टर सेवाएं उपलब्ध कराएगी। हाडा ने कहा कि एयरलाइन खुद को एक प्रीमियम हवाई परिचालक के रूप में स्थापित कर रही है, जो कुशल, निजी और लचीने उड़ान अनुभव देती है। गैर-अनुसूचित एयरलाइन इस समय दो विमानों का संचालन करती है। संयुक्त उद्यम के अन्य सह-संस्थापकों में शैशव शाह, केतन गज्जर, नवनीत अग्रवाल, तनुज पुगलिया और हिमांशु शाह शामिल हैं।

रिजर्व बैंक ने बीते वित्त वर्ष में 353 बैंकों, अन्य विनियमित इकाइयों पर जुर्माना लगाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बीते वित्त वर्ष (2024-25) में विनियमित इकाइयों (आरई) के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की और क़ानून के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कुल 353 जुर्माने लगाए। इन जुर्मानों के तहत राशि 54.78 करोड़ रुपये बैठती है। ये उल्लंघन/गैर-अनुपालन, बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे, जोखिम मानदंड और आईआरएसी मानदंड, अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) निर्देश, धोखाधड़ी वर्गीकरण और रिपोर्टिंग निर्देश, सीआरआईएलसी पर सूचना की रिपोर्टिंग और क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को कर्ज जानकारी देने से संबंधित थे। बृहस्पतिवार को जारी आरबीआई की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, "वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने विनियमित इकाइयों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की और समय-समय पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए कुछ निर्देशों और कानूनों के प्रावधानों के उल्लंघन/गैर-अनुपालन के लिए कुल 54.78 करोड़ रुपये के 353 जुर्माने लगाए। आरबीआई के आंकड़ों से पता चला है कि सहकारी बैंकों पर 15.63 करोड़ रुपये की राशि के 264 जुर्माने लगाए गए। इसके अलावा, आरबीआई ने 37 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)/परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों पर कुल 7.29 करोड़ रुपये और 13 आवास वित्त कंपनियों पर 83 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) पर 11.11 करोड़ रुपये और 15 निजी बैंकों पर 14.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। छह विदेशी बैंकों पर भी जुर्माना लगाया गया।

आईओसी ने भारत की सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन परियोजना को अंतिम रूप दिया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने हरियाणा में अपनी पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोरसायन परिसर में 10,000 टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन इकाई स्थापित करने के लिए हाइड्रोजन की पूरे जीवनकाल में हाइड्रोजन उत्पादन की औसत लागत (एलसीओएच) को अंतिम रूप दे दिया है। इससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा मिलेगा।

कंपनी ने बयान में कहा कि इसके साथ ही भारत की अब तक की सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन परियोजना के साथ हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में आईओसी ने प्रवेश किया है।हालांकि, आईओसी ने लागत और अन्य वित्तीय विवरण नहीं दिए। कंपनी ने कहा, "दिसंबर, 2027 तक चालू होने के लिए निर्धारित, यह रिफाइनरी परिचालन में जीवाश्म-आधारित हाइड्रोजन की जगह लेगी, जिसके परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में पर्याप्त कमी आएगी।" हाइड्रोजन एक ऐसा ईंधन है जिसका उपयोग तेल रिफाइनरियों से लेकर इस्पात संयंत्र तक के उद्योग में व्यापक रूप से किया जाता है और यह कार, ट्रक, ट्रेन, जहाज और यहां तक कि औद्योगिक प्रक्रियाओं को भी शक्ति प्रदान कर सकता है। इसे विभिन्न स्त्रोतों से उत्पादित किया जा सकता है।

हरित हाइड्रोजन एक हाइड्रोजन गैस है जो सौर, पवन या पन-बिजली जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग करके पानी को विभाजित करके बनाई जाती है। जलने पर, यह केवल पानी ही बनाती है। आईओसी ने कहा कि पानीपत परियोजना राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के लिए सरकार के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है और कंपनी के कार्बन उत्सर्जन शून्य करने के खाके के तहत एक रणनीतिक पहल है।

महाराष्ट्र के प्याज उत्पादकों ने बारिश से हुए नुकसान के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा

मुंबई। महाराष्ट्र में प्याज उत्पादकों के एक संगठन ने पिछले महीने राज्य में भारी बारिश के कारण किसानों को हुए फसल नुकसान के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है। महाराष्ट्र राज्य कांदा उत्पादक संगठन ने 29 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा 'पारदर्शी' प्याज खरीद सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है।

महाराष्ट्र में मई में अभूतपूर्व बारिश हुई है। पत्र में कहा गया है कि जलगांव, धुले, नासिक, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, सोलापुर, बीड, धाराशिव, सांगली, बुलढाणा, अकोला, परभणी और जालना जैसे प्याज उत्पादक जिले बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत दिघोले और नासिक जिले के प्रमुख जयदीप भदाने की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि छह मई से भारी बारिश के कारण पूरे राज्य में प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है।

एसोसिएशन ने कहा कि कई किसानों ने अपनी पूरी रबी सीजन की फसल कटाई से पहले ही गंवा दी है। उन्होंने इस नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है।

एसोसिएशन ने कहा है कि जो प्याज निकाल लिया गया था, लेकिन संग्रहीत नहीं किया जा सका था, वह भी क्षतिग्रस्त हो गया है। संगठन ने ऐसे किसानों के लिए 2,000 रुपये प्रति क्विंटल की सब्सिडी की मांग की है, जिन्हें अपनी फसल कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

मास्टर प्लान 2041 के तहत की जाएगी न्यू नोएडा की सेटेलाइट मैपिंग, अवैध निर्माण पर लगेगी रोक

नोएडा । नोएडा प्राधिकरण ने 'न्यू नोएडा' के सुनियोजित विकास की नींव रखने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मास्टर प्लान 2041 के तहत अब इस नए शहर की सेटेलाइट मैपिंग की जाएगी जिससे हर गली, हर प्लॉट, हर निर्माण की डिजिटल तस्वीर सामने आ सकेगी। इससे न सिर्फ विकास के खाके को आधुनिक आधार मिलेगा बल्कि अवैध निर्माण पर भी लगाम लगाई जा सकेगी।दादरी और खुर्जा के बीच फैले 80 गांवों की जमीन पर प्रस्तावित 'दादरी-गाजियाबाद-नोएडा इन्वेस्टमेंट रीजन' यानी न्यू नोएडा की असल तस्वीर अब आकार ले रही है।

नोएडा अथॉरिटी सैटेलाइट डेटा के आधार पर एक बेसमैप तैयार करवा रही है, जो इस पूरे क्षेत्र की भौगोलिक, संरचनात्मक और बुनियादी जानकारी देगा। इस नक्शे के जरिए न केवल सड़कें, जल निकासी, हरित पट्टियां और भवनों की योजना बनेगी, बल्कि अवैध निर्माणों की सटीक पहचान भी हो सकेगी वो भी इस दावे के साथ कि निर्माण मास्टर प्लान से पहले का है, अब नहीं चलेगा। नोएडा प्राधिकरण का मानना है कि सेटेलाइट मैपिंग से क्षेत्र की सटीक भौगोलिक संरचना, बुनियादी ढांचे और गांवों की मौजूदा स्थिति को समझना आसान होगा। इससे भविष्य की प्लानिंग और संसाधनों का स्मार्ट वितरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। बेसमैप का इस्तेमाल मास्टर प्लान 2041 के लिए रियल-टाइम गाइड के तौर पर किया जाएगा। प्राधिकरण लैंड पुलिंग मॉडल पर भी मंथन कर रहा है यानी किसान ज़मीन देंगे और बदले में विकसित प्लॉट लौटाए जाएंगे। लेकिन इसमें सबसे बड़ी चुनौती यही है कि किसानों को साफ पता नहीं कि उन्हें जो ज़मीन मिलेगी वह किस जोन के लिए होगी औद्योगिक, वाणिज्यिक, या आवासीय। ऐसे में जोनिंग मिक्सअप भविष्य की चुनौतियां बन सकते हैं। जमीन अधिग्रहण के लिए रेट्स तय करना अभी बाकी है। न्यू नोएडा का दायरा यमुना और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से जुड़ता है लेकिन इसे विकसित नोएडा प्राधिकरण करेगा। इसी संतुलन के लिए स्थानीय सांसद, विधायक और किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। नोएडा अथॉरिटी ने विकास कार्यों की शुरुआत ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और जीटी रोड से सटी ज़मीन से करने का फैसला किया है। यहां औद्योगिक और संस्थागत जोन पहले से तय हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर, रोड नेटवर्क और ट्रांजिट की प्राथमिकता से निवेशकों को आकर्षित किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने कहा कि सेटेलाइट बेसमैप से गांवों में हुए हर निर्माण की जानकारी डिजिटल रूप में उपलब्ध होगी। इससे तय होगा कि कहां अवैध प्लॉटिंग हुई है, कहां पुनर्विकास की जरूरत है और किन इलाकों में तत्काल कार्यवाही जरूरी है।

टेक्नोलॉजी के सहारे न्यू नोएडा को एक स्मार्ट, ग्रीन और इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने की योजना है। सेटेलाइट से देखी गई ज़मीन पर बनने वाले मास्टर प्लान 2041 की नींव अगर तयशुदा वक्त पर रखी गई, तो आने वाले दो दशकों में न्यू नोएडा भारत के सबसे बड़े और सुनियोजित औद्योगिक शहरों में शामिल हो सकता है।

जनप्रतिनिधियों से होगी चर्चा

जमीन अधिग्रहण के लिए रेट्स तय करना अभी बाकी है। न्यू नोएडा का दायरा यमुना और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र से जुड़ता है लेकिन इसे विकसित नोएडा प्राधिकरण करेगा। इसी संतुलन के लिए स्थानीय सांसद, विधायक और किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। नोएडा अथॉरिटी ने विकास कार्यों की शुरुआत ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और जीटी रोड से सटी ज़मीन से करने का फैसला किया है। यहां औद्योगिक और संस्थागत जोन पहले से तय हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, रोड नेटवर्क और ट्रांजिट की प्राथमिकता से निवेशकों को आकर्षित किया जाएगा।

महत्वाकांक्षी योजना को चार चरणों में पूरा किया जाएगा

- पहला चरण: 3,165 हेक्टेयर, लक्ष्य – 2027
- दूसरा चरण: 3,798 हेक्टेयर, लक्ष्य – 2032
- तीसरा चरण: 5,908 हेक्टेयर, लक्ष्य – 2037
- चौथा चरण: 8,230 हेक्टेयर, लक्ष्य – 2041

इन सभी चरणों में औद्योगिक, संस्थागत, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों का विस्तार किया जाएगा। विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए जोखाबाद और सांवली गांव के पास, सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र में 10,000 वर्ग मीटर जमीन पर अस्थायी कार्यालय खोले जा रहे हैं। इससे प्राधिकरण की निगरानी स्थानीय स्तर पर और मजबूत होगी।

तैराकी में गौतमबुद्ध नगर की टीम ओवरऑल विजेता

नोएडा। लखनऊ में आयोजित 66वें सीनियर यूपी राज्य तैराकी प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध नगर ओवरऑल विजेता घोषित हुई। बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया। जिसके बदौलत राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध नगर अपनी चमक बिखेरने में सफल रहा है। गौतमबुद्ध नगर तैराकी एसोसिएशन के सचिव सुरेश देशवाल ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर की बेटियों ने जीत का सिलसिला जारी रखा है।

बालक व बालिका वर्ग की टीम ने पिछले साल की तरह इस साल भी ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया व जीत के पुराने ताज को बरकरार रखा है। रविवार को खत्म हुई तैराकी प्रतियोगिता के उपलक्ष्य में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि जिले की खिलाड़ी शान्वी बाहरी ने 800 मीटर फ्री स्टाइल में कांस्य पदक, 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में भाविका चौधरी ने स्वर्ण पदक, 200 मीटर बैक स्ट्रोक बालक वर्ग में वेदांत चंद्रा ने स्वर्ण पदक, 200 मीटर बैक स्ट्रोक बालिका वर्ग में द्रोथी ने रजत पदक, 200 मीटर बटर फ्लाई महिला वर्ग में शायला ने रजत और उत्सा गंगवार ने कांस्य पदक जीता।

400 मीटर आईएम महिला वर्ग में उत्सा गंगवार ने स्वर्ण, शार्वी वर्मा ने रजत पदक, 200 मीटर फ्री स्टाइल महिला वर्ग में सिदक कौर ने कांस्य पदक, 50 मीटर बटर फ्लाई बालक वर्ग में वेदांत ने कांस्य पदक, 50 मीटर बटर फ्लाई महिला वर्ग में शायला ने स्वर्ण पदक, सिदक कौर ने कांस्य पदक,50 मीटर बैक स्ट्रोक में वेदांत चंद्रा ने स्वर्ण पदक, 50 मीटर बैक स्ट्रोक महिला वर्ग में सिदक कौर ने रजत पदक, 50 मीटर फ्री स्टाइल बालक वर्ग में वेदांत ने कांस्य पदक और बालिका वर्ग में भाविका चौधरी ने कांस्य पदक जीत कर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया। इन खिलाड़ियों के प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में प्रदर्शन को लेकर जिला तैराकी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की है।

हल्के यात्री और दोपहिया वाहनों के खिलाफ चलाया गया विशेष चेकिंग अभियान

पहले दिन हुई 15 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अतिरिक्त आज से बिना परमिट निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग और हल्के यात्री व दोपहिया वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान का शुभारंभ किया गया।

अभियान के पहले दिन 15 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिनमें 3 हल्के यात्री वाहन और 3 मोटरसाइकिल शामिल हैं। यह अभियान 1 जून से 15 जून 2025 तक चलेगा और इसका नेतृत्व जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा कर रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर के एआरटीओ डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, राजस्व हानि रोकने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में बिना परमिट व्यावसायिक कार्य कर रहे निजी वाहनों, जैसे स्कूलों की निजी वैन, ओला, उबर, जोमैटो आदि में उपयोग हो रही निजी मोटरसाइकिलों एवं अन्य वाहनों की सख्त जांच की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में पांच प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं, जिनमें तीन सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) और दो यात्रीकर अधिकारी (पीटीओ) शामिल हैं। ये टीमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों के परमिट और प्रपत्रों की गहनता से जांच करेंगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगी।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना रजिस्ट्रेशन वाहन चलाने पर 5,000 रुपये और बिना परमिट व्यावसायिक उपयोग पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। इस अभियान के तहत आज बिना परमिट व्यावसायिक कार्य करने पर 15 वाहनों को निरुद्ध किया गया, जिनमें 3 हल्के यात्री वाहन और 3 मोटरसाइकिल शामिल हैं।

यह अभियान बादलपुर, नालेज पार्क, सेक्टर-62 और परी चौक क्षेत्रों में चलाया गया। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि कोई भी निजी वाहन बिना वैध परमिट के व्यावसायिक कार्य नहीं कर सकता। जनपद के कार्यालय अध्यक्षों से किराये पर अनुबंधित वाहनों की सूचना भी मांगी गई है ताकि इस अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके।

योग और ध्यान आध्यात्म को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर डेल्टा-वन में महर्षि पतंजलि अंतरराष्ट्रीय योग विद्यापीठ के संस्थापक योग गुरु कर्मवीर के सानिध्य में चल रहे सात दिवसीय योग शिविर का रविवार को समापन हो गया। आखिरी दिन योग, प्राणायाम और ध्यान मुद्रा के साथ संकल्प यज्ञ का आयोजन किया गया।

इस विशेष यज्ञ में लोगों से आहुति लगवाकर उन्हें संकल्प कराया गया कि हम योग प्राणायाम और ध्यान आध्यात्म को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर शरीर को निरोगी बनाएंगे। शुद्ध-सात्विक भोजन व विचारों को ग्रहण करके अपने शरीर, मन और मस्तिष्क को स्वस्थ बनाएंगे। साथ ही परिवार में ऋषि मुनियों द्वारा हमें दी गई इस महान अनमोल संस्कृति विरासत को आगे बढ़ाएंगे। इस मौके पर आयोजन समिति के बिजेंद्र आर्य, मांगेराम आर्य, हरिश्चंद्र भाटी, ओमवीर भाटी, अजीत दौला, सरदार मनजीत सिंह, आलोक नागर, विकास जतन भाटी, धर्मवीर प्रधान, चमन शास्त्री, कमल आर्य आदि उपस्थित रहे।

यौन उत्पीड़न के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने शनिवार को लोकल इंटेलिजेंस की सूचना पर शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न के मामले में वांछित आरोपी को जीरो प्वाइंट के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीटा-2 निवासी प्रियांक मिश्रा के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि प्रियांक ने एक महिला को शादी का झांसा देकर उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता का निजी वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। दबाव बनाकर पीड़िता से अपने खाते में 1.90 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। घटना के संबंध में पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। आरोपी के खिलाफ शादी का झूठा वादा करके यौन संबंध बनाने आदि की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-51 RWA चुनाव: अनिल प्रकाश रन्होत्रा फिर से अध्यक्ष, सभी 16 पदों पर निर्विरोध चयन

नोएडा। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) के चुनाव में इस बार भी सभी 16 पदों पर निर्विरोध चयन हुआ है। पूर्व अध्यक्ष अनिल प्रकाश रन्होत्रा को एक बार फिर से आरडब्ल्यूए का अध्यक्ष चुना गया है, जबकि संजीव कुमार को महासचिव और एमजी अग्रवाल को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव अधिकारी अतुल मित्तल ने रविवार को चुनाव परिणामों की आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि 17 में से 16 पदों पर केवल एक-एक उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया था।

इन पदों पर किसी अन्य दावेदार के न होने से सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। केवल ई-ब्लॉक के एग्जीक्यूटिव मेंबर पद के लिए कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ, जिससे वह पद फिलहाल रिक्त है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की और अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

चुनाव अधिकारी ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। नवनिर्वाचित टीम में अनिल प्रकाश रन्होत्रा (अध्यक्ष), पवन शर्मा (उपाध्यक्ष), संजीव कुमार (महासचिव), एमजी अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। इस अवसर पर डीडी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ठाकुर एनपी सिंह, एमएसएमई अध्यक्ष सुरेंद्र नाहटा, डीडीआरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष अनिल खन्ना, अनिल सिंह, सुधीर उप्पल, एके दुबे समेत कई गणमान्य लोग एवं निवासी मौजूद रहे।

युवा पीढ़ी के चरित्र निर्माण के लिए आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ

नोएडा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा नोएडा के सेक्टर-44 स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में आठ दिवसीय विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का आज भव्य शुभारंभ किया गया। इस शिविर में लगभग 200 आर्य युवक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा नेता श्याम जाजू ने दीप प्रज्वलित करके और मेजर जनरल आरके एस भाटिया ने ध्वजारोहण करके किया।

कार्यक्रम के दौरान श्याम जाजू ने कहा कि आर्य समाज ने देश के सामाजिक निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि संस्कार पूरे जीवन चले जाते हैं और ऐसे चरित्र निर्माण शिविरों से युवाओं का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने आशा जताई कि चरित्रवान युवा राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। मुख्य वक्ता आर्ष गुरुकुल नोएडा के प्राचार्य डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने युवाओं को मातृभाषा, मातृभूमि, देश की संस्कृति, माता-पिता और गुरु का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज का लक्ष्य भावी पीढ़ी को चरित्रवान और संस्कारवान बनाना है। ऐसे शिविरों से निकले युवा ईश्वर भक्त और राष्ट्र भक्त बनेंगे। इसके अलावा आर्य नेत्री गायत्री मीना, राज सरदाना, कर्नल कर्ण खरब, राम लुभाया महाजन, आचार्य महेंद्र भाई ने भी संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ओम सपरा ने कहा कि यह शिविर चुने हुए युवकों का सुंदर गुलदस्ता है, जहां वे योग, प्राणायाम, व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण का आठ दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने व्यक्तित्व को निखारेंगे। प्रदेश अध्यक्ष योगी प्रवीण आर्य ने बताया कि शिविर में 8 जून तक युवाओं को योगासन, दंड बैठक, लाठी, जूडो कराटे, आत्मरक्षा, संध्या यज्ञ और भारतीय संस्कृति की जानकारी दी जाएगी, जिससे वे अपनी पुरातन संस्कृति पर गर्व करना सीख सकें। शिविर में गायिका पिंकी आर्या एवं प्रवीण आर्य ने भजन भी प्रस्तुत किए। शिविर में रामकुमार आर्य, सुरेश आर्य, वेद प्रकाश आर्य, धर्मपाल आर्य, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सौरभ गुप्ता, त्रिलोक शास्त्री, अरुण आर्य, यज्ञवीर चौहान, सुभाष शर्मा, मंगल सिंह चौधरी, कमल आर्य, डॉ. उमेश सपरा, पतराम त्यागी, संजीव ढाका, रोशनी आर्य, विवेक अग्निहोत्री सहित कई अन्य उपस्थित थे।

नोएडा में जल्द खुलेगा डियर पार्क और मिनी जू खुलने

बायोडायवर्सिटी पार्क में 40 करोड़ की लागत से किया जा रहा विकसित

नोएडा। नोएडा में रहने वालों के लिए अब चिड़ियाघर या डियर पार्क देखने के लिए दिल्ली की ओर रुख करना बीते दिनों की बात हो जाएगी। नोएडा के सेक्टर-91 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में जल्द ही एक शानदार डियर पार्क और मिनी जू खुलने जा रहा है, जहां आपको मिलेगा प्रकृति से जुड़ने का अनोखा अनुभव और वो भी शहर की सीमाओं में रहते हुए। करीब 30 एकड़ में फैले इस पार्क को करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है।

यह नोएडा और गाजियाबाद का पहला ऐसा प्रोजेक्ट होगा जहां एक साथ 132 हिरणों को 10 अलग-अलग प्रजातियों में रखा जाएगा जिनमें तीन प्रजातियां अफ्रीका से भी लाई जाएंगी। पार्क को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि यहां का वातावरण प्राकृतिक लगे और जानवरों को किसी तरह की परेशानी न हो। पार्क के डिजाइन की निगरानी एक पूर्व जिला वन अधिकारी कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह संरचना जानवरों के स्वास्थ्य और आगंतुकों के अनुभव दोनों के लिहाज से अनुकूल हो। यह पार्क सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण का भी केंद्र बनेगा। यहां घायल जानवरों के लिए एक पुनर्वास केंद्र भी बनाया जाएगा।

एयरपोर्ट पर पकड़े गए जानवरों या घायल हिरणों को यहीं सुरक्षित वातावरण में रखा जाएगा। इसके अलावा, धनौरी वेटलैंड के पास एक नया रेस्क्यू सेंटर भी तैयार किया जा रहा है। यह पार्क लोगों को सिर्फ हिरणों के करीब लाने का काम नहीं करेगा, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जागरूकता की दिशा में एक बड़ी पहल भी साबित होगा। यहां आगंतुकों को बताया जाएगा कि जानवरों के साथ कैसे सह-अस्तित्व में रहा जाए, उनकी जरूरतें क्या हैं और उन्हें क्यों बचाना जरूरी है। पार्क की सबसे बड़ी खासियत होगी यहां की 'सनसेट सफारी'। पहली बार नोएडा में आप शाम के समय जंगल जैसा अनुभव ले पाएंगे। पार्क में ऐसी विशेष लाइटिंग लगाई जाएगी, जो सूर्यास्त के बाद भी एक प्राकृतिक माहौल बनाए रखेगी। यहां आप रात 10 बजे तक हिरणों और अन्य जानवरों को देख पाएंगे, जो अब तक शहरों में एक दुर्लभ अनुभव माना जाता है।

यह डियर पार्क ना सिर्फ नोएडा की हरियाली और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देगा, बल्कि शहरी जीवन के बीच एक शांत और प्राकृतिक अनुभव भी प्रदान करेगा। नोएडा अब सिर्फ टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर का शहर नहीं बल्कि प्रकृति से जुड़ने का भी नया केंद्र बनता जा रहा है।

मनोरंजन के अलावा बनेगा वन्यजीव संरक्षण का केन्द्र

यह पार्क सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण का भी केंद्र बनेगा। यहां घायल जानवरों के लिए एक पुनर्वास केंद्र भी बनाया जाएगा। एयरपोर्ट पर पकड़े गए जानवरों या घायल हिरणों को यहीं सुरक्षित वातावरण में रखा जाएगा। इसके अलावा, धनौरी वेटलैंड के पास एक नया रेस्क्यू सेंटर भी तैयार किया जा रहा है।

स्वदेशी जागरण मंच की नई कार्यकारिणी का गठन

ग्रेटर नोएडा। स्वदेशी जागरण मंच की जिला इकाई गौतमबुद्धनगर की नई कार्यकारिणी का शनिवार को गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में शारदा विवि के डॉ. शशांक शर्मा को संगठन के जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ.राजीव कुमार ने बताया कि नई कार्यकारिणी में डॉ. दिव्या त्रिपाठी को गलगोटिया विवि प्रमुख, डॉ. गौरव कुमार व नीरज कौशिक को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय प्रमुख तथा डॉ. सतीश कुमार को शारदा विवि का प्रमुख बनाया गया है। वहीं स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबी भारत अभियान का जिला समन्वयक शारदा विवि के डॉ.मोहित साहनी को नियुक्त किया गया है। डॉ.शशांक शर्मा ने बताया कि स्वदेशी जागरण मंच आगामी दिनों में विभिन्न जन जागरूकता अभियानों, स्वदेशी उत्पादों के प्रचार, प्रशिक्षण शिविरों तथा सम्मेलन का आयोजन कर लोगों को स्वदेशी के पक्ष में संगठित करने का प्रयास किया जाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर होगा बनारस के घाटों के दर्शन

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर के टर्मिनल की सीढ़ियों पर वाराणसी के घाटों का दर्शन होंगे। कॉनकोर्स हवेली सरीखा और शाही अंदाज में दिखेगा। जैसे-जैसे हवाई अड्डा आकार ले रहा है, वैसे-वैसे इसे देखने की ललक लोगों में बढ़ती जा रही है। नोएडा के जेवर एयरपोर्ट को इतना आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जा रहा है कि हर किसी को इसके शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है। नोएडा एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने रखी थी। इसका निर्माण करने वाली कंपनी ज्यूरिख के अनुसार, हवाई अड्डे पर भारत की संस्कृति को दर्शाया जाएगा। विशेषकर उत्तर प्रदेश की संस्कृति और ऐतिहासिक विरासतों को। टर्मिनल की सीढ़ियों को कुछ इस तरह से बनाया जा रहा है कि इससे वाराणसी के घाटों की सीढ़ियों जैसा नजारा पेश हो। इस पर बनारस के घाटों के चित्र उकेरे जाएंगे। आगरा, लखनऊ, मेरठ, कानपुर, प्रयागराज में हवेलियों का चलन था। एयरपोर्ट के कॉनकोर्स पर रेस्तरां में कुछ हवेली जैसा एंटीक और शाही अंदाज देने की तैयारी है। इससे विदेशी पर्यटकों को देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत से रूबरू कराया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट से प्रत्येक वर्ष करीब 1.20 करोड़ यात्री उड़ान भरेंगे

अनुमान है कि नोएडा एयरपोर्ट से प्रत्येक वर्ष करीब 1.20 करोड़ यात्री उड़ान भरेंगे। यानी प्रत्येक माह करीब 10 लाख यात्री इस हवाई अड्डे का उपयोग करेंगे। चौथे चरण के बाद यहां से गुजरने वाले यात्रियों की संख्या सात करोड़ तक हो सकती है। किरण जैन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर का कहना है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण कार्य पूरी क्षमता के साथ चल रहा है। इसके निर्माण पर एक हजार से अधिक श्रमिक और कामगार कार्य कर रहे हैं।

गोवा में घूम रही थीं युविका चौधरी

घर में हो गई चोरी, सामान चुरा रफूचक्कर हुई नौकरानी

टीवी की दुनिया की मशहूर जोड़ी प्रिंस नरुला और युविका चौधरी अपनी निजी जिंदगी के चलते सुर्खियों में बने रहते हैं। युविका और प्रिंस ने हाल ही में कोर्ट मैरिज करते हुए अपना एक वीडियो फैंस के साथ शेयर किया था, मगर अब कपल के घर से एक शॉकिंग घर सामने आई है। एक्ट्रेस अपनी परिवार के साथ गोवा ट्रिप पर थीं और पीछे से उनके घर पर दिनदहाड़े चोरी हो गई। इस बारे में युविका ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में बताया है। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने इस बारे में क्या कहा है। एक्ट्रेस युविका चौधरी अपनी शादी के बाद से ही एक्टिंग वर्ल्ड से दूर हो गई हैं और फिलहाल वो मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं। युविका चौधरी यूट्यूब पर व्लॉग बनाती हैं, जिसमें वो लोगों के साथ अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करती हैं और दिखाती हैं। युविका ने लेटेस्ट वीडियो में बताया है कि जब वो अपने परिवार के साथ गोवा ट्रिप पर थीं, जब पीछे से उनके घर चोरी हो गई है। युविका चौधरी ने अपना जो वीडियो शेयर किया है, उसमें उन्होंने कहा, मैं गोवा में फैमिली के साथ ट्रिप थी और प्रिंस अपने काम से शहर से बाहर था। इस बीच हमारे हाउसहेल्प ने हमारा घर लूट लिया और वहां से भाग गया। उस समय उसके अलावा हमारे घर पर कोई नहीं थां और जब हमें ये पता चला तो हमें इसे समझने में भी काफी टाइम लगा।

तलाक की खबरों के लेकर चर्चा में थीं एक्ट्रेस युविका चौधरी

बता दें कि पिछले दिनों ये चर्चा भी थी कि प्रिंस और युविका जल्द ही तलाक लेने वाले हैं। हालांकि कपल ने शादी के सात साल बाद अपनी रजिस्टर्ड मैरिज कर इन अफवाहों को खारिज कर दिया है। ये कपल एक बेटी के पेरेंट्स हैं। जिसका नाम उन्होंने एकलीन रखा है।

बेटी की देखभाल कर रहीं युविका चौधरी

युविका ने आगे बताया है कि उनका घर सारा फैला हुआ है और जिसकी वजह से उनके सारे काम भी रुक गए। वो फिलहाल अपनी बेटी एकलीन को संभाल रही हैं, क्योंकि वो अब काफी एक्टिव हो गई है, तो उसे अकेले संभालना भी मुश्किल होता है। जब तक एक्ट्रेस को नई हाउसहेल्प नहीं मिलती है, तब तक वो वीडियो भी नहीं बना पाएंगी। बेटी को अकेला नहीं छोड़ सकती हूं और इसी वजह से मेरी मां घर से खाना भेज रही हैं, क्योंकि मेरी बेटी की नैनी को भी अपने घर जाना था।

फिल्म शूटिंग को मिस कर रहीं इलियाना डिक्रूज, 'रेड 2' को ठुकराने की बताई वजह

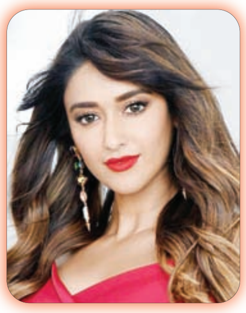

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने कहा कि उन्हें अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' में दोबारा वही किरदार निभाने का ऑफर मिला था। लेकिन उन्होंने यह ऑफर ठुकरा दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया। रविवार की सुबह इलियाना डिक्रूज ने अपने फैंस के साथ एक सवाल-जवाब सेशन किया। इसमें एक फैन ने उनके कमबैक को लेकर सवाल पूछा और कहा कि उन्हें 'रेड 2' और बाकी फिल्मों में उनकी कमी खल रही है। इसका जवाब देते हुए इलियाना ने कहा, "मुझे भी फिल्मों में काम करना बहुत याद आता है और मैं 'रेड 2' का हिस्सा बनना चाहती थी। 'रेड' मेरे लिए एक खास फिल्म थी और उसमें मालिनी का किरदार निभाना और डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता और एक्टर अजय देवगन के साथ काम करना बहुत खास अनुभव रहा।" एक्ट्रेस ने आगे कहा, "'रेड 2' के मेकर्स ने मुझे फिल्म का ऑफर दिया था, लेकिन अफसोस की बात है कि हम शूटिंग का टाइम फिक्स नहीं कर पाए। क्योंकि उस समय मैंने अपने बच्चे को जन्म दिया था और इस वक्त मेरी जिम्मेदारियां बिल्कुल अलग हैं।" बता दें कि इलियाना ने 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'रेड' में मालिनी पाठक का किरदार निभाया था। इलियाना ने आगे वाणी कपूर की तारीफ भी की, जो 'रेड 2' में नजर आई हैं। इलियाना ने कहा, "जहां तक बात है, तो मैंने जितने भी प्रोमो देखे हैं, उनमें वाणी बहुत खूबसूरत लगीं।

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी

'ऐसा लग रहा है, जैसे कभी गई ही नहीं'

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी खुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं। नरगिस ने रविवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें 'हाउसफुल 5' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, "कमबैक३ जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं।" एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत 'शिव शास्त्री बलबोआ' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था। उनकी आने वाली फिल्म 'हाउसफुल 5' की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना 'द फुगड़ी डांस' रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें 'लाल परी', 'दिल ए नादान', 'कयामत' और नया 'द फुगड़ी डांस' शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले 'दोस्ताना' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा।

थाइरॉएड में शुगर और सोया से बचें

थाइरॉएड, गर्दन के सामने वाले हिस्से में तितली के आकार की ग्रंथि है। इससे निकलने वाले हार्मोंस शरीर की भोजन को ऊर्जा में बदलने की क्षमता को काबू में रखते हैं। इस ग्रंथि में गड़बड़ी आने पर हाइपो या हाइपर थाइरॉएडिज्म होता है और वजन तेजी से कम या बढ़ने लगता है। हृदय, बाल, नाखून व नींद पर भी इसका असर होता है। दवाओं के अलावा थाइरॉएड पीड़ितों के लिए खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है।

आयोडीन

शरीर में थाइरॉएड हार्मोन बनने के लिए आयोडीन की जरूरत होती है। चूंकि शरीर स्वयं आयोडीन नहीं बनाता, इसलिए उसे डाइट में लेना जरूरी हो जाता है। आयोडीन युक्त नमक का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि समुद्री नमक या डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाले नमक में आयोडीन नहीं होता। नमक या उत्पाद खरीदते समय इसका ध्यान रखें।

समुद्री भोजन

मछली, झींगा आदि तमाम तरह के समुद्री भोजन में आयोडीन प्राकृतिक रूप से मौजूद होता है। यदि हाइपर थाइरॉएडिज्म की शिकायत है, तो समुद्री भोजन अधिक मात्रा में नहीं लेना चाहिए। अगर थाइरॉएड ग्रंथि अधिक मात्रा में हार्मोन बनाती है तो अतिरिक्त आयोडीन स्थिति को और गंभीर बना देता है। उदाहरण के लिए समुद्री घास में आयोडीन बहुत अधिक मात्रा में होता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां, मेवे और बीज

मैग्नीशियम की कमी से हाइपो थाइरॉएडिज्म होता है, जिससे थकावट व मांसपेशियों में खिंचाव रहने लगता है। इसके लिए पालक, लेट्यूस, हरी पत्तेदार सब्जियां, काजू, बादाम और सीताफल के बीज खाएं। ब्राजील मेवों में मैग्नीशियम के साथ सेलेनियम भी होता है।

दवाएं

कुछ दवाएं थाइरॉएड दवाओं के असर को कम करती हैं। खासतौर पर अगर वे लगभग एक ही समय ली जा रही हों। मल्टी विटामिंस, आयरन कैल्शियम सप्लीमेंट्स, एंटासिड, अल्सर या कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाली दवाएं इनमें प्रमुख हैं। यदि आप ऐसी ही दवाएं ले रहे हैं तो थाइरॉएड व अन्य दवाओं में कुछ घंटे का अंतर अवश्य रखें।

ग्लूटेन

ग्लूटेन, गेहूं व जौ में पाया जाने वाला प्रोटीन है। ग्लूटेन की एलर्जी वालों को छोड़ दें तो ग्लूटन थाइरॉएड पर असर नहीं डालता। हां, अगर गेहूं आदि से एलर्जी है तो ग्लूटेन छोटी आंत को नुकसान पहुंचा कर थाइरॉएड ग्रंथि की प्रक्रिया को तेज या धीमा कर सकता है।

चीनी

हाइपोथाइरॉएडिज्म में वजन तेजी से बढ़ता है। इसके लिए शुगर की मात्रा को कम रखना चाहिए। खासतौर पर ऐसे उत्पाद जिनमें कैलोरी अधिक व पोषक तत्व कम होते हैं, खाने से बचना चाहिए।

सोयाबीन

विशेषज्ञों के अनुसार सोयाबीन लेना हाइपोथाइरॉएडिज्म की आशंका बढ़ाता है। यदि पर्याप्त आयोडीन नहीं ले रहे हैं तो सोया उत्पाद जैसे दूध व टोफू आदि में पाए जाने वाले रसायन थाइरॉएड की हार्मोन बनाने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

गोभी व ब्रोकली

गाइट्रोजेंस, तत्व का असर थाइरॉएड ग्रंथि के आकार बढ़ने के रूप में दिखायी देता है जैसे गॉइटर। शरीर में आयोडीन की कमी से यह समस्या होती है। ऐसी स्थिति में गोभी, ब्रोकली, बंद गोभी खाना आयोडीन ग्रहण करने की क्षमता को कम करता है। जरूरी है तो इन्हें पकाकर ही खाएं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि :- गुस्से पर काबू और वाणी पर संयम रखना आवश्यक है। कहीं बाहर घूमने-फिरने जा सकते हैं।

मिथुन राशि :-परिजनों के साथ भरपूर मनोरंजन कर सकते हैं। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि :- परिजनों-मित्रों के साथ मांगिलक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

सिंह राशि :-आज का दिन आर्थिक योजना को लागू करने के लिए अच्छा है। खान-पान का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- लम्बे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी और जिंदगी सही दिशा की ओर मोड़ लेगी।

तुला राशि :- शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव करेंगे। खान-पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :-मित्रों तथा स्वजनों से मुलाकात होगी। परिवार का वातावरण सुखमय रहेगा।

धनु राशि :-परिजनों के साथ समय आनंद में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखकर विवाद से बच सकते हैं।

मकर राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।

कुम्भ राशि :- सहकर्मियों और अधिकारियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। वाणी पर संयम आपको लाभ दिला सकता है।

मीन राशि :- शुभकार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और पठन- लेखन जैसी साहित्यिक प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे को शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत की उप-कप्तान हिना (10') और लालरिनपुई (24') ने शुरुआती पलों में ही मैच भारत की पकड़ में ला दिया, जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की।

भारत ने मजबूत शुरुआत की। हिना ने 10वें मिनट में गोल किया, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद मिलाग्रोस सीगल ने गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक गोल करने का मौका मिला। इससे पहले, भारत की इस जूनियर टीम को अपने चौथे मैच में 2-2 से ड्रॉ के बाद चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत के लिए सुखवीर कौर (35) और कनिका सिवाच (47) ने गोल दागे थे। चिली के लिए जैसिंटा सोलारी (27) और कैप्टन लॉरा मुलर (42) ने गोल किए। भारतीय जूनियर महिलाओं ने 25 मई को चिली पर 2-1 की जीत के साथ अपने फ्रेंडली फोर नेशंस टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। भारत के लिए सुखवीर कौर (39) और कनिका सिवाच (58) ने गोल किए। चिली के लिए एकमात्र गोल जावेरिया सेंज (20) ने किया।

इसके बाद भारत ने 26 मई को दूसरे मैच में उरुग्वे पर 3-2 से जीत दर्ज की। तीसरे क्वार्टर के अंत तक खेल बराबरी पर रहा, लेकिन कनिका सिवाच ने अंतिम चरण में दो गोल करके भारत को जीत दिलाने में मदद की। भारत ने अपने तीसरे मैच में नियमित समय में 1-1 से बराबरी करने के बाद मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ शूटआउट में 2-0 से कड़ी टक्कर दी। कनिका (44) ने नियमित समय के दौरान भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुंगी ने शूटआउट में गोल करके जीत सुनिश्चित की थी।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम पर लगाया धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

दुबई। आईसीसी ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया है। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और मार्टिन सैगर्स, थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने ये आरोप तय किए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। होप की टीम पारी के अंत में जरूरी टारगेट से एक ओवर पीछे रह गई थी, जिसमें समय की छूट को ध्यान में रखा गया था। यह जुर्माना आईसीसी खिलाड़ी और खिलाड़ी सहायक कर्मचारी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुरूप है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से जुड़ा है। आईसीसी नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा तय समय के अंदर गेंदबाजी न कर पाने वाले प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

इंग्लैंड ने तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 400/8 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 162 रन ही बना सकी। साकिब महमूद और जेमी ओवरटन ने तीन-तीन विकेट लिए। इंग्लैंड ने 238 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे रविवार को कार्डिफ में खेला जाएगा।

कार्डिफ में जीत से इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने का मौका मिल जाएगा, जबकि एक मैच और खेलना बाकी है। इंग्लैंड की टीम ऑलराउंडर जेमी ओवरटन के बिना उतरेगी, जो दाएं हाथ की छोटी उंगली में फ्रेक्चर के कारण व्हाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं। मैथ्यू पॉट्स को उनकी जगह चुना गया है और वह इंग्लैंड के लिए अपना 10वां वनडे मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी, एरिगैसी ने नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया।

इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा था। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

रोलां गैरो में 99वीं जीत के साथ चौथे दौर में पहुंचे नोवाक जोकोविच

पेरिस। तीन बार के रोलां गैरो चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस क्ले पर अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज की है। जोकोविच ने ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। रोलां गैरो से ठीक पहले जिनेवा में अपने 100वें टूर लेवल सिंगल्स खिताब के बाद जोकोविच अब पहली बार एक ही टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने से महज एक कदम दूर हैं।

अगर जोकोविच सोमवार को पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी कैमरन नोरी को हरा दें, तो उनके नाम ये उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं। जोकोविच ने जीत का शतक पूरा करने की संभावना पर बात करते हुए कहा कि 99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं, क्योंकि हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता हूं, तो इतिहास की किताबों के लिए खेल रहा होता हूं। यह अविश्वसनीय है।

रोलां गैरो में जोकोविच से ज्यादा जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हैं, जिनका रिकॉर्ड 112-4 है। जोकोविच को 23 वर्षीय मिसोलिक के खिलाफ सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा।

इस परिणाम ने जोकोविच को व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका दिया। जोकोविच ने कहा, "यह मेरे लिए इस साल का पहला नाइट सेशन था। नाइट सेशन अलग होते हैं। खेलने के लिए पूरे दिन इंतजार करना आसान नहीं है, क्योंकि आप बहुत तनाव में होते हैं। आपको मैच के लिए तैयारी करनी होती है। पिछले साल मैंने कुछ नाइट सेशन खेले थे। लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ एक बेहतरीन सेशन, जो सुबह 3 बजे खत्म हुआ था। आज रात मैं बस यही उम्मीद कर रहा था कि यह 3 बजे के बाद खत्म न हो ! हमेशा बहुत सारी उम्मीदें होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने तीन सेटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन किया।

सिनर ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत के साथ फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे

पेरिस। शीर्ष रैंकिंग के खिलाफ यानिस सिनर ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में अपना दबदबा कायम करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को एक तरफ मुकाबले में 6-0, 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। इटली के इस खिलाड़ी ने 23 साल के लेहेका को एक घंटे 34 मिनट में हराकर इस सत्र की सबसे तेज जीत दर्ज की। सिनर ने विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी पर जीत दर्ज करने के बाद कहा कि हम सुधार करने की कोशिश करते हैं लेकिन इस परिणाम के बाद मुझे नहीं लगता कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनमें मैं सुधार कर सकता हूं।

अहलावत तीसरे दौर के बाद संयुक्त 28वें स्थान पर

साल्ज़बर्ग (ऑस्ट्रिया)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने ऑस्ट्रिया अल्पाइन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में तीन बर्डी और इतनी ही बोगी के साथ इवन पार का स्कोर बनाया और दिन का अंत संयुक्त 28वें स्थान पर किया। जर्मनी के मार्सेल श्नाइडर ने तीसरे दौर में 66 का कार्ड खेला और 15 अंडर के कुल स्कोर के साथ बढ़त बनाए रखी। अहलावत ने तीसरे और चौथे होल में लगातार बोगी बनाई। उसके बाद उन्होंने पांचवें और नौवें होल में बर्डी बनाकर वापसी की। इस भारतीय खिलाड़ी ने बैक नाइन में 10वें होल पर शॉट गंवा दिया, लेकिन 14वें होल पर बर्डी बनाकर दिन का समापन इवन पार 70 के स्कोर के साथ किया। उनका कुल स्कोर अब पांच अंडर पार है।

बोपन्ना और युकी फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस। फ्रेंच ओपन में भारत के अभियान का रविवार को अंत हो गया जब रोहन बोपन्ना और युकी भांबरी अपने अपने जोड़ीदारों के साथ पुरुष युगल वर्ग में तीसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। बोपन्ना और चेक गणराज्य के एडम पावलासेक दूसरी वरीयता प्राप्त फिनलैंड के हैरी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पैटन की जोड़ी को कड़ी टक्कर देने के बावजूद 6-2, 7-6 से हारकर बाहर हो गये। वहीं भांबरी और अमेरिका के रॉबर्ट गालोवे को नौवीं वरीयता प्राप्त क्रिस्टियन हैरीसन और इवान किंग की अमेरिकी जोड़ी ने 6-4, 6-4 से हराया। शुरुआत में भांबरी और गालोवे की सर्विस टूटी जिससे लय बिगड़ गई । हैरीसन ने फिर सर्विस तोड़कर पहला सेट अपनी टीम के नाम किया । दूसरे सेट में जब स्कोर 4-4 से बराबर था तब भांबरी की सर्विस टूटी जो निर्णायक साबित हुई । यह जोड़ी इसके बाद वापसी नहीं कर सकी । इससे पहले हेलियोवारा और पैटन की जोड़ी शुरुआती सेट में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही।

इंटर मिलान को 5-0 से रौंदकर पीएसजी ने पहली बार जीता यूएफा चैंपियंस लीग खिताब

बर्लिन। पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मिलान पर 5-0 की शानदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता लिया है। म्यूनिख में पीएसजी की जीत रिकॉर्ड तोड़ अंदाज में हुई। किसी भी टीम ने इससे पहले चार गोल से अधिक के अंतर से यूरोपीय कप फाइनल नहीं जीता था।

फ्रांसीसी चैंपियन ने मजबूत शुरुआत की। अचरफ हकीमी ने अपने पूर्व क्लब के खिलाफ 12वें मिनट में गोल करके शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके ठीक सात मिनट बाद 19 वर्षीय डेजायर डू ने दूसरे हाफ के बीच में एक और गोल करने से पहले संयमित फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। इस उपलब्धि ने उन्हें 1962 में बेनफिका के यूसेबियो के बाद चैंपियंस लीग फाइनल में दो बार गोल करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बना दिया। पीएसजी की आक्रमण शैली ने इंटर को परेशान कर दिया। मिलान मौके बनाने के लिए संघर्ष करती नजर आई। पीएसजी ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। खिचा क्वारत्सखेलिया ने 73वें मिनट में एक शानदार जवाबी हमले के बाद चौथा गोल किया और और सब्सिट्यूट सेनी मयुलु ने पांचवां गोल दागा। पीएसजी ने न केवल चैंपियंस लीग फाइनल में सबसे अधिक जीत हासिल की, बल्कि यूरोपीय सफलता का पीछा करने के एक दशक से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब भी जीता। यह केवल दूसरी बार था, जब किसी फ्रांसीसी क्लब ने यूरोपियन कप जीता। संयोग से मार्सिले ने साल 1993 में म्यूनिख में ही ऐसा मिलान को हराया था। पीएसजी के मिडफील्डर विटिना ने कहा, "यह सब कुछ मायने रखता है ! फैंस ही अहम वजह हैं, जिनके लिए हम यह ट्रॉफी जीतना चाहते थे। यह हमारा सपना है, यह हर किसी का सपना है। टीम बहुत अच्छी है और परिणाम किसी मैजिक से नहीं मिला।"

2015 में बार्सिलोना के साथ तिहरा खिताब जीत चुके कोच लुइस एनरिक अब पेप गार्डियोला के साथ दो अलग-अलग क्लबों के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले चुनिंदा मैनेजर्स में से एक बन गए हैं। अब तक सिर्फ दो ही मैनेजर्स ऐसा कर सके हैं। एनरिक ने कहा, "पहले दिन से ही मैंने कहा कि मैं महत्वपूर्ण ट्रॉफी जीतना चाहता हूं, और पेरिस ने कभी चैंपियंस लीग नहीं जीती। हमने पहली बार ऐसा किया। कई लोगों को खुश करना एक शानदार एहसास है।" जबकि इंटर, जिसने एक परिचित शुरुआती लाइनअप को मैदान में उतारा, सफलता पाने के लिए संघर्ष करती नजर आई।

मेस्सी के शानदार खेल से इंटर मियामी ने कोलंबस क्रू को 5-1 से हराया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल कर इंटर मियामी की एमएलएस (अमेरिका की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) में कोलंबस क्रू पर 5-1 की जीत में अहम योगदान दिया।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी ने मैच में नौ मिनट (15वें और 24वें) के अंदर दो गोल करने के साथ ही दो गोल में सहायक की भूमिका निभाई जिससे पिछले सप्ताह तक खराब दौर से गुजर रही मियामी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उनके बनाये मौके पर 13वें मिनट में तादेओ अलेंदे जबकि 89वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट ने गोल किया।

मियामी की टीम के लिए एक और गोल 64वें मिनट में दिग्गज लुइस सुआरेज ने किया। आठ बार बैलोन डी'ओर विजेता मेस्सी 16 गोल के साथ लीग के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है।

स्वितोलिना ने मैच प्वाइंट का बचाव कर 2024 की उपविजेता पाओलिनी को हराया

पेरिस। एलिना स्वितोलिना ने तीन मैच प्वाइंट का बचाव कर 2024 की उपविजेता और चौथी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को रविवार को यहां 4-6, 7-6, 6-1 से हराकर पांचवीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। फ्रेंच ओपन में आने से पहले पाओलिनी ने क्ले कोर्ट पर इटालियन ओपन का खिताब जीता था।

वह इस मुकाबले में लगातार नौ जीत के साथ पहुंची थी लेकिन बेहद मजबूत स्थिति में होने के बावजूद उन्होंने स्वितोलिना को वापसी का मौका दे दिया। यूक्रेन की 13वीं वरीयता स्वितोलिना के सामने अंतिम आठ मुकाबले में तीन बार की गत चैंपियन इगा स्वियातेक या 2022 विंबलडन चैंपियन एलिना रयबाकिना की चुनौती होगी। पाओलिनी ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन स्वितोलिना उनकी सर्विस को तोड़ने में सफल रही।

यूक्रेन की खिलाड़ी ने इसके बाद वापसी करते हुए टाई ब्रेकर तक चले इस सेट को अपने नाम किया। उन्होंने तीसरे सेट में दबदबा कायम करते हुए 6-1 की जीत के साथ मुकाबला अपना नाम कर लिया। इससे पहले दिन के शुरुआती मुकाबले में 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने पुरुष एकल में एलेक्सी पोपीरिन को 6-3, 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। 28 साल के पॉल दिग्गज आंद्रे अगासी (2003) के बाद फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अमेरिका के पहले पुरुष एकल खिलाड़ी बन गये।

पीएम मोदी का सपना होगा पूरा, भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल : योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। मशहूर पहलवान योगेश्वर दत्त का मानना है कि भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल होने जा रहा है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में रविवार को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खेल मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में साल 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त भी पहुंचे।

योगेश्वर दत्त ने कहा कि आज फिट इंडिया मुहिम के तहत साइकिल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मेरा मानना है कि ये यात्रा हमारे सैनिकों के सम्मान के लिए निकाली गई है। उसके लिए मैं शुभकामनाएं देता हूं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने पहलगाम में कायराना हरकत की थी। हमारे निर्दोष लोगों को उन्होंने मारा था और उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। हमारी सेना ने वो काम किया। दत्त ने आगे कहा कि नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया। 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, उसके बाद 2-3 दिन युद्ध चला, जिसमें हमने पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए। उनके ड्रोन्स को हमने मार गिराया। उनके दो फाइटर जेट को हमने मार गिराया। ये हमारे लिए गर्व की बात है। सीमाओं पर जो हमारे जवान दिन-रात पहरा देते हैं, जिनकी वजह से हम सुख-चैन से सो पाते हैं, उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा।

इसी साल मार्च में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से बैन हटा लिया गया था। योगेश्वर दत्त मान रहे हैं कि अब भारत में कुश्ती का भविष्य शानदार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल है। लगातार 5 ओलंपिक में हमने कुश्ती में मेडल जीते हैं। साल 2008 से 2024 तक हमने मेडल जीते हैं। फेडरेशन का इसमें बहुत बड़ा योगदान रहा है। पिछले दो साल जो घटनाक्रम हुआ, वो काफी दुखदायी था। उसमें कुश्ती की गलत छवि बनाने की कोशिश की गई। ये केस अभी कोर्ट में है।

उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल है। कोर्ट में चीजें हैं। सच सामने आ जाएगा। कुछ सच सामने आ भी रहा है। आने वाला समय कुश्ती का है। हम चाहते हैं कि 2036 ओलंपिक हमारे हिंदुस्तान में हो, जो हमारे पीएम मोदी का सपना है कि खेलों में हम महाशक्ति बनकर उभरे हैं। 2036 में जब ओलंपिक भारत में होगा, तो भारत खेलों में महाशक्ति बनकर उभरेगा।

शुभमन गिल के लिए कड़ी परीक्षा होगा इंग्लैंड का दौरा: सबा करीम

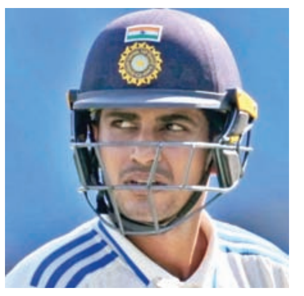

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय चयनकर्ता सबा करीम का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरा नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए कड़ी परीक्षा जैसा होगा और कप्तान के रूप में उनकी सफलता उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को कप्तान नियुक्त करके भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की। करीम ने रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम से इतर कहा कि यह उनके लिए एक परीक्षा है। मुझे यकीन है कि वह इसके लिए तैयार हैं। उन्हें बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर वह ऐसा करने में सफल रहते हैं तो इससे उनकी कप्तानी पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़ को पूरा विश्वास है कि भारत की युवा टीम इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करके अनुकूल परिणाम हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि मुझे इस युवा भारतीय टीम से अच्छे नतीजों की उम्मीद है। मैच वास्तव में प्रतिस्पर्धी होंगे और मुझे लगता है कि भारतीय खिलाड़ी इसके लिए तैयार हैं।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना अपनी शुरू करेंगी मुक्केबाजी अकादमी

नई दिल्ली। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की अकादमी का उद्घाटन मंगलवार को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा करेंगे। लवलीना ने कहा कि यह अकादमी सिर्फ प्रशिक्षण सुविधा से कहीं बढ़कर है। यह एक सपना है जो मैंने खुद और असम के उन अनगिनत युवा लड़कों और लड़कियों के लिए देखा है जो रिंग में उतरना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'लवलीना मुक्केबाजी अकादमी' के साथ मैं ऐसा माहौल बनाना चाहती हूं जहां महत्वाकांक्षी खिलाड़ी न केवल मुक्केबाजी की कला सीखें बल्कि सफल होने के लिए जरूरी जज्बा, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास भी हासिल करें। यह अकादमी युवा प्रतिभा को पोषित कर उन्हें विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचा प्रदान करने की लवलीना की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल और खेल से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास में एक ऐतिहासिक कदम भी है।

गाजा सहायता केंद्र की ओर जाते समय 31 फलस्तीनियों की मौत: अधिकारी

रफह (गाजा पट्टी)। गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री लेने के लिए सहायता केंद्र जाते समय कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों और कई प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजराइली बलों ने इजराइल समर्थित संस्था द्वारा संचालित सहायता स्थल से लगभग एक किलोमीटर (1,000 गज) दूर भीड़ पर गोलीबारी की।

सेना ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर कहा कि उसे 'मानवीय सहायता वितरण स्थल के भीतर (इजराइली सेना की) गोलीबारी से हुई हानि के बारे में जानकारी नहीं है। मामले की अभी समीक्षा की जा रही है।' 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन' द्वारा सहायता आपूर्ति का वितरण किए जाने के दौरान अराजकता की स्थिति रही है। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने सहायता वितरण स्थलों के पास भीड़ पर गोलीबारी की। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रविवार से पहले कम से कम छह लोग मारे गए तथा 50 से अधिक घायल हो गए। 'फाउंडेशन' का कहना है कि उसके स्थलों की सुरक्षा कर रहे निजी सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ पर गोली नहीं चलाई जबकि इजराइली सेना ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाने की बात स्वीकार की है।

फाउंडेशन ने पहले एक बयान में कहा था कि रविवार की सुबह 16 ट्रकों से भेजी गई सहायता वितरित की गई और इस दौरान 'कोई घटना नहीं हुई।' गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 31 लोग मारे गए हैं तथा 170 अन्य घायल हुए हैं। इससे कुछ घंटे पहले, 'रेडक्रॉस' द्वारा संचालित एक अस्पताल के अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया था कि गाजा पट्टी में इजराइल समर्थित एक संगठन से सहायता आपूर्ति प्राप्त करने के लिए जाते समय रविवार को कम से कम 21 फलस्तीनियों की मौत हो गई और 175 अन्य लोग घायल हो गए।

एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने अस्पताल में इलाज करा रहे दर्जनों घायलों को देखा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हजारों लोग भोर से कई घंटे पहले ही वितरण स्थल की ओर जाने लगे थे लेकिन जब वे स्थल की ओर बढ़ रहे थे, तो इजराइली सेना ने उन्हें तितर-बितर होने और बाद में आने का आदेश दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब भीड़ लगभग एक किलोमीटर (1,000 गज) दूर पहुंची, तो इजराइली सेना ने देर रात करीब तीन बजे गोलीबारी शुरू कर दी। भीड़ में मौजूद अम्र अबू तेइबा ने कहा कि नौसेना के युद्धपोतों से, टैंक और ड्रोन के जरिए चारों ओर से गोलीबारी हो रही थी। प्रत्यक्षदर्शी इब्राहिम अबू सऊद ने भी बताया कि इजराइली सेना ने सहायता वितरण केंद्र की ओर बढ़ रहे लोगों पर गोलियां चलाईं।

अबू सऊद ने बताया कि उसने गोलीबारी के कारण घायल हुए कई लोगों को देखा जिनमें एक युवक भी शामिल था, जिसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसने कहा कि हम उसकी मदद नहीं कर पाए। मोहम्मद अबू तेइमा ने बताया कि उसने सहायता वितरण केंद्र की ओर जा रहे लोगों पर इजराइली सेना को गोलीबारी करते देखा तथा इस गोलीबारी में उसके रिश्ते के भाई और एक अन्य महिला की मौत हो गई।

अमेरिकी रक्षा मंत्री शीतयुद्ध की मानसिकता को बढ़ावा दे रहे: चीन

बीजिंग। चीन ने रविवार को कहा कि बीजिंग को खतरा बताने संबंधी अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बयान निंदनीय है। चीन ने हेगसेथ पर शीतयुद्ध की मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। हेगसेथ के बयान के बाद वाशिंगटन व बीजिंग के बीच तनाव और बढ़ गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हेगसेथ ने शनिवार को वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'शांगरी-ला डायलॉग' में बीजिंग पर अपमानजनक आरोप लगाए। बयान में अमेरिका पर क्षेत्र में संघर्ष और टकराव को भड़काने का भी आरोप लगाया गया।

विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ के बीच द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की प्रतिद्वंद्विता की ओर इशारा करते हुए कहा कि हेगसेथ ने जानबूझकर क्षेत्र (एशिया) के देशों द्वारा शांति व विकास के आह्वान को नजरअंदाज किया और शांति के बजाय गुटों में टकराव के लिए शीतयुद्ध की मानसिकता को बढ़ावा दिया। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के अलावा दुनिया में कोई भी देश एक आधिपत्य शक्ति कहलाने का हकदार नहीं है। चीन ने आरोप लगाया गया कि वाशिंगटन, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को भी कमजोर कर रहा है। हेगसेथ ने शनिवार को सिंगापुर में कहा था कि अमेरिका, विदेशों में अपनी सुरक्षा को मजबूत करेगा ताकि पेंटागन, बीजिंग के तेजी से बढ़ते खतरों, खासकर ताइवान के प्रति उसके आक्रामक रुख का मुकाबला कर सके।

उन्होंने कहा था कि चीन की सेना असली जंग के लिए अभ्यास कर रही है और हम इसे यूं ही नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन से बढ़ता खतरा वास्तविक है। और ऐसा वास्तव में हो सकता है। चीन द्वारा जारी बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि ताइवान का मामला पूरी तरह से उसका आंतरिक मामला है। बयान में कहा गया कि अमेरिका को इस मुद्दे पर आग से नहीं खेलना चाहिए। इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि वाशिंगटन ने दक्षिण चीन सागर में आक्रामक हथियार तैनात किए हैं।

चीन ने बयान में कहा कि अमेरिका, एशिया-प्रशांत में चिनगारी भड़का रहा है, तनाव पैदा कर रहा है और इस क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल रहा है। सिंगापुर में चीन के दूतावास ने शनिवार को 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि हेगसेथ का भाषण 'उकसावे' से भरा हुआ था।

ईरान के बढ़ते यूरेनियम भंडार से जुड़ी रिपोर्ट पर ईरानी विदेश मंत्री ने आईएईए प्रमुख से की बात

दुबई। ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार सुबह संयुक्त राष्ट्र (संरा) की परमाणु निगरानी एजेंसी आईएईए के निदेशक से फोन पर बात की। इसके पहले अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की रिपोर्ट में कहा गया था कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार में बढ़ोतरी कर रहा है जो करीब-करीब हथियार बनाने योग्य स्तर का है।

'टेलीग्राम' ऐप पर अब्बास अराघची ने लिखा कि उन्होंने वियना स्थित अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी के साथ अपनी बातचीत में ईरान के 'निरंतर सहयोग' पर जोर दिया। आईएईए ने फोन कॉल के बारे में पूछे जाने पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया है।

आईएईए की गोपनीय रिपोर्ट, जिसे शनिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' ने देखा, में सख्त चेतावनी देते हुए कहा गया है कि ईरान अब ऐसी सामग्री का उत्पादन करने वाला परमाणु हथियार से रहित एकमात्र देश है। रिपोर्ट में इसे 'गंभीर चिंता' का विषय बताया गया है।

अराघची ने ग्रॉसी से बातचीत में इस चीज पर जोर दिया कि ईरान की सभी परमाणु गतिविधियां समझौतों के ढांचे के भीतर हैं और आईएईए द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है। आईएईए ने एक अलग रिपोर्ट में कहा कि ईरान के कई स्थानों पर (जिन्हें तेहरान परमाणु स्थल घोषित करने में विफल रहा है) आईएईए निरीक्षकों द्वारा यूरेनियम की मौजूदगी के निशानों का पता लगाए जाने के मामले में उसके (एजेंसी) साथ ईरान का सहयोग 'संतोषजनक' नहीं रहा है।

अराघची ने ग्रॉसी से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कुछ पक्षकार ईरानी लोगों के खिलाफ राजनीतिक एजेंडे के लिए एजेंसी का दुरुपयोग ना करें। यूरोपीय देश व्यापक रिपोर्ट के आधार पर ईरान के खिलाफ और कदम उठा सकते हैं, जिससे ईरान और पश्चिम के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है।

ब्रुनेई के सुल्तान को अस्पताल से मिली छुट्टी

कुआलालंपुर। ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्किया को थकान के कारण अस्पताल में भर्ती कराए जाने के पांच दिन बाद मलेशिया के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सुल्तान दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक हैं और सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले मौजूदा शासकों में उनका नाम शामिल हैं। ब्रुनेई सरकार ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि सुल्तान को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद कुआलालंपुर के एक होटल ले जाया गया है जहां वह कुछ दिन आराम करेंगे और फिर स्वदेश लौटेंगे। ब्रुनेई के सूचना विभाग ने फेसबुक पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें सुल्तान को उनकी पत्नी के साथ होटल में प्रवेश करते और एक कमरे में अपने परिवार के सदस्यों के साथ देखा जा सकता है। सुल्तान हसनल बोल्किया कुआलालंपुर में आयोजित दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे थे।

बांग्लादेश न्यायाधिकरण ने किया पूर्व प्रधानमंत्री को अभ्यारोपित

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और दो अन्य व्यक्तियों को पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों को हिंसक रूप से दबाने में उनकी कथित भूमिका के लिए सामूहिक हत्या सहित कई आरोपों में अभ्यारोपित किया। रविवार की कार्यवाही का मतलब है कि हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया जाएगा। यह कार्यवाही विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना सरकार के सत्ता से हटने के लगभग 10 महीने बाद शुरू हुई।

अभियोजन पक्ष द्वारा औपचारिक रूप से हसीना पर विरोध प्रदर्शनों को क्रूर तरीके से नियंत्रित करने का प्रयास करने का आरोप लगाये जाने के बाद तीन सदस्यीय आईसीटी पीठ ने कहा कि हम आरोपों को संज्ञान में लेते हैं। न्यायाधिकरण ने इसके साथ ही हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। मामले में तीसरे आरोपी एवं तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून इस समय हिरासत में हैं और उनकी उपस्थिति में मुकदमा चलेगा।

अभियोजन पक्ष ने हसीना पर विरोध को क्रूरता से दबाने के लिए पूर्ण अधिकार का प्रयोग करने का आरोप लगाया। अन्य दो लोगों पर उकसावे, मिलीभगत, उकसाने, भड़काने और अपराध में सहायता करने का आरोप लगाया गया है। मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने न्यायाधीकरण से आग्रह किया कि अवामी लीग को एक आपराधिक संगठन माना जाए क्योंकि अपराध पार्टी के आधार पर किए गए थे।

बांग्लादेश के आईसीटी अधिनियम के तहत अगर आरोपी मामले में दोषी करार दिये जाते हैं तो हसीना और सह-आरोपियों को मौत की सजा हो सकती है। बांग्लादेश के इतिहास में पहली बार न्यायाधिकरण की कार्यवाही का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। न्यायाधीकरण की कार्यवाही सुबह 9.30 बजे शुरू होनी थी, लेकिन इसमें थोड़ी देरी हुई क्योंकि अज्ञात लोगों ने सुनवाई शुरू होने से कुछ घंटे पहले न्यायाधिकरण के गेट पर तीन देसी बम फेंके। पुलिस ने बताया कि दो बम में धमाके हुए जबकि तीसरे को निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

हिंसक आंदोलन के बाद पिछले वर्ष पांच अगस्त को सत्ता से हटीं हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई मुकदमे चलाये जा रहे हैं। बांग्लादेश के आईसीटी ने इससे पहले तब हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था जब अंतरिम सरकार ने एक राजनयिक नोट में भारत से उन्हें प्रत्यर्पित किये जाने की मांग की थी। भारत ने राजनयिक नोट प्राप्त होने की बात स्वीकार की है कि लेकिन और कोई टिप्पणी नहीं की है।

ब्रिटेन को आतंकवाद पर भारत के रुख से प्रभावी तरीके से अवगत कराएंगे: रविशंकर प्रसाद

लंदन। भाजपा के सांसद रविशंकर प्रसाद ने रविवार को कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद पर ब्रिटेन को भारत के रुख से 'प्रभावी' तरीके से अवगत कराएगा और ब्रिटेन के प्रमुख हितधारकों के साथ बातचीत करेगा। प्रसाद के नेतृत्व में नौ सदस्यीय दल यूरोपीय दौरे के तहत तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को ब्रिटेन पहुंचा।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने किया। प्रतिनिधिमंडल को 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के अध्यक्ष लिंडसे होयल और विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) मंत्री कैथरीन वेस्ट सहित प्रमुख हितधारकों के साथ कई बैठकों में भाग लेना है। इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में डी पुरंदेश्वरी, प्रियंका चतुर्वेदी, गुलाम अली खटाना, अमर सिंह, समिक भट्टाचार्य, एम थंबीदुरई और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एमजे अकबर तथा राजदूत पंकज सरन शामिल हैं। ये नेता सामुदायिक समूहों, थिंक टैंक, सांसदों और प्रवासी नेताओं से मुलाकात करेंगे।

रविशंकर प्रसाद ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ मैं फ्रांस, इटली और डेनमार्क की सफल यात्राओं के बाद ब्रिटेन के लंदन में पहुंचा हूं।

प्रसाद ने कहा कि लंदन में 31 मई से तीन जून तक रहने के दौरान, हम आतंकवाद पर अपना रुख प्रभावी ढंग से व्यक्त करेंगे और संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) के अध्यक्ष लिंडसे होयल, विदेश मंत्री (हिंद-प्रशांत) कैथरीन वेस्ट, ब्रिटेन के सांसदों, नेताओं, थिंक टैंक, मीडिया प्रतिनिधियों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे। हमें विश्वास है कि हमारे संदेश को यहां भी वैसा ही समर्थन मिलेगा जैसा फ्रांस, इटली और डेनमार्क में मिला है।

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सांसदों का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम लंदन पहुंचा और उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने उनकी अगवानी की।' उच्चायोग ने कहा कि ब्रिटेन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के अध्यक्ष लिंडसे होयले, हिंद-प्रशांत के लिए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय मंत्री कैथरीन वेस्ट, सांसदों, थिंक टैंक और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से बातचीत करेगा। प्रसाद के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के कूटनीतिक संपर्क के तहत छह यूरोपीय देशों के दौरे पर है। पिछले हफ्ते फ्रांस, इटली और डेनमार्क की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद यह प्रतिनिधिमंडल यहां पहुंचा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में प्रतिनिधिमंडल ने वहां के सांसदों, विदेश मामलों के अधिकारियों और प्रवासी भारतीय समुदाय से बातचीत की थी।

विदेश मंत्रालय ने पूर्व के एक बयान में कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के प्रति भारत की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर जोर दिया और कहा कि हिंसा के किसी भी कृत्य का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करने और भारत के साथ एकजुटता दिखाने संबंधी डेनमार्क के सार्वजनिक रुख की भारत ने सराहना की।

रूस ने यूक्रेन के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर हमला किया, 12 सैनिकों की मौत

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर रविवार को मिसाइल से किये गए हमले में कम से 12 यूक्रेनियाई सैनिक मारे गए जबकि 60 से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की थलसेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि हमला अपराह्न 12:50 बजे हुआ। उसने दावा किया कि हमले के समय कोई सैन्य तैयारी नहीं हो रही थी।

यूक्रेन की थलसेना ने बताया कि हमले की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जिसमें इतने कर्मी हताहत हुए हैं। यूक्रेन का यह प्रशिक्षण केंद्र अग्रिम मोर्चे से करीब 1,000 किलोमीटर दूर है। हालांकि, इस स्थान को रूस के टोही और हमलावर ड्रोन निशाना बनाने में सक्षम हैं। यूक्रेन की सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है और एक स्थान पर सैनिकों के जमावड़े के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरत रही है, क्योंकि अग्रिम मोर्चे पर आसमान रूसी ड्रोन से भरे हैं जो निशाने की तलाश में रहते हैं।

यूक्रेन की थलसेना ने एक बयान में कहा कि यदि यह साबित हो जाता है कि अधिकारियों की कार्रवाई या निष्क्रियता के कारण सैनिक हताहत हुए हैं, तो जिम्मेदार लोगों की सख्ती से जवाबदेही तय की जाएगी। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेन के उत्तरी सुमी क्षेत्र के ओलेक्सीवका गांव पर उसने कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को सुमी क्षेत्र की 11 और बस्तियों को खाली करने का आदेश दिया, क्योंकि रूसी सेनाएं क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं।

हांगकांग की जलधारा में गूंजे ड्रैगन बोट्स के नगाड़े, प्राचीन चीनी त्योहार 'तुएन ङ' की धूम

हांगकांग। हांगकांग का दक्षिणी तट शनिवार को एक अनोखे उत्सव का गवाह बना, जब ड्रैगन बोट्स की धमक और ड्रमों की गूंज के साथ हजारों लोगों ने 2,000 साल पुरानी चीनी परंपरा ड्रैगन बोट फेस्टिवल को पूरे उल्लास के साथ मनाया।

स्टेनली बे में आयोजित स्टेनली इंटरनेशनल ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में देश-विदेश से आए सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। रंग-बिरंगी पारंपरिक नावों पर सवार इन टीमों ने अपने ड्रमरों की ताल पर लयबद्ध अंदाज में पतवार चलाई और तेज़ी से फिनिश लाइन की ओर बढ़े। तट पर जमा हजारों दर्शकों ने चीयर करते हुए इस दृश्य को एक सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया।

यह त्योहार 'तुएन ङ' के नाम से भी जाना जाता है और इसका संबंध प्राचीन चीन के एक राष्ट्रभक्त कवि और अधिकारी 'छू युआन' से है। कहा जाता है कि जब उन्होंने अपने राज्य के पतन और राजा की अनदेखी से दुखी होकर आत्महत्या कर ली, तो उन्हें सम्मान देने के लिए स्थानीय लोग नावों में बैठकर नदी में उनकी तलाश में निकले।

उन्होंने मछलियों को उनका शव खाने से रोकने के लिए नदी में चावल की पोटलियां (जोंगजी) फेंकीं – जो आज भी इस पर्व का एक अहम हिस्सा हैं। यह त्योहार केवल हांगकांग में ही नहीं, बल्कि मुख्यभूमि चीन, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया जैसे देशों में भी बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है।

बीजिंग के पास तोंगझोउ के ग्रैंड कैनाल के उत्तरी किनारे पर भी ड्रैगन बोट रेस का आयोजन हुआ, जहां स्थानीय समुदायों और पर्यटकों की भारी भागीदारी देखी गई।

न्यायालय ने जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल किया

ढाका। बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय ने रविवार को चुनाव आयोग को दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी पार्टी का पंजीकरण बहाल करने का आदेश दिया। अंतरिम सरकार द्वारा इस पर प्रतिबंध हटाए जाने के लगभग आठ महीने बाद, न्यायालय ने भविष्य के चुनावों में इसकी भागीदारी का रास्ता साफ कर दिया है। न्यायालय के अधिकारियों ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश सैयद रफात अहमद की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की अपीलीय शाखा ने आयोग को पार्टी का पंजीकरण बहाल करने का निर्देश दिया। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह चुनाव आयोग को तय करना है कि जमात अपने पारंपरिक 'तराजू' चुनाव चिह्न का उपयोग करके चुनाव लड़ सकती है या नहीं। चुनाव आयोग ने उच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुरूप दिसंबर 2018 में जमात का पंजीकरण रद्द कर दिया था, जो 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता का विरोध कर रही थी।

इस साल एआई और स्मार्ट तकनीक के इस्तेमाल से हज होगा आसान

रोबोट हज यात्रियों को करेगा गाइड, इस्लाम से जुड़े सवालों का देगा जवाब

रियाद। 4 जून से होने वाले हज के लिए दुनियाभर से मुस्लिम सऊदी अरब के शहर मक्का पहुंच रहे हैं। सऊदी सरकार ने हज यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस साल एआई और स्मार्ट तकनीक का इस्तेमाल हज यात्रा को आसान बनाने के लिए किया जा रहा है। मक्का और मदीना में रोबोट से लेकर एआई तक का इस्तेमाल प्रशासन कर रहा है ताकि भीषण गर्मी के बीच हाजी आसानी से अपने हज पूरा कर सकें।

मक्का और मदीना की ग्रैंड मस्जिदों की जनरल प्रेसीडेंसी ने बताया है कि इस साल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म पहली बार तैनात किए गए हैं। इसमें एआई रोबोट मनारह-2 भी शामिल है, जो तीर्थयात्रियों को गाइड करेगा। मनारह-2 उर्दू समेत कई भाषाओं में बात करता है और इस्लाम-हदीस से जुड़े सवालों का जवाब भी देता है। ग्रैंड मस्जिद में 21 इंच का टचस्क्रीन, 5जी नेटवर्क और हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा भीड़ को ट्रैक करने के लिए ग्राउंड सेंसर, गेट रीडर और एआई-सक्षम निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। हाजियों की जानकारी और फुटेज को ट्रैक करने के लिए ड्रोन के एक उन्नत बेड़े का इस्तेमाल किया जाएगा। नए एआई सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हुए स्थानीय बॉडी त्वरित प्रतिक्रिया दे सकेंगी। यह संभावित भगदड़ से बचने में मददगार साबित होगा। हाजियों की सेवा के लिए मुख्य स्थानों पर बहुभाषी स्मार्ट स्क्रीन लगाए जाएंगे। इससे वास्तविक समय की जानकारी और मदद मिले सकेगी। इनके अलावा विविध पृष्ठभूमि के हज यात्रियों के लिए धार्मिक और शैक्षिक सहायता प्रदान करने वाली विशिष्ट पहल इस्तेमाल में लाई जाएगी।

सऊदी अरब ने 2025 के लिए हज की तारीखों की जानकारी देते हुए बताया है कि मक्का में होने वाली सालाना हज तीर्थयात्रा 4 जून से शुरू होगी। सऊदी के हज मंत्री ने बताया कि दुनियाभर से करीब 10 लाख से ज्यादा लोग हज के लिए अब तक आ चुके हैं। पिछले साल 18 लाख मुसलमानों ने हज में हिस्सा लिया था। हज इस्लाम के पांच प्रमुख स्तंभों में से एक है। इस्लाम में आर्थिक रूप से संपन्न मुसलमानों के लिए जीवन में एक बार हज करना फर्ज है।